2023
नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
ईश्वर में हमारा विश्वास
राष्ट्रीय नवीन मेल
सत्यमेव जयते
रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित
www.rastriyanaveenmail.com • रांची • पौष शुक्ल पक्ष 10 • विक्रम संवत 2079 • रविवार, 01 जनवरी 2023 • वर्ष-23 • अंक-326 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 1.50

आईए, बनाएं नया झारखंड

नए साल की शुभकामनाएं!

खेतों की मेड़ों पर धूल भरे पांव को
कुहरे में लिपटे उस छोटे से गांव को
नए साल की शुभकामनाएं!

जांते के गीतों को बैलों की चाल को
करघे को कोल्हू को मछुओं के जाल को
नए साल की शुभकामनाएं!

इस पकती रोटी को बच्चों के शोर को
चौंके की गुनगुन को चूल्हे की भोर को
नए साल की शुभकामनाएं!

वीराने जंगल को तारों की रात को
ठंडी दो बंदूकों में घर की बात को
नए साल की शुभकामनाएं!

इस चलती आंधी में हर बिखरे बाल को
सिगरेट की लाशों पर फूलों से ख्याल को
नए साल की शुभकामनाएं!

कोट के गुलाब और जूड़े के फूल को
हर नन्ही याद को हर छोटी भूल को
नए साल की शुभकामनाएं!

उनको जिनने चुन-चुनकर ग्रीटिंग कार्ड लिखे
उनको जो अपने गमले में चुपचाप दिखे
नए साल की शुभकामनाएं!

- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

आनंद सिंह। रांची

बदलते साल की तरह एक और साल चला गया। 2023 का आज पहला दिन है। क्या कभी आपने सोचा कि ये नया साल झारखंड के लिए कैसे हो सकता है फायदेमंद? अगर नहीं तो आज सोचें। हमारी टीम ने कुछ सोचा है। यह सोच उन झारखंडियों की है, जो सत्ता में नहीं हैं, पर सत्ता को प्रभावित करने का दम-खम रखते हैं। ये आम लोगों की सोच है। ये खबरनवीसों-योजनाकारों की सोच है, जो हर कीमत पर झारखंड को आगे देखना चाहते हैं। हमारी टीम ने मूलवासियों-आदिवासियों को समझने वालों से चर्चा की। जिनसे हमारी चर्चा हुई, उन्होंने झारखंड को बनते देखा है। 12 जिलों से 24 जिलों वाले झारखंड को इन्होंने हर घड़ी अपने अंत:करण में फील किया है। उनसे बातचीत के बाद एक सार के रूप में कुछ तथ्य हैं, जिन्हें आज बिंदुवार आपके समक्ष रखते हैं...

टूरिज्म पर फोकस

यह बताने की जरूरत नहीं कि झारखंड को प्रकृति ने कितनी नेमतों से नवाजा है। हर प्राकृतिक चीज अगर थोक के भाव में कहीं है तो झारखंड में है। यहां नदियां हैं, नाले हैं, सोते हैं, चश्मे हैं, पहाड़ हैं, पठार हैं, हर किस्म के जंगल हैं, हर किस्म के जानवर हैं, सूर्योदय देखने लायक एक इलाका है, मिनरल्स भर-भर कर हैं। जाहिर है, प्रकृति ने जब इतनी नेमतें दी हैं तो इनका आनंद लेने के लिए मनुष्य को एक जोड़ी आंखें, खर्च करने के लिए पैसे और सामर्थ्य भी दिये हैं। अब बड़ा मसला है कि अगर इतनी प्राकृतिक चीजें हैं तो हमारा झारखंड पर्यटन के क्षेत्र में इतना पिछड़ा क्यों है? इसे समझते हैं...

टूरिज्म और प्रोडक्ट

कितना अच्छा होता, अगर हर पर्यटन स्थल पर सरकारी स्तर पर पीपीपी मोड पर जरूरी सुविधाएं होतीं। जैसे, रहने के लिए हट या होटल होते। खाने के लिए भोजन होता। शॉपिंग के लिए लोकल आइटम्स होते। जैसे यूपी ने एक जिला एक उत्पाद को प्रमोट किया, वैसे ही झारखंड के 24 जिलों के लिए 24 उत्पाद होते। सैलानी इन्हें खरीदते। अपने घर लेकर जाते। वो जब भी उस प्रोडक्ट को देखते, उन्हें झारखंड की, खासकर उस जिले की याद आती। प्रोडक्ट बनाने वाला भी प्रसन्न क्योंकि उसका प्रोडक्ट उचित कीमत पर बिक गया। खरीदने वाला भी प्रसन्न कि उसे झारखंड के उस पर्टिकुलर जिले की एक वस्तु मिल गई। यह प्रोडक्ट, झारखंड के टूरिज्म को एक दूसरे शहर में जिंदा रखता।

लॉ एंड आर्डर

अपने झारखंड में अगर कोई घूमने-फिरने आ ही गया तो वह यहां कितने दिन ठहरेगा? एक, दो, तीन, चार या अधिकतम हफ्ते भर। मान लें 10 दिन ठहर गया। अब उसे क्या चाहिए? उसे चाहिए सुरक्षित माहौल, सुशिक्षित गाईड, बढ़िया खान-पान और कायदे से बात करनेवाले लोग। इसके लिए कोई रॉकेट साइंस नहीं है। सबसे पहले आपको पूरे राज्य का लॉ एंड ऑर्डर दुरुस्त करना होगा। अगर बाहरी इलाके से आने वाले लोगों को पता चलेगा कि आदिवासी युवती की हत्या कर 50 टुकड़ों में बांट दिया गया तो लोग साहिबगंज क्यों जाएंगे? या, अगर उन्हें पता चले कि तिलैया डैम से लौटते वक्त अक्सर छिनतई होती है, तो वे तिलैया डैम भला क्यों जाएंगे? इसलिए, अगर टूरिस्टों को अपनी तरफ लुभाना है तो सबसे पहले लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त करना होगा। लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त करने में पुलिस तो भूमिका निभाएगी ही, आम लोगों को भी सामने आना पड़ेगा। जैसे, गोवा का उदाहरण लें। गोवा में अमूमन चोरी-डकैती की घटनाएं बेहद कम होती हैं। जो होती भी हैं तो मान कर चलें कि लोकल इन्वॉलमेंट उसमें बेहद कम होता है। कारण क्या है? कारण ये है कि वहां के लोग अपने अधिकार और कर्तव्य, दोनों को लेकर बेहद जागरूक हैं। वे खुद ही एक्टिव रहते हैं। वे अपने बिजनेस के साथ-साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों से भागते नहीं।

गोवा के लोग शिक्षा से लेकर एक बढ़िया नागरिक बनने की प्रक्रिया में वह अपना सब कुछ झोंक देते हैं। तो, गोवा पर्यटन के क्षेत्र में इसलिए आगे है, क्योंकि गोवा वासी चाहते हैं कि उनके राज्य का पर्यटन आगे बढ़े। वे उसे आगे बढ़ाने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। इसमें सरकार भी उन्हें सहयोग करती है। क्या झारखंड में ऐसा नहीं किया जा सकता है? बिल्कुल किया जा सकता है। हां, पुलिस को इसमें ज्यादा अहम भूमिका निभानी होगी और यह पुलिस की ही जिम्मेदारी है कि वह जनता को अपने साथ करे, उन्हें खुद से जोड़े और सकारात्मक माइंडसेट के साथ काम करे।

सियासी भाई-भतीजावाद बंद करना होगा

आप जब राज्य को आगे बढ़ाने के मूल मुद्दे पर एकजुट होते हैं तो सभी सियासी पार्टियों को एक मंच पर आना होगा। आपकी पार्टी के जो आदर्श हैं, सिद्धांत हैं, उन्हें अलग रखिए और राज्य के विकास के लिए एक मंच पर आइए। राजनीति करने के कई मौके आएंगे। तब करते रहिएगा राजनीति। हमारे पड़ोस में एक राज्य है-ओडिशा। वहां देखिए, बीजू पटनायक और अब नवीन पटनायक ने कैसे सियासी भाई-भतीजावाद को ताक पर रख कर एक मजबूत राज्य बनाने की दिशा में सभी दलों का सहयोग लिया है। वहां के राज्यपाल भी बिना मतलब के टांग खिंचाई नहीं करते। आप देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश को ही देख लें। वहां सभी पार्टियां सिद्धांतों के आधार पर एक-दूसरे की धुर विरोधी हैं, लेकिन जब करप्शन पर प्रहार की बात आती है तो अमूमन सभी पार्टियां सरकार का समर्थन करती हैं। ऐसा किया जा सकता है। इसका फायदा यूपी को मिला है। आइंदा भी मिलेगा।

निवेश लाने की हो तैयारी

राज्य की सेहत दूर करने के लिए विदेशी पूंजीनिवेश एक बढ़िया रास्ता है। आप सिर्फ यूपी का ही उदाहरण लें। अभी यूपी के चीफ मिनिस्टर ने मंत्रियों की सात टीमें बनाईं। सातों टीमों को अलग-अलग देशों में भेजा। ये वहां गए। लोगों से बात की। सरकारी लोगों के साथ-साथ बिजनेस टाइकून्स से भी बातचीत हुई। हजारों करोड़ के एमओयू पर दस्तखत कराके ये लोग लौटे हैं। हफ्ते भर में लगभग 60 हजार करोड़ के निवेश पर सहमति बन गई है और फरवरी में ये सभी लोग आ रहे हैं। क्या अमेरिका, क्या कनाडा, क्या ब्रिटेन और क्या आस्ट्रेलिया...हर देश से लोग आने की सहमति जता चुके हैं। अब जरा सोचें:अगर 60 हजार करोड़ का निवेश होगा तो उसका फायदा किसे मिलेगा? यूपी वालों को ही तो। वहां जो बेरोजगारी की समस्या है, वह कुछ तो कम होगी। यह काम झारखंड में क्यों नहीं हो सकता?हमारे यहां की जो समस्याएं हैं, उन्हें हम दूर करें। लॉ एंड आर्डर की समस्या को दूर करें। पुलिस को खुली छूट दें, जैसे योगी ने दिया। हर किसी की एकाउंटिबिलिटी फिक्स की जाए। एक से एक पढ़े-लिखे मंत्री हैं अपने राज्य के। उनकी जिम्मेदारी लगाई जाए। उन्हें भी विदेश भेजा जाए। उन्हें उस हिसाब से तैयार किया जाए। इसके लिए सियासी स्थिरता बहुत जरूरी है। सियासी स्थिरता के साथ ही लोगों के मन में राज्य के लिए कुछ करने का भी जज्बा हो। झारखंड सरकार विपक्षी दलों के विधायकों को भी विदेश भेज सकती है, जिनको बिजनेस की समझ हो। झारखंड सरकार उन बिजनेसमैनों को भी अपने खर्चे पर विदेश भेज सकती है, जिनमें निवेश लाने का माद्दा हो। आप जब कुछ करना चाहेंगे तो लोग आपको सहयोग करेंगे ही। बस, देर है तो पहला कदम उठाने की।

(ले-आउट: रौशन कुमार)

सुविधाओं की बात

टूरिस्ट को सुविधाएं चाहिए। वह भी सस्ते रेट पर। ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर हमें विकसित करना होगा। छोटे-छोटे होटल्स बनाने होंगे। ये सिर्फ रांची में ही न हो। अगर 24 जिलों में 100 टूरिस्ट प्लेस हैं तो इन 100 टूरिस्ट प्लेसों पर होटल बनने चाहिए। अगर कहीं हैं तो भी नए होटल्स बनने चाहिए। उनमें सारी सुविधाएं होनी चाहिए। होटल्स भी उन स्थानों पर बनने चाहिए, जहां उनकी जरूरत हो। आप टूर करने गए हैं और आपको कोई दिक्कत न हो, किसी किस्म की असुविधा न हो, यह एक माइंडसेट जब तक नहीं बनेगा, तब तक इस सेक्टर में मजा नहीं आएगा। आप ये समझ लें कि टूरिस्ट आपका भगवान है और आपको भगवान की ही तरह टूरिस्ट को खुश रखना है। तभी दो पैसे आएंगे। अभी की स्थिति गड़बड़ है। आप रांची के दशम फॉल की ही बात कर लें। आप अगर रात में रूक कर उसे निहारना चाहें तो आप ऐसा नहीं कर पाएंगे, क्योंकि वहां ठहरने के लिए उचित बंदोबस्त नहीं है। न कोई गेस्ट हाउस है, न कोई होटल है, न पर्यटक आवास है। कुछ हैं भी तो कामचलाऊ। फिर वहां पर भोजन की बेहतर व्यवस्था नहीं है। कोई आदमी अगर वहां कुछ खाना भी चाहे तो वह सिर्फ फास्टफूड ही खा सकता है। और कुछ है ही नहीं। इसका नुकसान ये होता है कि अगर कोई टूरिस्ट दो दिन गुजारने के इरादे से वहां आना चाहता है, वह प्रकृति प्रेमी ही क्यों न हो, वह दो घंटे में ही वहां से चला जाएगा। एक टूरिस्ट जितना जल्दी एक टूरिस्ट प्लेस से जाएगा, उस टूरिस्ट प्लेस को उतना ही घाटा होगा और जितनी देर तक रूका रहेगा, उतना ही फायदा होगा। इसे टूरिज्म सेक्टर का घोष वाक्य बनाना होगा। तभी कुछ हो सकता है। इस पर सरकार को काम करना चाहिए, ऐसा हमें लगता है।

बेहतरीन शिक्षण संस्थान

पूरे झारखंड में बेहतरीन शिक्षण संस्थानों की जरूरत है। जो हैं, वो नाकाफी हैं। युग-जमाना बदल रहा है। उस हिसाब से शिक्षण संस्थान होने चाहिए। शिक्षा गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए। ऐसा सिस्टम हो, जिसमें कोई कन्फ्यूजन न हो। डिग्री लेकर कोई क्या करेगा? मजा तो तब है, जब डिग्री के साथ-साथ नौकरी भी मिले। नौकरी का मतलब सिर्फ सरकारी नौकरी ही नहीं है। आप प्राइवेट सेक्टर में भी जॉब दे सकते हैं। उसके लिए जो जरूरी चीजें हैं, उसे आपको पूरा करना चाहिए। आप शिक्षा के क्षेत्र में भी पीपीपी मॉडल लेकर आ सकते हैं। सारा कुछ ठीक हो जाएगा। गुणी शिक्षक हों, विद्यार्थियों को आज के जमाने के हिसाब से पढ़ाया जाए तो क्या कुछ नहीं बदल सकता है। सिलेबस अप टू द मार्क हो। जो सिलेबस आजादी के बाद से चला आ रहा है, उससे क्या फायदा। वह सिर्फ आपको ग्रेजुएट बना सकता है। आज के दौर में शिक्षा में जो जरूरी है, जो नई शिक्षा नीति में उल्लेखित है, उसके आगे भी झांक कर देखने की जरूरत है।

स्किल डेवलपमेंट

शिक्षा में स्किल डेवलपमेंट आज की तारीख में बेहद जरूरी है। इसके लिए हर जिले में बड़ी मात्रा में स्किल डेवलपमेंट सेंटर खोलने की जरूरत है। अमूमन 8वीं कक्षा तक यह पता चल जाता है कि विद्यार्थी का मन किस काम में लग रहा है। जिस काम में उसका मन लग रहा है, उसे उसे फील्ड में अगर प्रशिक्षित कर दिया जाए उसका जीवन सुधर जाएगा। अब क्रांतिकारी फैसले लेने का वक्त है। झारखंड में यूथ मैनफोर्स जबरदस्त है। इन्हें सही तरीके से प्रशिक्षित करने की जरूरत है। हर हाथ को काम तभी मिलेगा। आप कल्पना करें, अगर एक साल में एक लाख बच्चों को भी हम ट्रेंड कर पाएं तो समझें क्या होगा। एक साल में आप एक लाख स्किल्ड मैनपावर मार्केट के लए तैयार करेंगे। ये एक लाख लोग अपना तो जीवन सुधारेंगे ही, कई ऐसे होंगे जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से भी लोगों को रोजगार दे सकते हैं। यह काल्पनिक बातें नहीं हैं। हरियाणा में यह सब हो रहा है। वहां फरीदाबाद में हर साल 63000 मैनपॉवर बाजार के लिए सिर्फ एक संगठन तैयार कर बाजार में भेज रहा है। अगर हरियाणा ऐसा कर सकता है तो झारखंड क्यों नहीं, यह सोचना होगा।

एनजीओ की फिर से भूमिका तय हो

झारखंड में कई एनजीओ हैं, जो राज्य सरकार से भी ग्रांट लेते हैं। इन्हें ग्रांट देने में कोई दिक्कत नहीं पर हम उन कामों के लिए ग्रांट दें, जो हमारी प्राथमिकता में हों। जैसे, स्किल डेवलपमेंट, एजुकेशन, हेल्थ, खेल आदि। अगर 50 एनजीओ को भी सरकार इस काम के लिए तैयार कर लेती है तो आप कल्पना करें, एक साल में ही झारखंड कहां से कहां पहुंच जाएगा। अभी जो अन्य कार्यों के लिए सरकार एनजीओ को पैसा देती है, उसका सिर्फ मोटो बदलने की जरूरत है। हमें देखना होगा कि आने वाले दो साल में बाजार किस चीज की डिमांड ज्यादा करने वाला है। हम उसी चीज के लिए इन एनजीओज को तैयार करें। जो तैयार होते हैं, उन्हें कुछ अतिरिक्त लाभ दिये जाएं और जो तैयार नहीं होते, उनके ग्रांट बंद कर देने में ही भलाई है।

आदिवासियों का रखना होगा ध्यान

झारखंड में आदिवासी-मूलवासी ठीक-ठाक तादाद में हैं। उनके विकास के लिए हमें योजनाएं बनानी ही होगी। जब तक मूलवासी का विकास नहीं होगा, झारखंड विकास नहीं कर सकता। झारखंड के आदिवासी मामलों पर किये गए अनेक शोधों में यह बात सामने आई है कि इनको ताकतवर बनाए बगैर तरक्की संभव नहीं। आदिवासी जिस भाषा को बोलने में सहज हैं, उस भाषा में उनके लिए काम करने की जरूरत है। एक शोध में यह बात सामने आई है कि आदिवासी हिंदी या अंग्रेजी को लेकर सहज नहीं हैं। इस शोध में कहा गया है कि वो जिस बोली, जिस भाषा में सहज हैं, उसमें ही हमें मेडिकल-इंजीनियरिंग के कोर्सेस डिजाइन करने चाहिए। एक अध्ययन यह भी बताता है कि आदिवासी को देवनागिरी लिपि में दिक्कत है। उसे हिंदी और अंग्रेजी में भी दिक्कत है। अंग्रेजों के जमाने से उन्हें हिंदी और अंग्रेजी पढ़ाने की तमाम कोशिशें विफल हुईं। एक बार प्रयास करके क्यों नहीं उनकी बोली या भाषा में ही पढ़ाने की तैयारी होती है? हम क्यों नहीं उनकी बोल-चाल की भाषा में कोई कोर्स डेवलेप नहीं करते? इसमें दिक्कत क्या है? हो की लिपि अलग है लेकिन, अगर लाखों आदिवासी उस लिपि में ही काम करने में आनंद की अनुभूति करेंगे तो क्यों नहीं हो लिपि में ही एक बार काम करके देखा जाए? आप देख लें कि सैकड़ों सालों से आदिवासियों के जीवन में बहुत बदलाव नहीं हो पाया है। अगर हम इन्हें ट्रेंड कर देंगे तो एक बड़ा मैनपॉवर आसानी से मिल सकता है।

प्लान करो, प्रयास करो, लोगों से मिलो और अपने कर्मपथ पर चल पड़ो। देखना, सफलता झख मार कर आएगी।

NEWS इन ब्रीफ

डीएसपी राजा कुमार मित्रा के पुत्र ने ग्रामीण बच्चों के बीच जन्मदिन मनाया

रांची। हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के पुत्र औद्विक का जन्मदिन नगड़ी प्रखंड के कुदलोंग गांव में ग्रामीण बच्चों के बीच केक काटकर मनाया गया। इस दौरान 195 बच्चों के बीच कॉपी, पेंसिल, कलम, कलर पेंसिल आदि का वितरण भी किया गया। । ये कार्यक्रम अन्नदानं, धुर्वा के माध्यम से हुआ। इस मौके पर कुदलोंग मुखिया मंजू लिंडा, पूर्व मुखिया जीतू लिंडा, अमर आर्या, अभय झा, अमित नंदन डीएसपी राजा कुमार मित्रा के परिवार के सदस्य एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

महिला का शव बरामद

रांची । जिले के पिठोरिया थाना क्षेत्र स्थित केला बगान के पास से शनिवार की सुबह एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ । महिला का शव केला बागान स्थित नदी से बरामद किया गया है।घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की जांच में जुटी हुई है।

नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ संवाद

रांची। केंद्रीय राज्यमंत्री सह भाजपा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने जिला भाजपा के पदाधिकारियों एवं सभी ज्येष्ठ-श्रेष्ठ जिम्मेवार नेताओं-कार्यकताओं के साथ संवाद किया। इस दौरान गुजरे कैलेंडर वर्ष की गतिविधियों की समीक्षा हुई तथा भविष्य के लक्ष्य तय हुए और कार्यक्रमों की रूपरेखा बनी।

लायंस क्लब ऑफ ने गरीबों के बीच कंबल का किया वितरण

रांची। लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा के पदाधिकारी और सदस्यों ने भुरकुंडा कोयलांचल और भदानीनगर आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को डोर-टू-डोर जाकर दर्जनों गरीब-जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। क्लब ने अपना सामाजिक दायित्व निभाया। बढ़ते ठंड को देखते हुए क्लब के अध्यक्ष एमजेएफ लायन राजेंद्र महतो, सचिव विजयंत कुमार, कोषाध्यक्ष अशोक सिन्हा, अखिलेश शर्मा, निर्मल अग्रवाल, विजय वर्णवाल सहित क्लब के अन्य सदस्यों ने लक्ष्मी टॉकीज, महुआ टोला, ग्लास फैक्ट्री आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर 50 चिन्हित गरीब-असहाय, महिला-पुरूष जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटे। मौके पर अध्यक्ष लायन राजेंद्र महतो ने कहा कि क्लब अपना सामाजिक दायित्व ईमानदारी पूर्वक निभाता रहा है और आगे भी जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब का उदेश्य ही गरीबों की सेवा व समाजहित में कार्य करना है। गरीबों की सेवा सर्वोपरि तो है। यह सबसे बड़ा पुण्य का भी कार्य है।

मछली उत्पादन में झारखंड हो रहा आत्म निर्भर

रांची। झारखंड जल्द ही मछली का निर्यातक राज्य बनने जा रहा है। ऐसा संभव हो पाया है प्रोडक्शन में हो रही लगातार वृद्धि की बदौलत। राज्य में बीते छह साल के मुकाबले इस साल सबसे ज्यादा प्रोडक्शन हुआ है। इस साल राज्य में 295 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन हुआ है। यह आंकड़ा बीते छह साल के आंकड़ से 180 मीट्रिक टन ज्यादा है। मत्स्य निदेशालय ने साल 2021 में मछली उत्पादन का लक्ष्य 265 मैट्रिक टन रखा था. वहीं उत्पादन लक्ष्य से 30 मीट्रिक टन ज्यादा है। मछली के उत्पादन में बढ़ोत्तरी को देखते हुए राज्य सरकार इससे लोगों को जोड़ने का काम कर रही है। वहीं इसे रोजगार का बेहतर विकल्प भी मान रही है। मत्स्य निदेशालय की माने तो साल 2024-25 तक झारखंड मछली का निर्यात भी करने लगेगा। राज्य के लगभग सभी हिस्से में मछली उत्पादन किया जा रहा है। इसके लिए 1056 स्थानों पर मछली का बीज तैयार किया जा रहा है। बताते चलें कि झारखंड में करीब 1.77 लाख हेक्टेयर का जल क्षेत्र उपलब्ध है।

तेज ड्राइविंग करनेवालों के वाहन जब्त करें

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वर्ष 2022 की समाप्ति एवं नव वर्ष के अवसर पर रांची जिला अन्तर्गत विभिन्न क्लब, होटल, बार, रेस्टुरेन्ट में डीजे बैण्ड एवं अन्य कार्यक्रम किये जाने एवं नव वर्ष 2023 के आगमन के अवसर पर विभिन्न डैमों, नदी, जलाशयों एवं पर्यटक स्थलों पर पिकनिक मनाने हेतु अत्यधिक संख्या में लोगों के एकत्रित होने की संभावना है। नवयुवकों द्वारा तेज रफ्तार में ड्राईविंग किये जाने फलस्वरूप सड़क दुर्घटना, असामाजिक तत्वों द्वारा मौके का फायदा उठाकर छिनतई/दुर्घटना की आशंका है। किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित न हो तथा विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था संधारण हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची द्वारा रांची जिलान्तर्गत विभिन्न थानों में अतिरिक्त पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इस संदर्भ में दिनांक 30.12.2022 से 07.01.2023 तक लोक परिशांति, सुरक्षा-व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था संधारणार्थ हेतु थानावार दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी, रांची राहुल कुमार सिन्हा द्वारा इसे लेकर आदेश जारी किया गया है । थानावार निम्न दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है:-थाना का नाम : अरगोड़ा थाना- प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम :- श्री समीप टोप्पो, कनीय अभियंता, ग्रा. वि. वि. प्र., रांची (मो. 8986775574)। तुपुदाना ओ.पी. : प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम :- आमोद लकड़ा, कनीय अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रांची (मो. 8873738604)
थाना का नाम :- कोतवाली थाना : प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम -गुलाब कृष्ण बाजार पर्यवेक्षक, कृषि बाजार समिति, पण्डरा, रांची (मो.9386163011)। थाना का नाम : सुखदेवनगर थाना- प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम- अखिलेश कुमार सिंह, कनीय अभियंता, भवन प्र सं.-2, भवन निर्माण विभाग, रांची (मो. 8507024619)।
थाना का नाम : सदर थाना- प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम :-श्री विपूल कुमार सिंह, बाजार पर्यवेक्षक, कृषि बाजार समिति, पण्डरा, रांची (मो. 9939573441)। थाना का नाम : कांके थाना- प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम : श्री नीलकंठ कुमार, कनीय अभियंता, भवन प्र. सं.-2, भवन निर्माण विभाग, राँची (मो. 8541824233)। थाना का नाम : चुटिया थाना। प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम- महेश कुमार सिंह, कनीय अभियंता, भवन प्रसं.-1, भवन निर्माण विभाग, रांची (मो. 9835584461)। थाना का नाम : लोअर बाजार थाना। प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम : प्रमोद कुमार निराला, कनीय अभियंता, भवन प्र.सं.-1, भवन निर्माण विभाग, रांची (मो. 9835948619)। थाना का नाम :- गोंदा थाना-प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम : सुमित कुमार, कनीय अभियन्ता, जलपथ प्रमण्डल, रांची (मो. 7004715652)। 10. थाना का नाम : बरियातू थाना
प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम :-श्री अभिमन्यु कुमार केशरी, कनीय अभियन्ता, जलपथ प्रमण्डल, रांची (मो. 9102961147)। थाना का नाम : लालपुर थाना- प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम : श्री गणेश कुमार महतो, कनीय अभियन्ता, जलपथ प्रमण्डल, राँची (मो. 9905587964)। थाना का नाम : एयरपोर्ट थाना
प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम- श्री माता शरण महतो, बाजार पर्यवेक्षक, कृषि बाजार समिति, पण्डरा, रांची (मो. 9006814163)। थाना का नाम : खेलगांव थाना- प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम :- श्री अनुपम टोप्पो, बाजार पर्यवेक्षक, कृषि बाजार समिति, पण्डरा, रांची (मो. 7261064403)। 14. थाना का नाम : ओरमांझी थाना- प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम : श्री अशोक कुमार, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, ओरमांझी (मो. 9523455947)। थाना का नाम : डोरंडा थाना- प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम : श्री शैलेश कुमार चौधरी, अवकाश रक्षित पदाधिकारी (मो.9470838346)। 16. थाना का नाम : धुर्वा थाना- प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी नाम/पदनाम :- श्री देवेन्द्र नाथ पाण्डेय, प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी रातू (मो.9973712011)।

डीजे वाहन की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत, मातम

नवीन मेल संवाददाता। चंदवारा चंदवारा डैम ओपी क्षेत्र के बड़की धमराय में शनिवार देर शाम डीजे लदे पिकअप वाहन के अनियंत्रित होने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वहीं, चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटनास्थल पर दम तोड़नेवाले युवकों की पहचान विजय यादव पिता बासुदेव यादव उम्र 21 वर्ष, रंजन यादव पिता स्वरी यादव उम्र 20 वर्ष (दोनों ग्राम कांको निवासी) के रूप में हुई है।
मौके पर मौजूद ग्रामीण आनन- फानन में घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए। सदर अस्पताल ले जाने के दौरान एक और युवक कुरमीडीह निवासी प्रेम कुमार यादव उम्र 17 पिता केदार यादव की मौत हो गयी। वहीं, वाहन चालक कांको निवासी कोशिल साव उम्र 20 पिता ईश्वर साव घायल है। सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची। तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गोमिया की जनता का होगा नया साल : डॉ. लंबोदर

नवीन मेल संवाददाता

गोमिया। गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने क्षेत्र की जनता को नए साल की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि नया साल क्षेत्र की जनता का होगा। हमारा यह प्रयास रहेगा कि वर्ष 2022 में जो कार्य व योजना अधूरी रह गई है, उसे वर्ष 2023 में पूरा कर सकूं और ज्यादा से ज्यादा योजनाओं का लाभ लोगों को मिले, इसके लिए निरंतर प्रयासरत भी रहूंगा। कहा कि कई चुनौतियों को पार पाया हूं और कई चुनौतियां सामने खड़ी है और इन चुनौतियों को भी क्षेत्र की जनता के मिले सबल से पूरा करने का भरपूर प्रयास करूंगा। हमें यह यकीन है क्षेत्र के लोगों का प्यार और आशीर्वाद मिलता रहेगा और दोगुना उत्साह के साथ लोगों के सुख-दुख का साथी बनकर क्षेत्र के विकास के लिए काम करता रहूंगा। बीते वर्ष में हमारा यह भरपूर प्रयास रहा है कि क्षेत्र के एक-एक घर में जाकर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक रूप से कार्य करूं और इस तरह का अभियान हमारा नए वर्ष में भी जारी रहेगा। हमारे घर का दरवाजा क्षेत्र की जनता के लिए सदैव खुला रहा है और खुला रहेगा। मैं एक-एक कर सबकी सुनता हूं. बिल्कुल अपनों की तरह कभी किसी को निराश नहीं लौटाया लोग उम्मीदें बांध कर ही आते हैं। इसलिए जाति धर्म से ऊपर उठकर उनकी बातों को सुनता हूं और उनके कार्यों को करना ही अपना मानव धर्म मानता हूं। सर्वधर्म समभाव की भावना से सभी धर्मावलंबियों के पर्व, त्योहारों व कार्यक्रमों में समान रुप से भाग लेता हूं। गोमिया, कसमार और पेटरवार की जनता ने जब मुझे अपना जनप्रतिनिधि चुना था तो मेरे सामने कई प्रकार की चुनौतियां थी। इन चुनौतियों अलावा हर मोहल्ले, गांव व टोले के लोगों के साथ सुख दुःख बांटने हेतु रिश्ते कायम करना था। आज मैं यह कह सकता हूं कि कई चुनौतियों को मैंने पार पाया है और लोगों के बीच रिश्ता कायम करने में भी सफल हुआ हूं। यह रिश्ता नए साल में भी लोगों के साथ बना रहेगा।

अभाविप ने यूजीसी चेयरमैन को दिया ज्ञापन

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को दिल्ली में यूजीसी के अध्यक्ष प्रो एम जगदीश कुमार से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन, सभी योग्य पीएचडी अध्येताओं को नॉन नेट फेलोशिप देने, नॉन नेट फेलोशिप की राशि बढ़ाने, कोरोना के कारण प्रभावित शैक्षणिक सत्र को पूर्ववत करने सहित अन्य मांग रखी। राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि अभाविप ने प्रवेश तथा पात्रता परीक्षाओं के लिए कैलेंडर जारी करने, नियमित छात्रसंघ चुनाव करवाने, शोध तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए छात्रों की संख्या के अनुरूप बुनियादी ढांचे के विकास, भारतीय भाषाओं में पाठ्यक्रम तैयार करने तथा इंडस्ट्रियों व शिक्षा क्षेत्र को पाठ्यक्रम सहित विभिन स्तर पर जोड़ने आदि विषयों को उठाया है।

श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती पर भंडारे का हुआ भव्य आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष के 22 23 के अवसर पर हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 43 वां श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। श्री श्याम मंदिर के श्री श्याम रसोई में मंडल के अध्यक्ष श्री सुरेश सराओगी के मार्गदर्शन में भंडारे के प्रसाद में गुड़ की खीर छोला भटूरा व गाजर के अचार का महाप्रसाद निर्मित किया गया। श्री श्याम मंदिर में विराजमान गणेश जी खाटू नरेश लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी बजरंगबली श्यामेश्वर महादेव व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के महामंत्री श्री विश्वनाथ नारसरिया के नेतृत्व में यजमान श्री अग्रवाल परिवार ने खाटू नरेश का प्रिय भजन आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुचि रुचि भोग लगाओ बाबा श्याम जी का गायन हुआ। मनोहर कर भोग लगाया गया। वर्धमान कंपाउंड निवासी श्री राम किशोर अग्रवाल, रमालता अग्रवाल, अशोक, शशि अग्रवाल मंडल के सीए संजय अग्रवाल व प्रियंका अग्रवाल ने परिवार के साथ श्री श्याम भंडारे की सेवा निवेदित की। देवताओं को लगे प्रसाद को विशाल भंडारे ने मिश्रित करके मंदिर के आचार्य को प्रसाद खिला कर रामकिशोर अग्रवाल परिवार ने आचार्य का चंदन वंदन कर दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस समय तक भंडारे का प्रसाद लेने के लिए भक्तों का एकत्र होना शुरू हो गया। खाटूनरेश की जय जयकारों के बीच में यजमान श्री अग्रवाल परिवार ने श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण का श्रीगणेश किया। प्रसाद प्राप्त करने के लिए लंबी-लंबी कतारें लग गई।

नए साल के स्वागत में सुरक्षा बल की रहेगी चौकसी

रांची। नए साल पर जिला प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रांची जिले के 26 जगहों पर पुलिस और दंडाधिकारियों की नियुक्ति की गयी है। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि लोग नए साल का स्वागत सुरक्षित तरीके से कर इसके लिए प्रशासन तैयार है। हालांकि यह भी कह गया है कि नए साल में हुड़दंग करने वाले लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। गलत हरकत करने वाले को तत्काल जेल भेजा जाएगा। नए साल के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से रांची जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में डेढ़ हजार पुलिस बल की तैनाती की गयी है। शहर के भीतर के पार्कों में महिला सुरक्षा विशेष दस्ता शक्ति कमांडो की तैनाती की गयी है। प्रभारी सिटी एसपी नौशाद आलम ने कहा कि वैसे वाटरफॉल जहां लोगों के डूबने की शिकायत आती रहती है।

धार्मिक व सामाजिक संस्था ने किया कंबल वितरण

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो के महादानी मंदिर स्थित रंगमंच पर शनिवार को मारुति मंगल परिवार धार्मिक व सामाजिक संस्था के द्वारा कंबल वितरण सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की जिप सदस्य पार्वती कुमारी, बेरोनिका एक्का केंद्रीय अध्यक्ष विक्रम महतो,संगठन प्रमुख सुमेश कुमार कोषाध्यक्ष मुकुंद,जगरनाथ भगत,कैलाश कुमार,निरंजन गोप,अजय जोगी मौजूद थे। जहां संस्था के द्वारा अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।साथ ही प्रखंड के 6551 बुजुर्गों जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया गया। इस दौरान लोगों के बीच धार्मिक और सामाजिक कुरूतियों को दूर करने के मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। मौके पर विधायक ने कहा जीवन में शिक्षा का बड़ा महत्व है।शिक्षा के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा बालक - बालिकाओं को समान रूप से शिक्षा देनी होगी तभी समाज आगे बढ़ेगा। वहीं संस्था के अध्यक्ष विक्रम महतो ने कहा कि संस्था के सदस्य निःस्वार्थ भाव से सेवा करके समाज को सुधारने में लगे हुए है। समाज के कुरुतियों को दूर हटाने के प्रति संस्था कृत-संकल्प है। हमारी संस्था का यही प्रमुख उदेश्य है कि समाज से सभी कुरुतियाँ खत्म हों और समाज का कल्याण हो। उन्होंने कहा संस्था रांची जिले के प्रत्येक प्रखंड में ठंढ के मौसम में कंबल वितरण करती है। कैलाश कुमार ने कहा संस्था के द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा। समाज के सभी कुरूतियों का मूल कारण अशिक्षा है। अगर लोग शिक्षित होंगे तो समाज में स्वतः सुधार आएगा। संस्था के सचिव सुमेश महतो ने कहा संस्था के सदस्य विभिन्न गांवों में जाकर लोगों के बीच सामाजिक कुरूतियों, नशापान, जुआ,दहेज प्रथा, बाल विवाह व शिक्षा के महत्व सहित कई विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक भी करते हैं। जिससे लोगों का आर्थिक और सामाजिक पतन नहीं हो।वही उपस्थित अतिथियों ने कुरीतियो को दूर करने के लिए अपने-अपने विचार व्यक्त कीए। कार्यक्रम में बेड़ो लापुंग, इटकी, नगड़ी, मांडर, बुढ़मू, ओरमांझी, अनगड़ा, रातू, सिल्ली, राहे, सोनाहातू, बुंडू के सक्रिय सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन कामेश्वर बेदिया ने किया। समारोह को सफल बनाने में दुर्गा कुमार, जितवाहन महतो, सुरेंद्र बिंगुल महतो, पवन कुमार, राजू बैठा, कामेश्वर जन्मेजय मनोज पवन विकेश रूद्र विकास नितेश अजीत छोटा धर्मचंद आनंद एतवा मुनेंद्र समेत मारुति मंगल परिवार के पदाधिकारियों व सदस्यों ने सराहनीय योगदान दिया।

नये साल में हुड़दंगियों पर पुलिस की सख्ती बरतेगी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची में नए साल के जश्न के नाम पर उत्पात मचाने वाले हुड़दंगियों पर पुलिस की सख्ती बरतेगी। ऐसे लोगों से निपटने के लिए पुलिस ने सुरक्षा प्लान तैयार किया है। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस फोर्स के साथ कड़ी निगरानी की जाएगी। पिकनिक स्पॉट, फॉल और पार्कों के आसपास बड़ी संख्या पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। सुरक्षा के मद्देनजर जिलेभर मे एक हजार अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की गई है। इसमें जिला पुलिस, झारखंड जगुआर, महिला पुलिस फोर्स और होमगार्ड के जवान शामिल है। वहीं शहर के इर्द-गिर्द 50 शक्ति कमांडों भी तैनात किए गए हैं। अलग अलग जगहों पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती भी की गई है। सभी पिकनिक स्पॉट्स पर पुलिस सहायता केंद्र भी खोले गए हैं। एसएसपी किशोर कौशल ने कहा कि जिले के अलग-अलग रेस्टोरेंट्स, बीयर बार और होटल के आसपास पुलिस की कड़ी नजर होगी। पिकनिक स्पॉट की सुरक्षा में भी पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहेगी। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जिले के थानेदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। आम लोगों से भी सावधानी और सतर्कता बरतने की अपील की गई है। नववर्ष पर जिलाभर में कहीं पर तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने वालों को रोक कर पैदल घर भेजा जाएगा। रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा एवं एसएसपी किशोर कौशल द्वारा जारी पत्र में ऐसे लोगों को पकड़ने के बाद उनके वाहन जब्त करने और चालक को पैदल घर जाने को कहने का निर्देश दिया गया है। वहीं महिलाओं और युवतियों से छेड़खानी करने वालों के खिलाफ भी विधि सम्मत कार्रवाई को कहा गया है। जिला भर में सिटी कंट्रोल रूम के अलावा कई थाना क्षेत्र में विधि-व्यवस्था को लेकर अलग से पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। जिला के 28 थाना क्षेत्र में पांच से लेकर 15 पुलिसकर्मी विशेष व्यवस्था के लिए अलग से ड्यूटी पर लगाए गए हैं।

अलविदा 2022 | **पिकनिक मना कर व पूजा अर्चना कर वर्ष 2022 को किया विदा**

नववर्ष के आगमन को जश्न मनाकर किया स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

लापुंग। भारी सुरक्षा के बीच लापुंग के प्रसिद्ध साईं मंदिर और घघारी बाबा धाम में पूजा अर्चना कर सैकड़ों लोगों ने वर्ष 2022 को विदा किया। शनिवार को लापुंग प्रखंड के प्रसिद्ध साईं मंदिर, घघारी बाबा धाम, गलगली बाबा धाम तथा बाबा वनखंडी धाम सहित विभिन्न शिवालयों में पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा अर्चना कर श्रद्धालुओं ने वर्ष 2022 को विदा किया और सुखमय जिंदगी चैन व सुकून के लिए ईश्वर के प्रति आभार प्रकट किया। वहीं लापुंग प्रखंड के प्रसिद्ध लतरातु डैम तथा घघारी जल प्रपात सहित दर्जनों पिकनिक स्पॉट पर पिकनिक मनाया । गीत और संगीत के बीच नाचते गाते लोगों ने अपने अपने तरीके से वर्ष 2022 को विदाई दी। घघारी जलप्रपात के निकट झाड़ियों और जंगलों के बीच लोगों ने परिवार के साथ पिकनिक मनाया। इस मौके पर लोगों ने एक दूसरे के लिए ईश्वर से सुख शांति और समृद्धि की कामना की । रांची खूंटी लोहरदगा और गुमला जिले के हजारों लोगों ने लापुंग पहुंचकर बच्चों और महिलाओं के साथ जंगलों के बीच अनेक तरह के पकवान बनाए और साथ मिलकर पिकनिक मनाया। नवल किशोर राय, राजन राय, अदिति राय, परी, आदित्य, आर्य, मान्या, मेघा, रौशनी राहुल सहित कई सैलानियों ने बताया कि लापुंग प्रखंड के पर्यटन स्थल में सुकून और शांति के साथ पिकनिक बनाया जा सकता है। बगैर किसी डर और भय के यहां पर्यटक घूमने आ सकते हैं। हम लोग यहीं पर नव वर्ष का स्वागत भी करेंगे। इस मौके पर जंगलों के बीच कलकल बहती नदियों के किनारे घघारी बाबा धाम और साईं मंदिर सहित लतरातु डैम में लोगों ने वर्ष 2022 के अंतिम सूर्यास्त का नजारा देखते हुए भगवान भुवन भास्कर को प्रणाम किया। घघारी बाबा धाम में मुख्य पुजारी राजेश पाठक, तुलसी दास गोस्वामी सहित अन्य पुजारियों ने श्रद्धालुओं को विधिवत पूजा-अर्चना कराई । वहीं साईं मंदिर में मुख्य पुजारी विभिषण पांडेय तथा पंच्याक्षरी सहित जगेश्वर भगत ने साईं भक्तों को पूजा-अर्चना कराई। साईं मंदिर में साल के अंतिम दिन खिचड़ी के महाप्रसाद का भोग लगाया गया और विधिवत आरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साल के अंतिम दिन लापुंग के थाना प्रभारी सुकुमार हेम्ब्रम ने सब इंस्पेक्टर सुशील कुमार मरांडी, मनीष कुमार पूर्ति सहित विभिन्न पदाधिकारियों और पुलिस के जवानों के साथ गस्ती लगाते देखे गए। उन्होंने साईं मंदिर तथा घघारी जल प्रपात में नजरें गड़ाए रखी। कार्यक्रम के दौरान साईं सेवा समिति के अध्यक्ष ललित अग्रवाल, पूर्व मुखिया संतोष तिर्की, शिरडी साईं ग्राम विकास केंद्र के सचिव सत्येन्द्र भगत, प्रबंधक मनोज उरांव तथा लेखापाल राजेंद्र राम सहित कई साईं भक्तों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग

—:: शुद्धि पत्र ::—

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग अन्तर्गत आमंत्रित निविदा Construction of Cluster wise Single Village Water Supply Schemes based on Solar Energy Based Mini Rural Pipe Water Supply Schemes in different blocks of Hazaribag District which are not included in MVS/Other Schemes to supply water and house connection with 05 Years Operation and Maintenance works on "Turn Key Basis" Under D.W.&S. Division, Hazaribag for the Year 2022-23 (Head-JJM); P.R. No.:-285962 Drinking Water and Sanitation (22-23)_D को अपरिहार्य कारणवश एतद् द्वारा निम्नरूपेण आंशिक संशोधन किया जाता है—

Sl. No.	Particulars	After Amendment
2	Date of Tender uploading in website	Date:- 31.12.2022 at 11.00 AM
3	Last date receipt of Bid	Date:- 05.01.2023 upto 05.00 PM
4	Last date submission cost of BOQ and EMD (in hard copy)	Date:- 06.01.2023 upto 04.00 PM in the office of the 1. Executive Engineer, D. W. & S. Division, Hazaribag 2. Superintending Engineer, D.W.& S. Circle, Hazaribag 3. Regional Chief Engineer, D.W. & S. Department Ranchi Zone, Ranchi
5	Date of opening tender	Date:-07.01.2023 upto 03.00 PM

शेष सभी शर्त्ते यथावत रहेंगे।

कार्यपालक अभियन्ता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल
PR 286432 Drinking Water and Sanitation (22-23)_D हजारीबाग

2023
नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
ईश्वर में हमारा विश्वास
राष्ट्रीय नवीन मेल
सत्यमेव जयते
रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित
www.rastriyanaveenmail.com • रांची • पौष शुक्ल पक्ष 10 • विक्रम संवत 2079 • रविवार, 01 जनवरी 2023 • वर्ष-23 • अंक-326 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 1.50

नये साल की पूर्व संध्या पर वाराणसी में गंगा आरती के लिए उमड़ी भारी भीड़।

नये साल की शुरुआत होने पर लोगों ने आतिशबाजी कर जश्न मनाया।

नए साल का जश्न

आतिशबाजी के साथ लोगों ने किया 2023 का स्वागत

ऑकलैंड का 25 साल पुराना स्काईटॉवर जगमगाता दिखा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

दुनिया के कई देशों में नये साल की शुरुआत जश्न के साथ शुरू हुआ। लोगों ने आतिशबाजी के साथ 2023 का स्वागत किया। इधर, वाराणसी में नये साल की पूर्व संध्या पर गंगा आरती के लिए भारी भीड़ उमड़ी दिखी। इस दौरान हजारों लोग गंगा किनारे नजर आये। गंगा आरती के लिए आये लोग काफी खुश दिखाई दे रहे थे। गौरतलब हो कि न्यूजीलैंड का ऑकलैंड शहर नए साल को सेलिब्रेट करनेवाला दुनिया का पहला शहर है।

ऑकलैंड के बाद आस्ट्रेलिया के सिडनी में नये साल की शुरुआत शानदार तरीके से की गयी। सड़कों पर लोग जश्न मनाते देखे गये। साथ ही जम कर आतिशबाजी भी की। इस दौरान ऑकलैंड के सबसे फेमस स्काई टॉवर को जगमगाती लाइट्स से सजाया गया। आतिशबाजी भी की गई। ये टॉवर 25 साल पुराना और 328 मीटर ऊंचा है। दरअसल, टाइम जोन में अंतर होने की वजह से ज्यादातर देश अलग-अलग समय पर न्यू ईयर मनाते हैं। समोआ, टोंगा और किरीबाती देशों में सबसे पहले नया साल होता है। इसके बाद न्यूजीलैंड में नया साल मनाया जाता है। इसके बाद आस्ट्रेलिया, जापान और साउथ कोरिया, चीन, फिलीपींस में नए साल की शुरुआत होती है। इंडोनेशिया, थाईलैंड, म्यांमार, बांग्लादेश और नेपाल समेत कई देश भारत से पहले ही नए साल में प्रवेश कर लेते हैं।

पुलिस प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नये साल के जश्न में किसी प्रकार की अशांति न हो इसे लेकर रांची पुलिस ने कमर कस लिया है। रांची के साथ ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश दिये गये हैं। आपराधिक घटना को रोकने के लिए एंटी क्राइम चेकिंग चलाया जा रहा है।

पिकनिक स्पॉट, होटल, रेस्त्रां, मॉल, पार्क आदि पर वर्दीधारी के साथ सादे लिबास में भी महिला व पुरुष बल गतिशील रहेंगे। खासकर, फॉल व दूरदराज वालों पिकनिक स्पॉट पर पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी।

– संबंधित खबर पेज तीन पर।

पंत की सेहत में हो रहा सुधार

नयी दिल्ली। भारतीय फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। 30 दिसम्बर को रुड़की के पास भयंकर कार हादसे में घायल हुए युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की सेहत में अब सुधार हो रहा है। इसकी जानकारी डीडीसीए की टीम द्वारा पंत का हालचाल लेने के बाद दी गई है। उन्होंने बताया कि पंत की सेहत में सुधार हो रहा है। वहीं, अगर बेस्ट ट्रीटमेंट की जरूरत हुई तो उन्हें शिफ्ट भी किया जा सकता है। डीडीसीए की टीम ने अपने बयान में कहा कि ऋषभ की सेहत में सुधार है। हम डॉक्टर्स के इलाज से संतुष्ट हैं। यहां से पंत को शिफ्ट करने का फैसला बीसीसीआई करेगी। बीसीसीआई के डॉक्टर्स भी लगातार संपर्क में हैं। अगर बेस्ट ट्रीटमेंट की जरूरत हुई तो उन्हें शिफ्ट भी कर सकते हैं।

नक्सली की निशानदेही पर भारी मात्रा में अत्याधुनिक हथियारों का जखीरा बरामद

पुलिस अधीक्षक ने प्रेस वार्ता कर पकड़े गये उग्रवादी एवं हथियारों के जखीरे की दी जानकारी

ऑपरेशन कोरगो में शामिल पुलिस व सीआरपीएफ के जवान हुए सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा में 15 लाख के इनामी नक्सली कमांडर रविंद्र गंझू के दस्ते के साथ पिछले दिनों पुलिस मुठभेड़ में पकड़ाये उग्रवादी कमांडर गोविंद बिरिजिया की निशानदेही पर चलाये गये सर्च अभियान में पुलिस ने भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

क्या-क्या हुआ बरामद

एक इंसास राइफल, एक एसएलआर राइफल, दो 303 राइफल, एक सेमी ऑटोमेटिक राइफल, 609 जिंदा कारतूस, 200 केन बम, 200 मी. कोडेक्स वायर, 10 डेटोनेटर, एक देशी लोडेड पिस्टल मैगजीन सहित, देशी कट्टा एक, खोखा आठ, नक्सली कागजात, मोबाइल फोन, दवा और दो पिट्ठू बैग बरामद किया गया है।

पीएम उम्मीदवारी को लेकर हिमंत ने नीतीश पर कसा तंज

मुकाबले से पहले ही राहुल के सामने किया सरेंडर

एजेंसी। नयी दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पीएम उम्मीदवारी को लेकर शनिवार को बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि युद्ध होने से पहले ही नीतीश ने राहुल गांधी के सामने सरेंडर कर दिया। नीतीश कुमार तो खुद प्रधानमंत्री बनने वाले थे। शनिवार को राहुल गांधी के विपक्ष के प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के बारे में पूछे जाने पर नीतीश कुमार ने कहा कि इसमें मुझे कोई दिक्कत नहीं। नीतीश कुमार के इसी बयान पर निशाना साधते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि

प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कोई भी हो सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। इसके साथ ही असम के सीएम ने कहा कि पीएम प्रत्याशी अगर राहुल गांधी होते हैं तो हम उन्हें लड्डू भेज देंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के टी-शर्ट पहनने के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार थोड़ी मिल जायेगा। गौरतलब है कि कड़ाके की ठंड में भारत जोड़ो यात्रा की अगुवाई कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी टी-शर्ट में दिख रहे हैं। उनके टी-शर्ट पहनने को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा भी हो रही है। बता दें कि शनिवार को पटना में मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी के विपक्ष के प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के बारे में पूछे जाने पर नीतीश कुमार ने कहा कि इसमें मुझे कोई दिक्कत नहीं, इसमें क्या बुराई है। हम लोग तो इंतजार ही कर रहे हैं।

अवैध स्प्रिट भरा टैंकर जब्त, चार गिरफ्तार

रामगढ़। रामगढ़ उत्पाद विभाग ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए छापेमारी कर 20 हजार लीटर स्प्रिट के साथ चार शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। जिले के सहायक आयुक्त उत्पाद अजय गोंड को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई को अंजाम तक पहुंचाया गया है। सहायक आयुक्त उत्पाद द्वारा गठित टीम ने कुजू ओपी क्षेत्र से गुजरनेवाली एनएच-33 के दिगवॉर स्थित दो खड़ी कार से चार युवकों को तलाशी के दौरान पकड़ा। जबकि स्प्रिट लदे टैंकर का चालक फरार होने में सफल रहा।

अलविदा | ये 2022 की अंतिम शाम, करते हैं तुझे सलाम

नववर्षोत्सव 2023 के पहले प्रवेश द्वार से..

अमरेन्द्र

हम रविवार को नये साल 2023 में प्रवेश कर गये हैं। लेकिन ऐ 2022! तुझे भूलना आसान नहीं है। ऐसे में तुझे दिल से सलाम। आज भारी भरकम बात करने की इच्छा नहीं। लाइटली कुछ बातें हो जाये..। ऐसे में हम पिछले साल मिले जख्मों पर मरहम लगा कर अपने दायित्वों को मंजिल देंगे। इन संकल्पों के साथ नये साल का स्वागत। बहरहाल, झारखंड की बात करें तो एक तरफ जहां राजनीतिक क्षेत्र में गुजरे साल को कई जरूरी व गैरजरूरी करवटों का सामना करना पड़ा, वहीं हिंसक वारदातों को भी झेलना पड़ा। कई मायने में उपलब्धियों का वर्ष भी रहा। लेकिन यह भी समझना पड़ेगा कि

हाल के दिनों में झारखंड की राजनीति कई तरह से प्रदूषित होती जा रही है। ऐसे में नये साल के प्रवेश द्वार पर हम अतीत पर अवश्य चिंतन करें। इन शर्तों के साथ कि पुरानी गलतियां न हों। इसे नसीहत नहीं बल्कि सुझाव के रूप में लिया जा सकता है। बहरहाल, हम पहले ही निवेदन कर चुके हैं कि कम से कम, आज के दिन कोई शिकवा शिकायत और हादसे की बात कर जीवन में निगेटिविटी को जगह नहीं देंगे। आलेख में गुजरे वर्ष की शाम की तस्वीर है। जिसे ओपी प्रजापति ने बड़े जतन से राष्ट्रीय नवीन मेल की छत से अंतिम दिसम्बर की शाम अपने मोबाइल से खींचा है। इसे आप जरूर देखें। यह गुजरे वर्ष की शाम है, लेकिन हमें आकाश में आत्मविश्वास और जिजीविषा की कलम से एक ऐसी सुबह की रचना करनी है जो धरती पर निरंतर प्रकाश की दूब उगाये।

कोलकाता की मशहूर फीमेल डीजे डेजलिंग की धूम की चर्चा

लोगों के दिलों पर कई तरह की यादों को समेटे 2022 जहां विदा हो गया, वहीं दूसरी ओर 2023 के रूप में उदीयमान नया साल विकास तथा सम्पन्नता की असीम संभावनाओं के साथ आगमन का दस्तक देता नजर आ रहा है। हर साल की तरह ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

अगर तुम लहरें ही गिनते रहोगे तो याद रखना, दरिया कभी पार नहीं कर पाओगे। दरिया में कूदो, हाथ-पैर मारो, पार लग ही जाओगे। हिम्मत कभी टूटे न, जोश कभी छूटे न।

NEWS इन ब्रीफ

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कृष्ण बल्लभ सहाय की जयंती मनाई गयी

रांची । शनिवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कृष्ण बल्लभ सहाय की जयंती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, कांग्रेस भवन, रांची में मनाई गयी। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्व. सहाय को एक प्रतिभावान और परिश्रमी व्यक्ति बताते हुए कहा कि स्व. सहाय शिक्षा मंत्री, भूमि सुधार मंत्री, राजस्व मंत्री एवं मुख्यमंत्री के रूप में अविभाजित बिहार के विकास में बहुमूल्य योगदान दिया है। स्व. सहाय सामाजिक न्याय के प्रति पूर्ण प्रतिबद्ध थे। अपने राजस्व के समय जमीन्दारी प्रथा का उन्मूलन किया था। कांग्रेस भवन, रांची उन्हीं की देन है।

किसानों की आय बढ़ी नहीं बल्कि कम हुई है : आभा सिन्हा

रांची । झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता आभा सिन्हा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन असलियत यह है कि किसानों की आय बढ़ी नहीं बल्कि कम हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2016 में वादा किया था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी की जाएगी लेकिन किसान की आय दोगुना होने के बजाय घटी है। इस दौरान मुद्रास्फीति को देखते हुए हिसाब लगाया जाए या 2018 के राष्ट्रीय सर्वेक्षण नमूने के हिसाब से देखें तो इन वर्षों में किसानों की आय कम हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नेतृत्व वाली सरकार के दौरान 2004 और 2014 के बीच किसान की आय सच में दोगुना हुई थी लेकिन 2022 में कम हुई है।

अभाविप ने यूजीसी चेयरमैन को दिया ज्ञापन

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को दिल्ली में यूजीसी के अध्यक्ष प्रो एम जगदीश कुमार से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन, सभी योग्य पीएचडी अध्येताओं को नॉन नेट फेलोशिप देने, नॉन नेट फेलोशिप की राशि बढ़ाने, कोरोना के कारण प्रभावित शैक्षणिक सत्र को पूर्ववत करने सहित अन्य मांग रखी।

सांसद श्रीमद्भागवत कथा में सपत्नीक शामिल हुए

रांची । रांची के सांसद संजय सेठ स्वर्णभूमि, लालपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में सपत्नीक शामिल हुए । श्री सेठ ने प्रसिद्ध कथावाचक पुंडरीक महाराज के सान्निध्य में कथा सुनकर उनका आशीर्वाद लिया।

छह जनवरी से युवा महोत्सव का होगा आगाज

रांची। युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मनाए जानेवाले राष्ट्रीय युवा दिवस पर झारखंड में युवा महोत्सव का आयोजन होगा। यह महोत्सव छह से 12 जनवरी तक चलेगा। लंबे समय बाद झारखंड में राष्ट्रीय युवा दिवस पर महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। महोत्सव का आयोजन खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, एनएसस और नेहरू युवा केंद्र संगठन के सहयोग से पूरे राज्य में होगा। इसमें स्पोर्ट्स, क्विज, भाषण, निबंध और पेंटिंग प्रतियोगिता में 15 से 29 वर्ष तक के प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। पहले चरण में छह और सात जनवरी को कॉलेज स्तर पर प्रतियोगिता होगी। इसमें पहला और दूसरा स्थान हासिल करनेवाले प्रतिभागी आठ और नौ जनवरी को विश्वविद्यालय स्तर पर भाग लेंगे। वहीं, विश्वविद्यालय स्तर के प्रथम दो प्रतिभागी 10 और 11 जनवरी को रांची में स्टेट चैंपियनशिप में भाग लेंगे।

कांके डैम परिसर में सांसद ने नागरिकों के साथ की चाय पर चर्चा

नागरिकों ने डैम सफाई की मांगी की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सांसद संजय सेठ ने शनिवार सुबह कांके डैम परिसर में नागरिकों के साथ चाय पर चर्चा की। इस दौरान सुबह टहलने आने वाले नागरिक व बड़ी संख्या में इस क्षेत्र के नागरिक शामिल रहे। नागरिकों से संवाद के क्रम में सांसद ने उनसे सुझाव लिए। सैकड़ों की संख्या में मौजूद नागरिकों के बीच वयोवृद्ध नागरिकों ने सांसद को बताया कि कांके डैम का पार्क सिर्फ सुबह और शाम खोला जाता है। इसे दिन में भी खोलना चाहिए ताकि आसपास के बुजुर्ग यहां आकर बैठ सकें। वहीं नागरिकों ने कांके डैम की सफाई का भी आग्रह सांसद से किया। नागरिकों ने कहा कि आपके प्रयास से ही आज से तकरीबन डेढ़ दशक पूर्व इस डैम की सफाई हुई थी, उसके बाद से इसकी वृहद सफाई नहीं हुई है। इस डैम का पानी रांची की बड़ी आबादी को पीने के लिए व घरेलू उपयोग के लिए दिया जाता है, ऐसे में डैम की सफाई आवश्यक है। चाय पर चर्चा के दौरान ही सांसद ने नागरिकों को बताया कि देवी मंडप रोड से सरोवर नगर होते हुए सीएमपीडीआई तक सड़क निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है और काम भी आरंभ हो चुका है। बहुत जल्द क्षेत्र के लोगों को एक बेहतरीन सड़क आवाजाही के लिए उपलब्ध होगी। इस दौरान सांसद ने खुद डैम परिसर में देखा कि जिन स्थानों पर मूर्ति विसर्जन किया जाता है, वहां भारी मात्रा में गंदगी फैली हुई है। सांसद ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि बहुत जल्द ही इसकी सफाई होगी और इस दिशा में सार्थक पहल करेंगे। बिजली आपूर्ति को लेकर आ रहे संकट से भी नागरिकों ने सांसद को अवगत कराया। सांसद ने बताया कि इस दिशा में लगातार बिजली विभाग के अधिकारियों के संपर्क में है, आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं। उनका प्रयास है कि जल्द से जल्द बिना कटौती के रांचीवासियों को बिजली मिल सके। इसके अतिरिक्त इस चर्चा में रांची के अन्य कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। सांसद संजय सेठ ने बताया कि चाय पर चर्चा की पहल उनके द्वारा शुरू की गई है, जो सकारात्मक साबित हो रहा है। बड़ी संख्या में सुबह-सुबह नागरिकों से संवाद हो रहा है और सबसे करीब से मिलने का, उनकी समस्याएं जानने का, उसके समाधान का अवसर प्राप्त हो रहा है। उनका प्रयास है कि नागरिकों ने जो बहुमूल्य सुझाव दिए हैं, उस पर काम किया जाए। सांसद ने बताया कि अगले हफ्ते बरियातू रिम्स के स्टेडियम में चाय पर चर्चा की जाएगी।

शोक संदेश प्रेषित कर मारवाड़ी समाज ने जताया शोक

रांची। मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार नारसरिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शोक संदेश प्रेषित कर कहा है कि आपकी माता जी के आकस्मिक निधन पर रांची के संपूर्ण मारवाड़ी समाज को गहरा दुःख हुआ है। भगवान की नियति के आगे हम सभी नतमस्तक हैं। आप जैसे कर्मयोगी पुत्र को जन्म देने वाली दिव्यात्मा का सरल और सादा जीवन सभी के लिए प्रेरणादायक बना रहेगा। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए हम सभी प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें एवं शोक संतप्त आपके परिवार को इस पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस कठिन समय में हम सभी आपके साथ हैं। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में- सुरेश चंद्र अग्रवाल, कौशल राजगढ़िया, मनोज चौधरी, नंदकिशोर पाटोदिया,संजय सर्राफ, अजय बजाज, रमन बोड़ा, राम बांगड़, राजेश भरतिया, अजय खेतान,आदि शामिल है।

अहंकार रूपी पुराने संस्कारों को परिवर्तन कर इस संसार को बदलना जरूरी : निर्मला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नववर्ष की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में राजयोगिनी निर्मला बहन ने कहा पुराना वर्ष बीतने के साथ-साथ अब अपने स्वार्थ व अहंकार रूपी पुराने संस्कारों को परिवर्तन कर इस संसार को बदलना है। शांति और सम्पन्नता के लिए सभी मानव प्रार्थना करते हैं। इस नये वर्ष में आध्यात्मिक शक्ति को पहचान कर पवित्रता, प्रेम, सच्चाई व खुशी के दिव्य गुणों द्वारा सभी अपना योगदान देंगे। अब शीघ्र ही स्वर्णिम दुनिया हम सबकी नजरों के सामने होगी। आध्यात्म की अमृत वर्षा से सुखमय संसार शीघ्र आयेगा। आज के अशांत समय में भारत की ओर विश्व आशा की नजर से देख रहा है और पिता परमात्मा भी अविनाशी ज्ञान योग की सौगात मानव को प्रदान कर रहे हैं। इस नये वर्ष में अनेक चुनौतियों के वावजूद हमें नैतिक मूल्यों की पुर्नस्थापना के लिए निर्मल निःस्वार्थ सेवा भावना की कलम लगानी है ताकि भावी पीढ़ी व हमारा भविष्य नयी सुबह का नया सूरज देखे - यही समय की पुकार है। इस नये वर्ष में जन-जन को ऊंचा भाग्य बनाने की बधाई और विकार-बुराई-लड़ाई को विदायी। इस अवसर पर विशेष झारखंड की खुशहाली के लिए राजयोग अभ्यास सत्र रखा गया।

रांची एयरपोर्ट की सुविधाओं से कस्टमर नाखुश

सर्वेक्षण रिपोर्ट में पहले से चौथे रैंक पर पहुंचा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वर्षों से ग्राहकों को सुविधा देने वाला रांची एयर पोर्ट आज उसके सुविधा ग्राहक काफी नाराज नजर आने लगे हैं। हालांकि पहले इस तरह की बातें सामने नहीं आयी थी लेकिन जैसे-जैसे लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है वैसे- वैसे असुविधाओं का परिणाम सामने आने लगा है। उनके खुश न होने का परिणाम यह हुआ है कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ग्राहक संतुष्टि सर्वे (कस्टमर सटिस्फैक्शन) के सर्वेक्षण रिपोर्ट में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची का रैंक खासा पीछे हुआ है। छह महीने पहले रांची एयरपोर्ट को पहला रैंक मिला था, लेकिन जुलाई से दिसंबर महीने के सर्वे रिपोर्ट में इस रैंक पहले से खिसकर कर चौथे पर आ गया है। रांची एयरपोर्ट को चौथे पायदान पर ला कर पहले पायदान पर कब्जा जमाया है राजस्थान के उदयपुर के महाराणा प्रताप एयरपोर्ट ने। बताते चलें कि जुलाई से दिसंबर के बीच कस्टमर सटिस्फैक्शन सर्वे कराया गया था। जिसका रिपोर्ट जारी किया गया। इस रिपोर्ट के मुताबिक रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट को 4.96 अंक मिले हैं। पहले पायदान से चौथ्झे पायदान पर आने की वजह सर्वे में 0.03 अंक कम मिलना है। रिपोर्ट के मुताबिक रांची को 4.96 अंक हासिल हुए, जबकि उदयपुर एयरपोर्ट ने 4.97 अंक हासिल किया। एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से निर्धारित क्वालिटी मापदंडों को ध्यान में रखकर यह सर्वे कराया गया। जुलाई से दिसंबर 2022 के सर्वे में उदयपुर को पहला स्थान मिला।

नये साल पर पार्क में रहा जश्न जैसा माहौल

रांची। नववर्ष आगमन के पहले से ही पार्कों में जश्न जैसा माहौल लग रहा था। सभी कोई अपने परिवारों के साथ पार्कों में आकर माहौल को बदल दिया। इस मौके पर बच्चों ने खूब अपनी टोली के साथ क्रिकेट और बैडमिंटन खेलते नजर आ रहे थे। अभिभावक भी बच्चों के साथ खूब मजे रहे थे। पार्क में खोमचे वालों का भी चांदी रहा और उनलोगों की खूब बिक्री रही। शनिवार देर शाम तक पार्कों भीड़ लगी रही। नववर्ष के स्वागत में मोरहाबादी के शहीद संकल्प चिल्ड्रेन पार्क में शनिवार देर शाम से कार्यक्रमों की घूम रही। युवा हिप हॉप और संगीत बीट्स पर घंटों झूमते रहे। संगीत कार्यक्रम में 50 कलाकारों ने प्रस्तुति दी। वहीं, डीजे नाइट में डीजे इलुमिनाती के फ्यूजन और लोक संगीत पर झूमते हुए लोगों ने नए साल का जश्न मनाया।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची के छात्रों का तायकोफेस्ट सीजन 7 में शानदार प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची के छात्रों ने कोलकाता तायकोफेस्ट सीजन 7 राष्ट्रीय तायक्वोंडो चैंम्पियनशिप में शानदार सफलता अर्जित की। 15 राज्यों के 800 से अधिक खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में भाग लिया। इस प्रतियोगिता को अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 श्रेणियों में विभाजित किया गया था। हमारे स्कूल के छात्रों ने 4 गोल्ड, 7 सिल्वर और 1 कांस्य पदक जीतने में सफलता प्राप्त की। रिधिमा सिंह, ह्रषिता चौधरी, रुद्र जायवाल ने स्वर्ण पदक जीता। श्रीपन चटर्जी, सिया शुक्ला, अपुर्वा कुमारी, प्रणीत कुमार मेहता, अविनाश जायसवाल और अनुभव गुप्ता ने रजत पदक जीता। नमन कुमार गुलगुलिया ने दो अलग-अलग श्रेणियों में सिल्वर और स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल की। सपना को कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। कुल मिलाकर छात्रों ने 12 पदक जीते। विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ० प्रदीप वर्मा ने विजेताओं को बधाई दी। प्राचार्या परमजीत कौर ने चैंपियंस की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पुलिस की दबिश से झारखंड में नक्सली गतिविधियों में आ रही है कमी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस की लगातार नक्सलियों के ऊपर दबाव बढ़ने के कारण उनकी गतिविधियों में कमी आने लगी है। पुलिस का धीरे-धीरे उनपर दबाव बढ़ता जा रहा है। झारखंड में लाल आतंक यानी नक्सलियों की धमक कम हो रही है। राज्य में माओवादी नक्सलियों के सबसे बड़े और दुर्गम गढ़ बूढ़ा पहाड़ पर अब सुरक्षा बलों और पुलिस का कब्जा है। 22 साल में यह पहली बार है, जब यहां नक्सलियों के कैंप पूरी तरह ध्वस्त कर दिए गए। राज्य के पारसनाथ पहाड़, कोल्हान प्रमंडल के कुचाई ट्राइजंक्शन और कई जंगलवर्ती इलाकों में भी नक्सलियों के पांव उखड़ रहे हैं। राज्य पुलिस के आंकड़े भी इसकी तस्दीक करते हैं। झारखंड पुलिस के आईजी अभियान ए.वी। होमकर के मुताबिक वर्ष 2022 में राज्य में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ों के दौरान 11 नक्सली मारे गए हैं। इस साल लगभग दो दर्जन मुठभेड़ हुए, जिसमें पुलिस भारी पड़ी। इस दौरान अलग-अलग क्षेत्रों से कुल 416 माओवादियों को अरेस्ट किया गया है। इस दौरान 183 हथियार, 16260 एम्युनेशन, 984 आईईडी एवं 625।66 किलो विस्फोटक रुपए बरामद किए गए। इसके अलाव नक्सलियों के पास से 99।41 रुपए भी बरामद किए गए। यह नक्सलियों द्वारा ठेकेदारों, व्यवसायियों से रंगदारी के तौर पर वसूली गई राशि है। 14 नक्सलियों ने राज्य पुलिस और सुरक्षा बलों के समक्ष हथियार डाले हैं। इनमें से ज्यादातर पर झारखंड सरकार ने इनाम घोषित कर रखा था। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में एक माओवादियों के शीर्ष संगठन स्पेशल एरिया कमेटी का सदस्य, रीजनल कमेटी का एक मेम्बर, दो जोनल कमांडर, एक सब जोनल कमांडर, सात एरिया कमांडर हैं।

सिलबिया बागे के निधन राजेश ठाकुर ने शोक संवेदना प्रकट किया

रांची। बिहार विधानसभा परिषद के सदस्य सिलबिया बागे के निधन पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने शोक संवेदना प्रकट किया तथा कहा कि कांग्रेस ने अपना अभिभावक खो दिया है। उन्होंने परमपिता परमेश्वर से शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना करते हुए कहा कि पूरा कांग्रेस परिवार इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ है। शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनादि ब्रह्म, केशव महतो कमलेश, संजय लाल पासवान, राकेश सिन्हा, कुमार राजा, डॉ. एम तौसीफ, आभा सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, ईश्वर आनंद, सुरेन्द्र सिंह, मदन मोहन शर्मा, रामानंद केशरी, आदि शामिल थे।

मिलन समारोह में सांसद संजय सेठ ने लोगों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को ठाकुर गांव बैंक मोड़ के निकट वरिष्ठ भाजपा नेता राम कुमार दुबे के आवासीय परिसर में वर्ष 2022 का विदाई एवं नव वर्ष 2023 का आगमन के अवसर पर मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि रांची लोकसभा के सांसद संजय सेठ, विशिष्ट अतिथि कांके विधानसभा के विधायक समरीलाल, सम्मानित अतिथि के छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, संरक्षक रवि सिंह, जिला परिषद सदस्य मनोज बाजपेयी, लोहरदगा सांसद प्रतिनिधि कृष्ण मोहन कुमार सहित राजू गोस्वामी, दशरथ महतो, मनोज मिश्रा, जीतराम पाहन, आदित्य कुशवाहा, बाबू साव, उमा देवी, लक्ष्मी देवी, भागीरथी महतो आदि भाजपा कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं गण्यमान बंधुगण मौजूद थे। मौके पर सांसद संजय सेठ ने सभी उपस्थित लोगों को उज्ज्वल भविष्य एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। विधायक समरी लाल ने कहा सभी लोगों का नव वर्ष मंगलमय हो वहीं शिव किशोर शर्मा ने लोगों से आग्रह किया। अपने जन्मदिन अथवा शादी की सालगिरह पर पौधारोपण करें और देश में हरियाली लाएं। इसके पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा नेता रामकुमार दुबे ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ,तस्वीर एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। नव वर्ष में गरीब, जरूरतमंद लोगों की सेवा करने का संकल्प लेकर कार्यक्रम की समापन हुई।

मारवाड़ी सहायक समिति साधारण सभा की बैठक 15 जनवरी को

रांची। मारवाड़ी सहायक समिति की वार्षिक साधारण सभा की बैठक कार्यकारिणी के नियमानुसार 15 जनवरी 2023 को मारवाड़ी भवन में होगी। मारवाड़ी सहायक समिति के सचिव कौशल राजगढ़िया ने बताया है कि इस बैठक में विचारार्थ प्रस्ताव सचिव के पास 7 जनवरी तक पहुंच जानी चाहिए। इसके बाद प्राप्त प्रस्तावों पर समिति के अध्यक्ष अशोक नारसरिया की अनुमति से ही विचार किया जा सकेगा। आम बैठक में सचिव का वार्षिक प्रतिवेदन, कोषाध्यक्ष द्वारा वर्ष 2021- 22 के अंकेक्षित आय-व्यय का ब्यौरा, अंकेक्षक की नियुक्ति, संविधान को झारखंड सोसाइटी एक्ट में निबंधन पर निर्णय, तथा अन्य आगत प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया जाएगा। उक्त जानकारी मारवाड़ी सहायक समिति के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने दी।

आत्मनिर्भर बनाना बच्चों, युवाओं और महिलाओं को समर्पित ' आगाज '

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना उद्देश्य

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को कोकर स्थित इंद्रप्रस्थ उत्सव भवन में रांची के आयोजनकर्ता उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय के नेतृत्व में ' आगाज' आवाज दो, आगाज हो' कार्यक्रम आयोजन का किया गया। इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, महामंत्री प्रदीप वर्मा, महापौर आशा लकड़ा, रांची लोकसभा के सांसद संजय सेठ, रांची विधायक सीपी. सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री, भाजपा के वरिष्ठ नेता राधेश्याम केशरी एवं वार्ड पार्षद अर्जुन यादव, सुजाता कच्छप, अरुण झा, रौशनी खलखो, अर्जुन राम, सुनील साहू, उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र प्रसाद ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विपिन वर्मा ने किया। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रवज्ज्लन कर किया गया। कार्यक्रम में डांस (ग्रुप), डांस (सिंगल), पेंटिंग, फैंसी ड्रेस, नाटक, म्यूजिकल चेयर का कंपीटिशन का आयोजन किया गया। आयोजन में गणेश वंदना के साथ बच्चों ने संस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य की प्रस्तुति दी। आयोजनकर्ता संजीव विजयवर्गीय ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि आगाज आवाज दो, आगाज हो का मकसद युवाओं और महिलाओं को एक नया मंच प्रदान करना है जिससे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिले। युवाओं के कला को निखारा जा सके, उसे सशक्त बनाया जा सके। बच्चों की प्रतिभा निखरे, ताकि उनके माध्यम से रांची एक विकास की दिशा की ओर बढ़े। भाजपा राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश दीपक प्रकाश ने कहा कि समाज को जोड़ने का कार्य है आगाज, उन्होंने कहा कि सरस्वती की पूजा ही सर्वप्रथम कला से होती है और उस कला को आगाज ने धरातल पर उतारा है। रांची लोकसभा के सांसद संजय सेठ ने कहा कि ऐसे आयोजन शहर में होते रहना चाहिये, ऐसे आयोजन से बच्चों एक और युवाओं का कला निखरता है। उन्होंने आगाज के प्रथम संस्करण के लिए बधाई दी। महापौर आशा लकड़ा ने कहा की, झारखण्ड कला और संस्कृति से सुसज्जित राज्य है और इसमे हम सभी की सहभागिता समान रूप से होनी चाहिए ताकि भावी भविष्य अपने संस्कारों को पहचानते हुए आगे बढ़े।

झारखंड सीनियर टेनिस वॉलीबॉल टीम घोषित

रांची। आगामी 5 जनवरी से 7 जनवरी 2023 तक कलिंगा इंस्ट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी नॉलेज पार्क-3 ग्रेटर नोएडा दिल्ली एनसीआर में टेनिस वॉलीबॉल एसोसिएशन ऑफ दिल्ली एवं टेनिस वॉलीबॉल फेडेरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा 24 वी राष्ट्रीय सिनियर महीला पुरूष टेनिस वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित हो रही है जिसमे झारखंड की पुरुष टीम भाग लेगी जिसका घोषणा आज संघ के द्वारा की गई जो इस प्रकार हैः पुरुष टीम - श्वेत सिंह (कप्तान), प्रियांशु कुमार,अमन कुमार, सृजल सिंह, सचिन कुमार राय,हनी गर्ग, अनिल उरांव, सुनील उरांव, मांगा उरांव, नीरज कुजुर,कोच शशांक शेखर शामिल हैं। झारखंड टेनिस वॉलीबॉल टीम दिनांक 2 जनवरी 2023 को रांची रेलवे स्टेशन सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस से दिल्ली के प्रस्थान करेगी। यह जानकारी टेनिस वॉलीबॉल असोसिएशन ऑफ झारखंड के महासचिव ब्रजेश गुप्ता ने दी।

झारखंड की अभिनेत्री रिया का हुआ अंतिम संस्कार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अपने पति और दो साल की बेटी के साथ कार से कोलकाता जाते वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई झारखंड की अभिनेत्री रिया कुमारी का विगत शुक्रवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। अभिनेत्री के परिवार ने मामले में गहन जांच की मांग की है। अभिनेत्री के चाचा अजय कुमार राणा एक दिन पहले रिया के पार्थिव शरीर और उनकी बेटी को कोलकाता से हजारीबाग जिले के सिंघानी स्थित घर ले आए। पश्चिम बंगाल पुलिस ने अभिनेत्री के पति प्रकाश कुमार को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। ईशा आलिया के नाम से चर्चित रिया कुमारी की 28 दिसंबर की सुबह पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रकाश ने पुलिस को बताया था कि बागनान थाना क्षेत्र में महिषरेखा के पास जब उन्होंने किसी आवश्यक काम के लिए कार रोकी तो लुटेरों ने हमला कर रिया की हत्या कर दी। बुधवार रात रिया कुमारी के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत और पूछताछ के बाद पुलिस ने प्रकाश को गिरफ्तार किया। कोर्रा थाना प्रभारी उत्तम कुमार तिवारी ने बताया कि रिया के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार हजारीबाग में किया गया। रिया की मां रश्मि देवी ने आरोप लगाया, काफी दहेज लेने के बाद भी मेरी बेटी के ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करते थे और पैसे की मांग करते थे। रिया की सास उसके साथ मारपीट करती थी। रिया के परिवार ने मामले की गहन जांच और अभिनेत्री द्वारा अपनी बेटी की देखभाल के लिए अर्जित की गई संपत्तियों की मांग की है।

जो भी पढ़ना है, मन लगा कर पढ़ो। पढ़ने के पहले योजना बना लो। बिना योजना बनाए अगर पढ़ोगे तो सिर्फ टाइमपास करोगे। तय है, हासिल कुछ नहीं होगा।

NEWS इन ब्रीफ

उपायुक्त ने जिला वासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी

रामगढ़। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने जिला वासियों को नववर्ष 2023 की शुभकामनाएं दी है। उपायुक्त ने कहा है कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला प्रशासन का यह पूरा प्रयास रहेगा कि रामगढ़ जिला विकास की नई ऊंचाइयों को छुए। साथ ही उन्होंने कहा है कि हाल में जिस प्रकार से देश में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आए हैं, ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि हम सभी कोरोना से बचाव के लिए सार्वजनिक व अन्य भीड़भाड़ वाले स्थलों पर मास्क लगाकर रखें एवं कोरोना संबंधित किसी भी प्रकार का लक्षण दिखने पर तुरंत अपना कोरोना जांच कराएं।

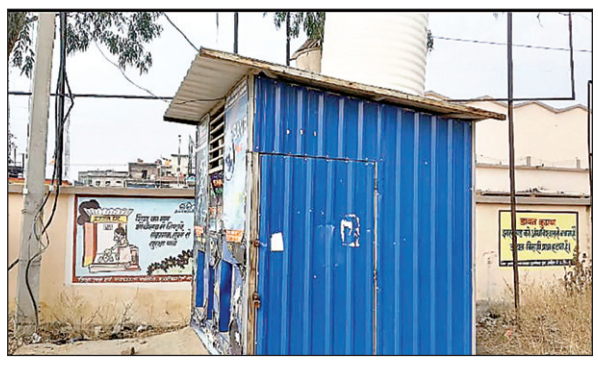

नववर्ष के जश्न को शालीनता पूर्वक मनाएं : कृष्ण साहा

बरकट्ठा। नये साल के आगमन को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। तरह-तरह के पकवान बनाने को लेकर बाजार की रौनक भी बढ़ गई है। वही नववर्ष के जश्न को लेकर गोरहर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार साहा ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भीड़ वाले स्थानों पर या अन्यत्र हुड़दंग मचाने पर कार्रवाई हो सकती है। पत्रकारों से बातचीत के क्रम में उन्होंने बताया कि यदि कोई शराब पीकर गाड़ी चलाता मिला तो उस पर सख्ती से कार्रवाई की जा सकती है।उन्होंने कहा कि नए साल का त्यौहार पूरी सरलता और शालीन तरीके से मनाएं।कहा कि छेड़छाड़ की सूचना मिली तो फौरन कार्रवाई की जाएगी वहीं पिकनिक स्पॉट्स पर प्रशासन की पैनी नजर बनी रहेगी।

छत से गिरने से 8 वर्षीय बालक घायल, रेफर

बरही। बरहीडीह निवासी भुनेश्वर साव का आठ वर्षीय पुत्र आदर्श कुमार छत से गिरकर घायल हो गया। जिसे अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती किया गया। जिसे डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी के निरीक्षण व प्राथमिक ईलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार यह घटना सुबह तब हुई जब बालक छत पर खेल रहा था।

तीन क्विंटल मत्स्य अंगुलिकाएं का हुआ जल प्रवाहन

बरही। मत्स्य विभाग के सौजन्य से केदारूत पंचायत अंतर्गत केवलिया डैम में 3 क्विंटल मत्स्य अंगुलीकाये प्रवाहित की गई। जिसका प्रवाहन बतौर मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक सह विधानसभा निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला यादव, कांग्रेस जिला महासचिव बिनोद यादव और स्थानीय मुखिया सरिता देवी ने संयुक्त रूप से किया। विधायक ने कहा कि राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को विधानसभा क्षेत्र में क्रियान्वित करवाना उनकी पहली प्राथमिकता है। क्षेत्र की बेरोजगारी दूर करने और उद्यमियों को उद्यम दिलवाने के लिए वे सदैव प्रयत्नशील रहे है। मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मन्नान वारसी, विशेश्वर यादव सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

कोडरमा। कोडरमा थाना अंतर्गत लोहासीकर मोड़ पर शनिवार को बाइक से गिरकर तीन लोग घायल हो गए। घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजे की है। घायल की पहचान मुस्तकिम अंसारी, (28 साल), पिता- रहमान अंसारी के रूप में हुई है। जबकि बाइक पर पीछे बैठी अन्य दो महिलाओं को हल्की चोट लगी है। घायल का इलाज सदर हॉस्पिटल में किया गया।

उम्मीद है कि धरातल पर उतरेंगी योजनाएं

लोगों की टिकी हैं निगाहें प्रशासनिक खेवनहारों पर

जयदीप कुमार सिन्हा

बरही। कुछ अच्छे कुछ बुरे के बीच वर्ष 2022 की विदाई हो चुकी है। न्यू ईयर 2023 सबों की बेहतर हो इन्हीं शुभकामनाओं के साथ प्रशासनिक और प्रशासनिक पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियो से बरही की जनता ने खास उम्मीद पाल रखी है । प्रखंड की कई ऐसी योजनाएं जिसे वर्ष 2022 में धरातल पर नही लाया जा सका। उम्मीद है की 2023 में इसे धरातल पर लाया जा सकेगा।

एक संक्षिप्त परिचय

मॉडल स्कूल स्थानीय मुखिया विजय यादव से मिली जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 18-19 में मलकोको पंचायत के बुंडू में करीब पांच एकड़ क्षेत्र में लगभग तीन करोड़ की लागत से बना मॉडल विद्यालय आज तक धूल फांकने के लिए तैयार है। लगभग एक हजार विद्यार्थियों की क्षमता वाला बना यह तीन तल्ला विद्यालय मात्र तीन वर्षो में अपना रौनक खो दिया है। जहां सरकार एक बार फिर करीब तीन करोड़ रुपए लगाकर रंग रोगन और चहारदीवार करवा रही है। जो आज तक चालू नही हो सका । इसके 90 विद्यार्थी आज भी प्लस टू उच्च विद्यालय में पढ़ने के लिए मजबूर है।

राइस मिल

लाखों की लागत से बना पंचमाधव का राईस मिल आज भी धूल फांकने के लिए मजबूर है। इसके चालू हो जाने से इस क्षेत्र के हजारों किसानों को सहायता मिल सकता है।

एटीएम वाटर

वर्षो से बनकर तैयार प्रखंड, अस्पताल, अनुमंडल, थाना, परिसर स्थित एटीएम वाटर काउंटर आज तक चालू नही हो सका. इसके बारे में अधिकारियो भी जानकारी देते में असमर्थता बताते है। संभव है कि इस एटीएम वाटर काउंटर का संयत्र भी या तो खराब हो गए हो या खराब होने की राह पर हो।

एपीजे अब्दुल कलाम चिल्ड्रेन पार्क

प्रखंड का एकमात्र चिल्ड्रन पार्क आज अपनी बदहाली की आंसू बहाने को मजबूर है। जहां कभी एनटीपीसी प्रदत दो फव्वारे और बच्चो के झूले आकर्षण का केंद्र हुआ करता था। आज जीर्ण शीर्ण व्यवस्था में खुद को रोने के लिए मजबूर है।

इंटेक वेल योजना

प्रखंड का चीर प्रतीक्षित मांग जो विधायक उमाशंकर अकेला के प्रयास के बाबजूद करोड़ो की लागत से बन रहे जवाहर घाटी स्थित तिलैया डैम का इंटक वेल जलापूर्ति योजना चालू नही हो सका। जिसे बीते फरवरी के प्रेस वार्ता में विधायक ने डीपीआर बन जाने और डीवीसी की सहमति की जानकारी देते हुए जून 22 तक पेयजलापूर्ति प्रारंभ हो जाने का आश्वासन दिया था ।

धोबघट स्थल मार्ग

आजादी के बाद पहली बार रानीचूआ पंचायत के धोबघट पहुंचने वाले पहले विधायक उमाशंकर अकेला ने मार्ग बनाने की आवाज को मुखर किया, परंतु वन विभाग का सार्थक सहयोग नही मिलने से मार्ग निर्माण कार्य भी आश्वासन के रूप में ही देखा जा रहा है ।

प्रखंड परिसर स्थित सार्वजनिक शौचालय

लाखों की लागत से प्रखंड परिसर में शौचालय होने के बाबजूद इसका चालू नही होना यह भी एक राज है। जहां प्रखंड सह अंचल कार्यालय आने वाले सैकड़ों महिला पुरुष को खुले में शौच जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है ।

सरकारी बस पड़ाव

करोड़ो रुपये की लागत से बनने वाला जिला परिषद सरकारी बस पड़ाव एक बार फिर जीर्ण शीर्ण होता दिखाई पड़ रहा है। बस पड़ाव जिसके चालू हो जाने से बरही की ट्रैफिक व्यवस्था में काफी हद तक नियंत्रण हो सकता था। घटनाओं में कमी हो सकती थी, परंतु आज तक इसे चालू करने की दिशा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अब तक हार्दिक रुचि नहीं दिखाई।

तहसील कचहरी गौरियाकरमा पंचायत में बना तहसील कचहरी आज भी झाड़ियों के बीच दबकर अपनी पहचान खो बैठा है। इसके भवन भी जीर्ण शीर्ण हो चुके है। लोगो को अंचल कार्य के लिए पंद्रह किमी की दूरी तय कर मुख्यालय आना पड़ता है।

ट्रामा सेंटर

स्थानीय लोगों के दवाब में अनुमंडलीय अस्पताल में प्रारंभ हुआ ट्रामा सेंटर बतौर इमरजेंसी सिर्फ रेफरल हॉस्पिटल को भूमिका निभा रहा है। जहां न तो आथोर्पेडिक है और न ही कोई इमरजेंसी व्यवस्था, जहां आयुष चिकित्सक भी अपने सेवा देने के लिए मजबूर होते है। सांसद और प्रशासनिक पदाधिकारियों के घोषणा के बाबजूद आज तक एक्सरे, ब्लड टेस्ट, अल्ट्रा साउंड इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण यूनिट चालू नही हो सका। इसके अलावा और भी कई ऐसी योजनाएं है जो सिर्फ शिलान्यास और घोषणा के रूप में ही 2022 में देखने को मिला। जो शासनिक और प्रशासनिक इच्छा शक्ति के अभाव में चालू नही हो सका। उम्मीद की जाती है कि नये वर्ष में इस दिशा में सकारात्मक पहल देखने को मिलेंगे।

सड़क किनारे खोदे गये गड्ढों से एक्सीडेंट की आशंका: ललिता देवी

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के बेलकप्पी मोड स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 02 के किनारे सिक्सलेन सडक निर्माण कार्य कर रही ऐजेंसी के द्वारा विगत चार माह पूर्व सड़क निर्माण के लिए सडक के किनारे मिट्टी का कटाव किया गया था। परतुं इतने महीने बीतने के बावजूद अबतक खड्डों के ऊपर निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया।वहीं फोरलेन सड़क पर सरपट दौडती गाड़ियों के साथ-साथ आम राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। मकरसंक्रांति के अवसर पर लगने वाले पंद्रह दिवसीय सूर्यकुण्ड मेला जाने के लिए मुख्य मार्ग इसी मोड से गुजरती है और काफी संख्या में वाहनों का ठहराव व परिचालन उक्त मोड़ पर होता है। जिससे आनेवाले दिनों में इस खड्डे के कारण सड़क दुर्घटनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। वहीं स्थानीय मुखिया ललिता देवी ने कहा, सड़क निर्माण एजेंसी बिना सेफ्टी के काम कर रही है। जहां-तहां गड्ढे खोदकर तथा सड़क में कीलनुमा छड़ छोड़कर दुर्घटना को बढ़ावा दे रही है। वही पंसस विकास पांडेय ने बताया कि सड़क निर्माण एजेंसी घोर लापरवाही बरत रही है। जब से निर्माण कार्य शुरू हुआ है तब से क्षेत्र में सड़क हादसों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है।

सांसद प्रतिनिधि ने डाकपाल को किया मास्क प्रदान

रामगढ़। चितरपुर उप डाकघर में 31 दिसंबर को वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिए चितरपुर प्रखंड सांसद प्रतिनिधि दीनबंधु पोद्दार ने डाकपाल रामखेलावन चौधरी को सैकड़ों की संख्या में मास्क प्रदान किया। इस क्रम में सांसद प्रतिनिधि श्री पोद्दार ने कहा कि हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि हम सभी को वैश्विक महामारी कोरोना जो दूसरे देशों में विकराल रूप धारण कर रहा है उसको ध्यान में रखते हुए कोरोना के सभी डोज लगवा लेना चाहिए तथा सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश का पालन करना चाहिए। जबकि डाक सहायक रविशंकर राय ने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि हम अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और दूसरे को भी जागरूक करें।

अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति की बैठक संपन्न

सामाजिक कुरीतियां कैंसर हैं : मो कयूम

विभिन्न सामाजिक कुरीरियो पर गम्भीरता से हुआ मंथन

नवीन मेल संवाददाता

बरही। बरही विधानसभा के चंदवारा प्रखंड में अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति की बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता मो नसीम व संचालन हाफिज मो समीम रहमानी ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश संगठन की विशेषता पर चर्चा, तालीम पर जोर, समाजिक भेदभाव को दूर करना और किसी भी प्रकार के समस्या को आपसी सहमति से निदान करना था। इसके साथ ही दहेज प्रथा, शादी विवाह आदि अवसरों पर फिजूल खर्च को रोक लगाने पर चर्चा की गई। बरही में इसी माह आयोजित होने वाले के तहरीके बेदारी कांफ्रेंस पर चर्चा करते हुये अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की गुजारिश की गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि समिति के विस अध्यक्ष मो कयूम अंसारी विशिष्ठ अतिथि, बरही 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष इकबाल रजा, अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव रुस्तम अली, मीडिया प्रभारी मो तौकीर रजा, अल्पसंख्यक कल्याण समिति संरक्षक पप्पू खान आदि सहित पूर्व मुखिया मो नसीम, हाजी, मो सेराज, मो असगर, मो अनवर आदि सहित कई लोग उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने कहा कि समाजिक कुरीतियां कैंसर के समान है, इसे जड़ से समाप्त करने की आवश्यकता है।

नववर्ष की मस्ती करें, कानून का अनुपालन करें : एसपी

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। नववर्ष के उत्साह में सभी लोग डूब चुके हैं। ऐसे में हजारीबाग पुलिस ने शहर में शनिवार की देर शाम एंटी क्राइम ड्राइव चलाया। जिला परिषद चौक पर शनिवार की शाम हजारीबाग एसपी मनोज रतन चोथे विभिन्न वाहनों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ब्रेथ एनालाइजर के जरिए शराब पीकर गाड़ी चालेवालों की भी जांच की। एसपी का कहना है कि नव वर्ष पर किसी की मौत शराब पीकर या सड़क दुर्घटना में नहीं हो, इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यह ड्राइव चलाया है। उनका कहना है कि शाम के 5:00 से 7:00 तक दो घंटे हजारीबाग के विभिन्न चौक-चौराहों पर अभियान चलाया गया। इस दौरान कई लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करते नजर नहीं आए। ऐसे में उन लोगों ने उनके खिलाफ कार्रवाई भी की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में भी इस तरह का ड्राइव चलाया जाएगा। उन्होंने हजारीबाग समेत पूरे राज्य वासियों को नववर्ष 2023 के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि लोग मस्ती अवश्य करें, लेकिन नियम कानून नहीं तोड़ें। अगर नियम कानून तोड़े जाएंगे, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मुखिया के प्रयास से जन वितरण प्रणाली दुकान को लस्करी में किया सिफ्ट

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के चेचकपी पंचायत के ग्राम लस्करी में आवागमन असुविधा के कारण जन वितरण प्रणाली दुकान को बरकट्ठा के जन वितरण प्रणाली दुकान में चलाया जा रहा था। वहीं राशन लेने में लस्करी एवं धोबारी के लोगों को असुविधा हो रही थी, जिसकी शिकायत लोगों ने स्थानीय मुखिया रीता देवी से की। मामले को उन्होंने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर समस्या का समाधान किया। वही लस्करी में डीलर वीरेंद्र मुर्मू का जन वितरण प्रणाली दुकान का उद्घाटन मुखिया रीता देवी ने शनिवार को फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया तथा कार्ड धारकों को उनकी उपस्थिति में राशन वितरण किया गया।

नववर्ष को लेकर प्रशासन एलर्ट, पिकनिक स्पॉट पर पुलिस की होगी पैनी नजर

सुरक्षित और संयमित तरीकों से नववर्ष उठाए लुत्फ : एसडीओ

नवीन मेल संवाददाता

बरही। नववर्ष को लेकर बरही प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। एसडीओ पूनम कुजुर और एसडीपीओ नाजिर अख्तर सहित बीडीओ सी आर इंदिवार, पुलिस इंस्पेक्टर ललित कुमार आदि प्रशासनिक पदाधिकारियों ने बरही वासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षित और संयमित तरीकों से नव वर्ष मनाने का अपील किया है। कोरोना के संभावित संक्रमण को देखते हुए मास्क का प्रयोग करने की भी बात कही है। एसडीओ ने बताया की इसके लिए पूरे राज्य में भी अलर्ट जारी किया जा चुका है। वही एसडीपीओ ने भी लोगो से शांति तरीकों से नशारहित कार्यक्रम आयोजन की बात कही है। साथ ही अपने सभी अधिकारियो को पिकनिक और पर्यटक स्थलो पर विशेष निगरानी का निर्देश दिया है। बीडीओ ने युवाओं से संयमित तरीकों से पिकनिक मनाने की अपील किया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि पिकनिक स्पॉट पोडैया, तिलैया डैम, जवाहर घाटी, जरहिया डैम आदि स्थानों पर पुलिस की पैनी नजर होगी। पुलिसिया गश्ती तेज रहेगी। शराब पर प्रतिबंध लगाने की भी बात कही गई है।

श्याम बाबा की निशान यात्रा सह ताली-कीर्तन का आयोजन कल

झुमरीतिलैया। श्री श्याम महिला मंडल और श्याम प्रेमी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में दो जनवरी को एकादशी पर श्याम निशान यात्रा सह ताली कीर्तन के आयोजन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। महिला मंडल की कृतिका मोदी और श्याम मंदिर पानी टंकी रोड के संयोजक सज्जन खेतान ने बताया कि सोमवार की सुबह 7.30 बजे झंडा चौक स्थित दुर्गा मंदिर से पूजा-अर्चना के बाद निशान यात्रा निकाली जाएगी। इसमें श्रद्धालु भक्त विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए पानी टंकी स्थित श्याम मंदिर पहुंचकर निशान अर्पित करेंगे।

गुहार — जान जोखिम में डाल कर नदी पार करते है ग्रामीण

कई सुविधाओं से ग्रामीण आज भी वंचित हैं

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के कोनहारा खुर्द पंचायत अंतर्गत डुमरियाटांड आजादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी मुलभूत सुविधाओं से वंचित है। ज्ञात हो पांच सौ से अधिक लोग इस गांव में निवास करते है। वहीं नदी में पुल नहीं होने के कारण यहां के लोग बरसात में जान जोखिम में डाल कर नदी पार करते हैं। हालांकि यह प्रखंड का पुराना मामला नहीं है, ऐसी कई जगहों पर सुविधाओं से ग्रामीण आज भी वंचित है। यहां के ग्रामीण का कहना है कि आज के आधुनिक युग में भी सरकारी योजनाओं समेत अन्य योजनाओं से वंचित रखी जा रही है। हालांकि इस क्षेत्र में एक आंगनबाड़ी और उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय भी है जहां करीब 60 आदिवासी बच्चे पढ़ाई करते हैं। यहां के शिक्षक को बरसात के दिनों में आने जाने में काफी समस्याओं को सामना करना पड़ता है। साथ ही बरसात के दिनों में बिना नमक, तेल मसाले के खाने पर मजबूर होते हैं। भारत जकात मांझी परगना महल अध्यक्ष रामजी बेसरा, सचिव मनोज मुर्मू ने बताया कि कोई भी व्यक्ति बीमार पड़ने पर सड़क नहीं रहने के कारण एम्बुलेंस भी नहीं पहुंच पाती है। ग्रामीणों ने झारखंड सरकार से यहां पुल निर्माण की मांग है। मांग करने वालों में ग्रामीण रीतलाल मांझी, सोमर मांझी, बंसी मांझी, मोहन मांझी, मणिलाल मांझी, पांडो मांझी, मुन्ना सोरेन, जगदीश सोरेन, छोटका सोरेन, दिनेश सोरेन, टोलो देवी, बड़की देवी, छोटकी देवी, अंजली देवी, देवकी देवी, रीता देवी, सरिता देवी, चंदमुनी देवी, कैली देवी समेत अन्य ग्रामीण शामिल हैं।

ग्रामीणों ने सरकार से आवागमन के लिए पुल निर्माण की लगाई गुहार

विद्युत विभाग ने दर्ज कराई 19 लोगों पर प्राथमिकी

नवीन मेल संवाददाता

बरही। विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर विभागीय छापामारी लगातार जारी है। इसी क्रम में यही धनंजय कुमार ने लिखित आवेदन देकर पड़रिया निवासी विरेंद्र कुमार, बासुदेव पासवान, मनोज प्रसाद, सुरजीत प्रसाद, महेंद्र रविदास, केदार दास और दीपक के खिलाफ विद्युत चोरी का मामला दर्ज करवाया है। कनीय अभियंता अभिषेक आनंद ने भी आवेदन देकर विद्युत चोरी करने वाले के खिलाफ थाना में मामला दर्ज करवाया है। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर केवल निवासी विनोद कसेरा, सुधीर कुमार दास, किशोर रविदास, रामेश्वर यादव, बालेश्वर यादव, राहुल कुमार, बिरेंद्र यादव, राजू प्रजापति, मनोज यादव, रूपलाल साव और महेंद्र यादव शामिल है। इन सबो पर टोका लगाकर विद्युत चोरी करने का आरोप है।

जब तक तुम्हारी मौत की तारीख मुकर्रर नहीं हो जाती, तुम्हें कोई मार नहीं सकता। अगर जिंदा हो तो जिंदा दिखना भी जरूरी है। जो भी करो, बिंदास करो। किसी भी चीज के लिए वरी मत हो।

NEWS इन ब्रीफ

जनप्रतिनिधियों ने किया नवपदस्थापित डीडीसी का स्वागत

कुडू-लोहरदगा। लोहरदगा की नवपदस्थापित उप विकास आयुक्त समीरा एस का जिले के जनप्रतिनिधियों ने मुलाकात की और उन्हें गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी और अपने - अपने क्षेत्र की जन समस्याओं से अवगत कराया। उप विकास आयुक्त ने सभी को सकारात्मक पहल का भरोसा दिया। स्वागत करने वालों में कुडू के उप प्रमुख ऐनुल अंसारी, कैरो के जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव, इंजीनियर जफर इकबाल, पसस मन्नान अंसारी, मजिद अंसारी शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में घायल की हुई मौत

भंडरा/लोहरदगा। भंडरा रांची सड़क पर कचमची के पास पिछले दिनों हुई सड़क हादसे में घायल कचमची निवासी पीडीएस डीलर सह दैनिक भास्कर रिपोर्टर अनिल कुमार साहू के ससुर बिगुआ साहू का आज सुबह देहांत हो गया। विगत छह दिसंबर को मध्यरात्रि में घर के समीप ही सड़क दुर्घटना में वे गंभीर रुप से घायल हो गये थे। उनका इलाज रांची में चल रहा था। इलाज के दौरान ही उनकी मौत हो गई। उनके असामयिक निधन पर डीलर संघ के त्रिभुवन शाहदेव, राजवाला अग्रवाल, सागर महतो, अजीत अग्रवाल, राजेश लकड़ा, मुनीलाल साहू, लाल राम ओस्ताद, भैया विजेंद्र, सत्यकेतु प्रजापति, बालेश्वर साहू व अन्य शुभचिंतकों में शोक व्यक्त किया है।

दो दिवसीय क्रिकेट कार्यशाला का समापन

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रयाद कृष्ण के निदेश पर युवा सद्भावना मंच, भंडरा के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय क्रिकेट कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया। पहला दिन कार्यशाला उदरंगी पंचायत के बैमारी गांव में आयोजित किया गया। वहीं दूसरे व अंतिम दिन कार्यशाला का आयोजन लाल बहादुर शास्त्री उच्च विद्यालय मैदान में आयोजित किया गया। दोनों दिन क्रिकेट कोच अमित कुमार द्वारा क्रिकेट खेल प्रेमियों क्रिकेट की बारीकियां बताई गईं और क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। उपायुक्त महोदय की पहल पर निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था जिला स्तर पर की गई है। कार्यशाला में बीडीओ रंजीत सिन्हा, अंचल अधिकारी दिनेश गुप्ता और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

क्रिकेट महाकुम्भ सीजन -3 का फाईनल मैच सम्पन्न

बोलबा। बोलबा प्रखंड के पाकरबहार स्कूल मैदान में प्रीमियर लीग क्रिकेट महाकुंभ सीजन -3 का फाईनल मैच खेला गया । इस मौके पर सेमी फाइनल मैच टांगरगांव एवं एकमा टीम के बीच मैच खेला गया । जिसमें टांगरगांव के टीम ने 65 रन से मैच जीत लिया। फाइनल मैच टांगरगांव उड़ीसा एवं सिमडेगा झारखड के बीच खेला गया। जिसमें सिमडेगा झारखंड के टीम ने टांगरगांव उड़ीसा के टीम को 18 रन से हराकर मैच जीत गया पुरस्कार के रूप में विजेता टीम को दस हजार रुपए नगद के साथ एक सील्ड दिया गया। जबकि उपविजेता टीम को पांच हजार रुपये नगद एवं सील्ड दिया गया।

नए साल के स्वागत को लोहरदगा तैयार

चहुंओर उत्साह का माहौल

नववर्ष पर आकर्षित करेंगे लोहरदगा के रमणिक प्राकृतिक स्थल

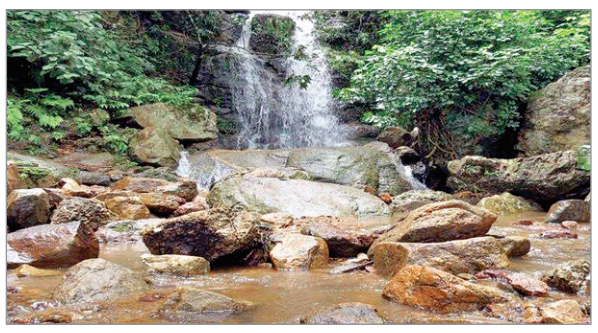

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। वर्ष 2022 की विदाई और नववर्ष 2023 के स्वागत में हर ओर जश्न और उमंग का माहौल है। साल के अंतिम दिन हर पिकनिक स्पॉट पर लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है, वहीं जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किये गये है। नव वर्ष के स्वागत के लिए लोहरदगा में तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। लोहरदगा जिले में एक से बढ़कर एक पिकनिक स्पाट है जो सैलानियो को अपनी ओर आकर्षित करते है। जिले के किस्को प्रखंड के सुदूरवर्ती पश्चिमी पठारों में स्थित लावापानी जलप्रपात, उसी मार्ग पर ही स्थित डहरबाटी नाला, सेन्हा प्रखंड के पचिमी पठारों मे स्थित धरधरिया जलप्रपात, निंदी, पेशरार जाने के रास्ते में स्थित केकरांग जलप्रपात, बगडू पठार, भंडरा प्रखंड में स्थित नंदिनी जलाशय आदि स्थानो पर लोगो का जमावड़ा पिकनिक मनाने को लेकर प्रतिवर्ष रहता है। भंडरा प्रखंड के नंदिनी जलाशय में प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा देखने लोग पहुंचते है। इसके अतिरिक्त चूल्हा पानी, कांति जलप्रपात, खखपरता शिव मंदिर, अखिलेश्वर धाम, महादेव मंडा, सेन्हा का कोराम्बे महाप्रभू मंदिर, नंदगांव, चीरी पतरा, कंडरा समेत कई प्राकृतिक और मनोरम स्थल सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करते है। आईए कुछ पिकनिक स्पाटो के विषय में जाने। जो इस प्रकार से है। धरधरिया जलप्रपात - यह सेन्हा प्रखण्ड के अरूं गांव में अवस्थित है। सड़क मार्ग से अरूं, हेसवे होते हुए जल प्रपात तक पहुंचने का सुगम रास्ता उपलब्ध है। काफी उचांई से गिरता जलप्रपात लोगो को अपनी ओर आकर्षित करता है। घाटी से होकर कठिन उचांई वाले रास्ते और अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के बावजूद बड़ी संख्या में सैलानी यहां पिकनिक मनाने पहुंचते है।

बेखौफ होकर उठाएं लुत्थ, सुरक्षा रहेगी पुख्ता : एसपी

लोहरदगा जिले के पिकनिक स्पाटो में पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। पिकनिक स्पाटो में आए सैलानियो के साथ छेड़छाड़ करना शरारती तत्वों को महंगा पड़ेगा। इस संदर्भ में पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार ने कहा कि जिले के सभी प्राकृतिक पिकनिक स्थलों को चिन्हित कर उन स्थलो पर सुरक्षा बलो की तैनाती करने का निर्देष दे दिया गया है। पिकनिक स्थलो पर सुरक्षा बलो के साथ सादे लिबास में महिला पुलिस की भी तैनाती रहेगी। छेड़छाड़ की घटनाओ को रोकने के लिए पुलिस की कड़ी निगरानी रखी जाएगी। शराब पीकर त्रिपल राईडर पकड़े जाने पर पुलिस कार्रवाई करेगी। पिकनिक स्थल जानेवाले प्रमुख मार्गो में चेकिंग की व्यवस्था होगी। सैलानियों की सहुलियत और सुरक्षा को लेकर पुलिस संवेदनशील है। उन्होंने लोगों से अपील की कि खतरनाक जोन में सावधानी से पिकनिक मनायें। नदी व पहाड़ों पर मोबाइल से सेल्फी लें, लेकिन उसमें सावधानी जरूर बरतें। क्योंकि नववर्ष खुशी व उत्साह का दिन है। इस दिन सभी लोग खुशी पूर्वक नववर्ष की खुशियां बांटे। पहाड़ की ऊंचाई से दूर रहें। अपनी सुरक्षा का खुद ख्याल रखें।

अवैध महुआ शराब को लेकर चलाया छापामारी अभियान

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर (गुमला)। चैनपुर प्रखंड थाना क्षेत्र के केडेंग गांव में अवैध महुवा शराब को लेकर चैनपुर थाना के द्वारा छापा मारी अभियान चलाया गया। जहां लगभग सात आठ घरों से अवैध जावा महुआ को जब्त करते हुए उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। वहीं चैनपुर मुख्यालय के जारी रोड के पास एक घर से भी जावा महुआ को नष्ट किया गया एवं शराब बनाने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा गया कि दुबारा शराब बनाते या बेचते पकड़े गए तो सख्त कानूनी कारवाई की जाएगी। बताते चलें कि अवैध शराब की बिक्री जोर शोर से चल रही है। जिसके कारण आये दिन लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। आये दिन शराब के कारण लड़ाई झगड़ा देखने को मिलता है। इधर मौके पर थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि जिले के अधिकारियों के दिशा निर्देश पर अवैध शराब की छापेमारी की जा रही है। जगह-जगह महुआ शराब की बिक्री हो रही है जिससे युवा वर्ग नशे का शिकार हो रहे है और आये दिन सड़क दुर्घटना भी शराब के कारण हो रही है। अभी लगातार छापामारी अभियान चलता रहेगा छापामारी अभियान में मुख्य रुप से एएसआई मदन शर्मा सहित थाने के जवान मौजूद थे।

तीन दिवसीय युवा नेतृत्व व सामुदायिक विकास आवासीय प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नेहरू युवा केंद्र सिमडेगा द्वारा जिला परिषद के डाक बंगला के सभागार में तीन दिवसीय युवा नेतृत्व एवं सामुदायिक विकास आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों के युवा मंडल सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में व्यक्तित्व विकास एवं जीवन कौशल, नेतृत्व एवं संचार कौशल, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता, युवा केंद्रित सामुदायिक मॉडल, टीम वर्क, सरकारी योजनाओं, जिले में अवसर मेरे सपनों का भारत 2047 सहित अन्य विषयों पर साधनसेवियों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में युवाओं को सांस्कृतिक कार्यक्रम, समुह प्रस्तुति कार्य, योग, समुह कार्य, खेल सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व एवं सामुदायिक विकास के बारे में बताया गया। शनिवार को मुख्य प्रशिक्षक डोमन राम मोची ने युवाओं को नेतृत्व एवं संचार कौशल और प्रशिक्षक सत्यजीत कुमार ने मेरे सपनों का भारत 2047 विषय पर युवाओं को जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में जिला युवा अधिकारी रोशन कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने जीवन में स्वयं नेतृत्व कर अपने स्वयं के विकास के साथ अपने समुदाय का भी विकास कर सकते है, आप अन्य युवाओं को भी प्रेरित करें। उन्होंने युवाओं से आवाह्न किया कि इस शिविर में मिली शिक्षा को युवा अवसर में परिवर्तित कर अपने अपने समुदाय को विकास पथ पर आगे ले जाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण में मंच संचालन डोमन राम मोची ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में लेखापाल सोरिना टेटे, विद्यासागर, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक रेश्मा, संजय, नितेश, सौरव, निरंजन, चंद्रकांता, अनुराधा और सरिता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

बोलबा पुलिस के प्रयास से साइबर ठगी के शिकार से बचा व्यक्ति

बोलबा। बोलबा प्रखंड मुख्यालय में साइबर क्राइम से एक व्यक्ति को बोलबा पुलिस इस मौके पर बताया गया कि एक व्यक्ति को अनजान नंबर से फोन आया जिसमे कहा गया कि आपको प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत एक ट्रैक्टर आपके नाम से पास हुआ है जिसको लेने के लिए 50000 देने होंगे । वह व्यक्ति प्रज्ञा केंद्र बोलबा 50000 ट्रांसफर करने के लिए पहुंच गया तत्पश्चात प्रज्ञा केंद्र संचालक को उन्होंने बताया कि 50000 रुपये ट्रैक्टर लेने के लिए ट्रांसफर करना है प्रज्ञा केंद्र संचालक साइबर ठगी होने की बात को समझ गया और तत्काक ही बोलबा थाना भेज कर सारी बाते पुलिस को बताने की बात कही । उस व्यक्ति ने बोलबा थाना पहुंचकर सारी बातें बताई । बोलबा थाना प्रभारी मनीष कुमार पांडे ने उस व्यक्ति से सारी जानकारी लेते हुए उससे साइबर क्राइम होने से बचा लिया।

विदाई समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। अंचल कार्यालय लोहरदगा में पदस्थापित रामलाल राम बड़ा बाबू के सेवानिवृत्ति के मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी के कार्यालय में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी प्रतिभा कुजुर मौजूद रहे। इनके अलावा अंचल कार्यालय के तमाम पदाधिकारी प्रखंड कार्यालय के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अंचल अधिकारी ने उपस्थित सभी कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा के सभी कर्मचारी को चाहे वो किसी भी पद पर है सबको इस प्रक्रिया से गुजरना है। रामलाल साहब अपने कर्तव्य को अपने कार्यकाल के दौरान बहुत ही निष्ठा पूर्वक ईमानदारी के साथ निर्वहन किए हैं और तमाम लोगों को यह नसीहत देकर सेवानिवृत्त हुए हैं कि सभी को अपने कार्यों में ईमानदारी और लगन के साथ काम करना चाहिए। यह हमारे ऑफिस से विदाई ले रहे हैं। मौजूद कर्मियों ने अपनी अपनी बात कहते हुए बड़ा बाबू रामलाल को शुभकामनाएं दिए। इस अवसर पर कार्यालय एवं प्रखंड कार्यालय के तरफ से उनको बुके देकर तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इधर झारखंड राज दफादार चौकीदार पंचायत के जिला अध्यक्ष समसुल अंसारी ने भी संगठन की ओर से शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बड़ा बाबू राम लाल राम ने सभी को धन्यवाद देते हुए भावुक हो गए। मौके पर अंचल निरीक्षक अरुण प्रसाद, प्रभावती कच्छप, अर्जुन प्रजापति, दिनेश उरांव, दिनेश सिंह, चौकीदार पंचायत के समसुल अंसारी, प्रवीण कुमार, सूरज कुमार, मोनू, आलोक नाथ शाहदेव, हरिनंदन महली, चौकीदार सोमरा उरांव, बबलू उरांव, सयूब अंसारी, सुकरा उरांव के अलावे काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कुरडेग सड़क हादसा में चार घायल

कुरडेग। कुरडेग और केरसई थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में चार व्यक्ति घायल हो गये जिन्हे इलाज के लिये कुरडेग अस्पताल लाया गया है पहली घटना केरसई थाना क्षेत्र के नगड़ा टोली में घटी जिसमें नेलसन केरकेट्टा पिता त्योफिल केरकेट्टा सलमोन केरकेट्टा पिता पास्कल केरकेट्टा दोनो बोनडोबारी थाना केरसई निवासी बाइक के आमने सामने टक्कर में घायल हुए वहीं दूसरी घटना कुरडेग थाना क्षेत्र के खालीजोरा पुल के समीप घटी जिसमें बाइक सवार जॉय कुजुर पिता ओहमन कुजूर , जैकसन कुजूर पिता सनातन कुजूर दोनो कसडेगा थाना कुरडेग निवासी को अज्ञात पिक अप ने अपने चपेट में ले लिया।सभी घायलों को कुरडेग अस्पताल लाया गया है जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

चार चक्का वाहन ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर

जलडेगा। हुटूबदा - पैतानो सिमाना में शनिवार दोपहर लगभग 3 से 4 बजे के बीच स्कूटी सवार व्यक्ति को एक चार चक्का वाहन ने टक्कर मार दिया, टक्कर इतना जोरदार था की स्कूटी के परखच्चे उड़ गए, लेकिन इस बीच टक्कर मारने के बाद चार चक्का वाहन फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल व्यक्ति को तुरंत जलडेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। घायल व्यक्ति की पहचान टुनूर जोजो के रूप में हुई है, जो ओडगा डांडपानी से बानो कोनसोदे जा रहा था। बताया गया की घायल टुनूर जोजो का पैर पूरा टूट गया है, जिसे देखते हुए परिजनों ने बेहतर इलाज के लिए निजी वाहन से उसे राउरकेला ले गए।

जंगली हाथियों के झुंड ने एक घर को उजाड़ा खाया अनाज

बोलबा। बोलबा प्रखंड के लेटाबेड़ा गांव में जंगली हाथियों के झुंड ने एक व्यक्ति के घर को उजाड़ा और खाया अनाज इस मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि बीती रात लेटाबेड़ा गांव में जंगली हाथियों के झुंड ने जॉन केरकेटा के घर को उजाड़ दिया और घर में रखे धान चावल गेहूं महुआ आधी अनाज को खा गया। ग्रामीणों ने बताया काफी दिनों से जंगली हाथियों से हम ग्रामीण तबाह हैं।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन ने की आरक्षण की मांग

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर (गुमला)। चैनपुर बस स्टैंड के पास शनिवार को राष्ट्रीय तेली साहू महा संगठन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आरक्षण की मांग की। मुख्य रूप से उपस्थित महा संगठन के जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार निलेश ने कहा कि गुमला जिला सहित 11 जिलों में पिछड़ी जाति का आरक्षण समाप्त कर जीरो कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह महा संगठन चाहती है कि पिछड़ी जाति का 27% आरक्षण जो मंडल कमीशन के द्वारा आरक्षण है। उसका लाभ मिल सके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी जाति की जनसंख्या के आधार पर तेली जाति को राजनीतिक भागीदारी मिलनी चाहिए। उसी अंतर्गत बड़कागांव की विधायक अंम्बा प्रसाद को मंत्रिमंडल में शामिल करें। हमारी राज्य सरकार से यह मांग है आगे उन्होंने कहा कि समाज को दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है एवं बालिकाओं को अधिक से अधिक शिक्षित करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने साहू समाज के सभी लोगों को एक बैनर के तले आने का आह्वान किया ताकि हम कंधे से कंधा मिलाकर राजनीति भागीदारी प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर सके। जितनी सरकार आई सभी सरकार ओबीसी को ठगने का काम की है चाहे बीजेपी की सरकार हो या कांग्रेस की सरकार हो या जेएमएम की सरकार हो पर अगर ओबीसी के लोग जाग गए तो वह दिन दूर नहीं जब सभी अधिकार अपने आप मिलेंगे सरकार देने पर बाध्य होगी। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष संजय कुमार साहू जिला उपाध्यक्ष विनोद साहू चैनपुर प्रखंड युवा अध्यक्ष मनोज साहू उपस्थित रहे।

बीडीओ ने 27 नं. की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

कुडू - लोहरदगा। कुडू बीडीओ मनोरंजन कुमार ने शनिवार 31 दिसंबर को कुडू प्रखण्ड के सलगी पंचायत अंतर्गत पर्यटन स्थल लोहरदगा टोरी रेलवे खंड पर बने 27 न. पुल का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यटन स्थल की विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। पर्यटक स्थल एवं वहां बने पुलिस पिकेट की सुरक्षा व्यवस्था का भी अवलोकन किया। मौके पर पर्यटन स्थल की देख रेख करने वाले लोगों और पुलिस जवानों से पर्यटकों के सुरक्षा मापदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने साथ ही पार्किंग और अन्य चीजों की जानकारी लेकर कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

विधायक ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा सदर अस्पताल पहुंचकर कोलेबिरा विधायक विक्सल कोंगाडी के द्वारा इलाजरत मरीजों का हालचाल जाना। पिछले दिन हाथी के हमले में घायल कादोपानी निवासी सैमसोंग केरकेट्टा से मुलाकात कर हालचाल जाना साथ ही डॉक्टर को निर्देश दिया कि उसका बेहतर इलाज किया जाए और इलाज के दरमियान कोई भी कमी ना हो। इधर पीयोसोकरा जलडेगा निवासी बटुवा तूरी को ब्लड का कमी के बारे में जैसे विधायक को पता चला उसने तुरंत ब्लड का व्यवस्था कराया और उसका भी बेहतर इलाज के लिए डॉक्टर को निर्देश दिया। ठेठाईटांगर प्रखंड के कोलमेंजरा निवासी परमिला टेटे, नईमा खातून, उनका भी हाल चाल लिया और विधायक ने कहा कि मुझे जनता ने चुना है कि उनका समस्या का मैं समाधान कर सकूं जिसके लिए मैं हमेशा तत्पर रहता हूं आज जैसे ही मुझे पता चला कि हमारे विधानसभा क्षेत्र के अनेक अनेक क्षेत्र से मरीज सदर अस्पताल सिमडेगा आए हुए हैं मैं तुरंत थी सदर अस्पताल सिमडेगा पहुंचकर उन सब का देखभाल किया और डॉक्टरों को निर्देश दिया कि इनका इलाज में कोई भी कमी ना हो। मैं हमेशा से अपने क्षेत्र के जनता और से जुड़ कर रहा था ताकि मैं उनका कोई भी छोटा बड़ा समस्या हो तो उसका समाधान कर सकू। मरीज और उनके परिजनों ने विधायक से कहा की हम लोग जिस तरह के विधायक चाहते थे उस तरह का विधायक आज हम लोगों को मिला है जो कि हम लोगों का समस्या का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।मौके पर मौजूद जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि समी आलम, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा, कोलेबिरा प्रखंड अध्यक्ष सुलभ नेल्सन डुंगडुंग, कोलेबिरा विधायक प्रतिनिधि श्यामलाल प्रसाद, रेने टेटे, सफीक खान आदि उपस्थित थे।

समापन

कोरोमिया में कुडुख समाज की ओर से बालक बालिका हॉकी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

खेल के क्षेत्र में युवाओं के लिए सुनहरा भविष्य : संदेश एक्का

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। ठेठईटांगर के कोरोमिया में कुडुख समाज की ओर से दो दिवसीय बालक बालिका हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतियोगिता का समापन शनिवार को किया गया इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में झारखंड पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का उपस्थित रहे। इस दौरान सर्वप्रथम कुरुख समाज की आयोजन समिति द्वारा संदेश एक्का का स्वागत करते हुए कार्यक्रम स्थल तक ले जाया गया जिसके बाद उनका स्वागत बैच पहनाकर किया। प्रतियोगिता में आसपास के दर्जनों बालक बालिका टीम के हॉकी खिलाड़ी शामिल हुए जहां पर बालिकाओं में महतो पाड़ा एवं महतो पाड़ा बी के बीच मुकाबला हुआ इस दौरान महतो पाड़ा ए की टीम ने बी टीम को दो गोल से पराजित करते हुए फाइनल का खिताब जीता। बालक वर्ग में महतो पाड़ा एफ बनाम लेटा बेड़ा के बीच में हुई इस दौरान लेटा बड़ा के टीम एक गोल से जीत दर्ज की।खेल से पूर्व युवा जिला अध्यक्ष सन्देश एक्का ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल को शुरू किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में खेल के माध्यम से लोग अपना भविष्य बना सकते हैं आज खेल के क्षेत्र में कई संभावनाएं उपलब्ध है जिसके माध्यम से लोग आगे बढ़ रहे हैं। सिमडेगा जिला हॉकी की नर्सरी के रूप में पूरे देश विदेश में जाना जाता है और यहां पर हॉकी खेल को सरकार विशेष बढ़ावा देती है और यहां की खिलाड़ी खेल के माध्यम से अपने हुनर को पूरे विश्व भर में परचम लहरा रहे हैं आप सभी खेल को खेल भावना के साथ खेलें क्योंकि खेल से शारीरिक मानसिक और आर्थिक विकास संभव है। उन्होंने कहा है कि इसी प्रकार आगे बेहतर खेलते हुए अपने जिले अपने राज्य और अपने देश का नाम रोशन करें और आने वाले दिनों में खेल के क्षेत्र में बुलंदियों को छुएं। इस दौरान विजेता एवं उपविजेता टीम को उन्होंने पुरस्कृत किया। मौके पर सुनील सुरीन, अमन खेस, अभिषेक विश्वास, संजय विश्वास, बाबूराम लकड़ा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष विजय लकड़ा, उपाध्यक्ष अन्थरेश टोप्पो, सचिव इलिसबेद तिर्की, फ्रिसकिला बाड़ा इसके अलावा समिति के सदस्य बृसयुस बाड़ा, मनीष दीपक लकड़ा, जीवन टोप्पो, बेनेदिक्त लकड़ा सहित समिति के सभी पदाधिकारी एवं अन्य लोगों की भूमिका रही।

पड़ोसी को देख कर यह तो जरूर सोचो कि वह तुमसे कितना ईमानदार है। तुम अपनी तुलना उससे जरूर करो, जो तुमसे ज्यादा ईमानदार है। एक दिन तुम उससे भी आगे निकल जाओगे।

NEWS इन ब्रीफ

नववर्ष से पहले सतबहिनी झरना में उमड़े सैलानी

कांडी। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सतबहिनी झरना तीर्थ में वर्ष के अंतिम दिन शनिवार को काफी संख्या में सैलानी पहुंचे।आज सभी पर्यटक अपनी अपनी वाहन से पूरे परिवार के साथ आये थे।सभी ने झरना में स्नानकर वहां पर स्थापित सभी मंदिरों में पूजा अर्चना किए।साथ ही अपने साथ लाये खाने की वस्तु को खाकर वर्ष की अंतिम दिन को विदाई दिए।आज पिकनिक मनाने वालो की संख्या बहुत कम थी।दो चार टोली ही पिकनिक मनाते देखे गए।जो भी सैलानी पहुंचे थे सभी फोटोग्राफी में ब्यस्त दिखे। उधर हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड की ओर से शनिवार को सतबहिनी झरना तीर्थ स्थल के तीन मंदिरों में पीतल का घण्टा लगाये गए।

सेवानिवृत रेंज ऑफिसर के पत्नी का निधन

कांडी। थाना क्षेत्र अंतर्गत घटहुआंकलां गांव निवासी सह सेवानिवृत रेंज ऑफिसर रामसुंदर चौबे की 82 वर्षीया पत्नी उर्मिला देवी की मौत हो गई। घटना शनिवार अहले सुबह की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वे मधुमेह की बीमारी से ग्रस्त थीं। घटना की सूचना पाकर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। शव को मृतका के उक्त सभी पुत्रों ने कंधा के सहारे मृत्युशय्या को कांडी-मझिआंव मुख्य सड़क स्थित संख्या मोड़ लेकर पहुंचे।संख्या मोड़ से वाहन से सोन नदी लाया गया। जहां अंतिम संस्कार किया गया। छोटा पुत्र ललित नारायण चौबे ने मुखाग्नि दी। वहीं मुखिया प्रतिनिधि अरुण कुमार राम व उपमुखिया संतोष कुमार गुप्ता सोन नदी में पहुंचकर शोक प्रकट किया।

बाइक दुर्घटना में दो युवक घायल

बालूमाथ। प्रखंड अंतर्गत बालुमाथ माहियातू पथ मे पिपराटोला के समीप दोकर ग्राम जाने के दौरान बाइक सवार दो युवक दुर्घटनाग्रस्त हो गए है। युवक की पहचान राजेश गंजू पिता विगन गंजू एवं शंभू गंझू पिता दर्शन गंजू ग्राम दोकर बालूमाथ निवासी हैं। घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार युवक बालूमाथ से निजी कार्य कर वापस घर दोकर गांव जा रहे थे कि इसी दौरान बाइक अनियंत्रित हो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को ग्रामीणों की सहायता से बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है।

कभी जाने से थे कतराते लोग, अब बेखौफ होकर आते हैं सैकड़ों सैलानी

धरधरिया जलप्रपात में उमड़ेंगे सैलानी

राहुल कौशल/किनेश साहू

सेन्हा (लोहरदगा)। यहां की सुंदरता पर कभी दाग लग गया था। लोग इस ओर जाने से भी कतराते थे, पर इस बार यहां नव वर्ष में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ेगी। सेन्हा प्रखंड का धरधरिया जलप्रपात लोगों का स्वागत करने को तैयार है। प्रखंड के अलौदी पंचायत अन्तर्गत घने जंगलों और पहाड़ से घीरे धरधरिया जल प्रपात की सुंदरता का दीदार करने को ले लोग आतुर हैं। तीन मई 2011 को यहां पर भाकपा माओवादी और पुलिस-सीआरपीएफ के बीच हुए मुठभेड़ में 11 जवानों की मौत हो गई थी। साथ ही 60 जवान गंभीर रूप से घायल हुए थे। माओवादियों ने सीरिज लैंड माइंस विस्फोट कर पुलिस और सीआरपीएफ को भारी नुकसान पहुंचाया था। इसके बाद से यहां लोगों का पहुंचना लगभग बंद हो गया था। इस साल कई बड़े माओवादी नेताओं के आत्मसमर्पण और कई की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में माओवादियों का सफाया हो गया। जिससे क्षेत्र में फिर एक बाद लोगों का पहुंचना शुरू हो गया है।

अलौदी पंचायत अंतर्गत घने जंगलों और पहाड़ से घिरा है जलप्रपात

पांच सौ फिट ऊपर से गिरता है पानी

धरधरिया जल प्रपात की खासियत यह है कि यहां पांच सौ फिट की उंचाई से पानी गिरता है। जो लोगों को मोहित कर देता है। पहाड़ की उंचाई से गिरता पानी और आस-पास का वातारण यहां की सुंदरता को और भी बढ़ा देता है। आसपास के लोगों के अलावे सेन्हा, घाघरा, लोहरदगा आदि क्षेत्रों से भी लोग धधरिया जल प्रपात की सुंदरता को निहारने को पहुंचते हैं। कच्चे रास्ते, पहाड़ और पहाड़ की उंचाई से गिरकर पत्थरों से पानी के टकराने की आवाज लोगों को यहां रूकने को विवश करती है। लोगों के लिए धधरिया जलप्रपात का दीदार एक अलग ही अनुभव का अहसास कराता है। पानी की बुंदें यहां मौसम को सर्द बनाती है, जैसे यहां का वातावरण अलग ही बन जाता है। लोगों को आसपास का वातावरण कांपने को मजबूर कर देता है। धधरिया से आधा किलोमीटर दूर से ही मौसम में बदलाव महसूस होने लगता है।

कैसे पहुंचा जा सकता है धरधरिया तक

जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर और प्रखंड मुख्यालय से छह किलोमीटर की दूरी पर प्राकृतिक सौंदर्य का अवलोकन करने को मिलता है। धरधरिया तक पहुंचने को लेकर निजी वाहन का सहारा है। अरू और कंडरा चौक से पर्यटन स्थल धधररिया जलप्रपात तक जाया जा सकता है। अरू, चौकनी, चटकपुर होते हुए धरधरिया तक पहुंचा जा सकता है। वहीं इसके लिए दूसरा रास्ता कंडरा से बूटी, अलौदी, हेसवे, साके, उरु होते हुए धरधरिया तक पहुंचने का है। दो किलोमीटर का रास्ता कच्चा है। शेष दूरी पक्के रास्ते से तय की सकती है।

अवकाश तालिका को लेकर डीएसई ने शिक्षक संघ के साथ की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले के प्राथमिक/मध्य विद्यालयों हेतु नई अवकाश तालिका 2023 जारी किया गया। जिला शिक्षा अधीक्षक की अध्यक्षता में जिले के विभिन्न शिक्षक संघों के साथ अवकाश तालिका को लेकर बैठक आयोजित की गयी थी। अवकाश तालिका में उल्लेखित है कि मुस्लिम धर्मावलंबियों के लिए घोषित अवकाश चांद के दृष्टिगोचर होने के अनुसार परिवर्तित हों सकेंगे। किसी भी तरह की छुट्टी का परिवर्तन अधोहस्ताक्षरी के अनुमति के उपरांत ही संभव है। अवकाश कैलेंडर के अनुसार पूरे वर्ष में विद्यालयों में कुल 60 दिनों की अवकाश रहेगी। बैठक में झारखंड प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के मुमताज अहमद, राष्ट्रीय शैक्षणिक महासंघ के विनय कुमार, चोंहस उरांव, झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के एनमुल हक, अनुसूचित जाति जनजाति पदाधिकारी कर्मचारी शिक्षक संघ के अरुण राम, अखिल झारखंड शिक्षक संघ के मनी उरांव, शंभु शर्मा, सहायक अध्यापक शिक्षक संघ के लाल उमा शंकर शाहदेव आदि मौजूद थे।

संगीत शिक्षिका की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन

शिक्षक कभी रिटायर नहीं होतेः संजय

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कभी अलविदा न कहना....गीत प्रस्तुत कर संगीत शिक्षिका इंदिरा मिश्रा ने जवाहर नवोदय विद्यालय परिवार को सिसकने पर मजबूर कर दिया। मौका था, संगीत शिक्षिका इंदिरा मिश्रा की विदाई समारोह का, जिन्होंने देश के विभिन्न जवाहर नवोदय विद्यालयों में तकरीबन 33 वर्षों की निरंतर सेवा दी। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार सिंहा ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते। उन्होंने संगीत शिक्षिका इंदिरा मिश्रा की कर्तव्यनिष्ठा तथा उनके व्यक्तित्व की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संगीत शिक्षिका इंदिरा मिश्रा ने जनवि कोलेबिरा को एक बागबान की तरह सींचने का कार्य किया है, उनके योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकेगा। इस

अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से संगीत शिक्षिका को मोमेंटो, शॉल, ब्रीफकेस आदि से सम्मानित किया गया। संगीत शिक्षिका ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी शिक्षक का धन उसका विद्यार्थी होता है। इस मौके पर विद्यालय के पूर्व छात्रों का तांता लगा रहा। सभी विद्यार्थियों ने नम आंखों से अपनी प्रिय शिक्षिका को विदा किया। संगीत शिक्षिका इंदिरा मिश्रा ने भी विदाई के अंतिम क्षण में सजल नेत्रों से विद्यार्थियों को ढांढस बंधाया। इस अवसर पर सुनील कुमार सिंह, रामायण पासवान, नमिता कुमारी, दीपांकर हल्दर, दीप्ति यादव, सीमा लोध, संतोष कुमार सहित सभी कर्मचारियों ने संगीत शिक्षिका के उज्ज्वल भविष्य तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

73 वें वन महोत्सव पर हुआ पौधरोपण

जामताड़ा । वन प्रमंडल जामताड़ा की पहल पर शनिवार को जिले के नारायणपुर प्रखंड के रघुनाथपुर गांव के विस्तृत भू-भाग पर पौधरोपण किया गया । 73 वां वन महोत्सव के अवसर पर उपस्थित विधायक इरफान अंसारी , वन प्रमंडल पदाधिकारी अजिंक्य वंकर देवीदास , पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियरी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने पौधरोपण किया और स्थानीय लोगों से पौधों को बचाने के लिए प्रेरित किया ताकि पौधे वृक्ष का आकार ले सकें । वक्ताओं ने कहा कि की पौधों के साथ-साथ वन्य जीवों का संरक्षण भी जरूरी है तभी हमारा पर्यावरण संरक्षित रह सकेगा। आज हमें प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है । ग्लोबल वार्मिंग प्राकृतिक आपदा एवं जलवायु परिवर्तन को संतुलित रखने के लिए वृक्षों का होना जरूरी है। वृक्ष रहेंगे तभी हमारा जीवन सुरक्षित रह सकेगा।

कैरो में एक दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन

नवाटोली को हराकर विजेता बना हुरहुरि

नवीन मेल संवाददाता

कैरो / लोहरदगा। प्रखण्ड के चाल्हो खेल मैदान में शनिवार को पाकीजा क्लब चाल्हो के द्वारा एक दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 8 टीम भाग लिए। खेल का उद्घाटन गजनी मुखीया सुमन उरांव, पंचायत समिति सदस्य सुनीता लकड़ा, जेएमएम के केंद्रीय समिति सदस्य समीद अंसारी के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व सनराइज हॉस्पिटल लोहरदगा के द्वारा उपलब्ध कराए गए जर्सी का वितरण कर किया।

खेल भावना से खेले खिलाड़ी

मौके पर अतिथियों ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलें खेल में हार जीत लगी रहती है। खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारते रहना चाहिये। फाइनल मुकाबला कैरो नवाटोली और हुरहुरि के बीच खेला गया। जिसमें तीन सीटों के मुकाबले में हुरहुरि की टीम ने कैरो नवाटोली को 2-1 से हराकर विजेता बना। विजेता उप विजेता व अन्य टीमो को मुख्य अतिथियों द्वारा नकद व शील्ड देकर प्रोत्साहित किया गया। मौके पर एएसआई धर्मेंद्र कुमार सिंह,मुबारक हुसैन, अलीरजा अंसारी,अख्तर अंसारी, चन्द्रदेव उरांव, शहीद अंसारी,हरण लकड़ा, तेजा उरांव, राम प्रताप साहू, कालीचरण साहू, कुंवर मुंडा, रुस्तम अंसारी, सन्तनु राम तुरी, मौलाना महबूब,आयोजन समिति के अध्यक्ष रिजवान अंसारी,पंकज साहू आदि उपस्थित थे।

शहरी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर व पॉली क्लिनिक का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। नगर परिषद की नई पहल नगर नगर वासियों को स्वास्थ सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 15वें वित्त आयोग के तहत शहरी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर एवं पॉली क्लिनिक (पतराटोली, वार्ड संख्या 5) का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी, लोहरदगा अरविंद कुमार लाल के द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य रुप से कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद लोहरदगा देवेंद्र कुमार, सिविल सर्जनडॉ एसके सुबोध, लोहरदगा स्थानीय वार्ड पार्षद कमला देवी, सुगो देवी ,अलीमुद्दीन कुरैशी, अब्दुल वारिस नगर प्रबंधक विजय कुमार एवं अनिल उरांव, सदर अस्पताल के कर्मी एवं नगर परिषद के कर्मी आदि उपस्थित थे। मौके पर कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद के द्वारा अपील की गई है की इस संस्था में डॉक्टर पूरी टीम के साथ मुस्तैद रहेंगे इसलिए इसके आसपास नगरवासी ही नहीं इर्द गिर्द गांव जैसे मनहो ओएना बामुंडीहा आदि क्षेत्रों का नजदीक का केंद्र है वह अपने नियमित जांच के अलावा अन्य स्वास्थ सुविधा लाभ ले सकते हैं।

पीएम टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत मरीजों के बीच बांटे पोषण कीट

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मरीजों को समुदाय मदद कार्यक्रम के तहत जिला में चिन्हित यक्ष्मा मरीजों को पोषण आहार वितरण की जा रही है। इसी के साथ शनिवार को पाकरटांड के कैरबेड़ा में सिविल सर्जन डॉ नवल कुमार जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ पीपी शाह द्वारा पांच मरीज जिसमें फिरु लोहरा ,जीवन्ति कीड़ो,लेव एक्का, कीर्ति किरण मिंज,ठुरकी देवी के बीच पहली मासिक पोषण कीट की वितरण किया बताया गया।। उक्त कीट के अंदर आटा चावल 3 किलो दाल 2 किलो खाद्य तेल 250 ग्राम दूध पाउडर 1 किलो

पोषण की कमी ना हो : सीएस डॉ नवल

सीएस डॉक्टर नवल कुमार ने कहा कि यक्ष्मा मरीजों को स्वास्थ्य करने के लिए लगातार यह कदम उठाया जा रहा है ताकि उन्हें पोषण की कमी ना हो। हमारा उद्देश्य है कि जिला को टीबी मुक्त बनाया जाए और इसी उद्देश्य के साथ कार्य किया जा रहा है। यक्ष्मा पदाधिकारी ने भी मरीजों को जागरुक करते हुए कहा कोई मरीज से भेदभाव ना हो उन्हें समय पर दवा खिलाया जाए ताकि वह जल्द से जल्द स्वस्थ हो सके उनका स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयास कर रहा है। सभी मरीजों का पहचान कर उन्हें ठीक करें। मौके पर मुख्य रूप से रोज कंचन कुल्लू सीएचओ, संतोष कुमार पंडा और देवेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

सैलानियों को लुभा रहा साठकोठा का मनोरम दृश्य

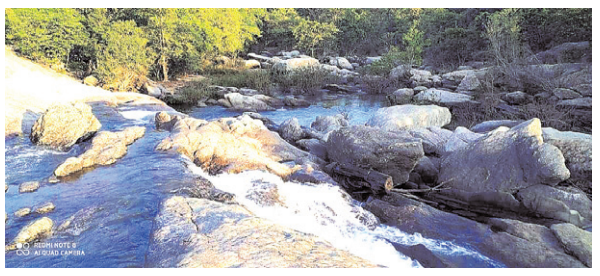

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। प्रखंड के कोनमेरला पंचायत के खरवागढा गांव सन्निकट स्थित पर्यटन सह पिकनिक स्थल सातकोठा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक जनवरी को मेला का आयोजन किया गया है। सातकोठा में पिकनिक मनाने वालों के साथ मेला का भी आयोजन किया जाएगा। मेला के सफलतम आयोजन के लिए एक समिति का गठन भी ग्रामीणों ने किया है। जिसकी तैयारियां भी पुरी कर ली गई है। मालूम रहे कि जलडेगा प्रखंड का एक मात्र पर्यटन स्थल सातकोठा है। यह स्थल जंगलों एवं पहाड़ों के बीच लुडगी नदी पर स्थित है। सातकोठा में सात कुंड स्थित है। जिसमें लुडगी नदी से बह रही जलधारा सातो कुंडों से होकर गुजरती है, जो काफी मनमोहक दृश्य होता है। जो लोगो को स्वत अपनी ओर आकर्षित करती है। सातकोठा जाने के लिए जलडेगा सिमडेगा मुख्य पथ के लाडो चौक तथा मनोहर डाउन के बीच से स्थित कच्ची सड़क है। जिससे खरवागढा गांव जाकर सातकोठा जाया जा सकता है।

क्षेत्र का सर्वांगीण विकास मेरी प्राथमिकता : विजया

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत क्षेत्र के सभी वार्डो में विद्युत युक्त लाइट के अधिष्ठापन का शुभारंभ हो गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष विजया लक्ष्मी देवी ने वार्ड नम्बर एक से पांच में विद्युत युक्त लाइट अधिष्ठापन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र का सर्वांगीण विकास मेरी प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र को सजाने संवारने की दिशा में मैं लगातार प्रयासरत हूं। उन्होंने कहा कि सभी वार्डो के विभिन्न चौक चौराहों तथा गली मुहल्लों में लाइट लग जाने से लोगो को आवागमन में सुगमता के साथ साथ वार्डवासियों को काफी सहूलियत होगी। चुनाव के दौरान किये गये

एक एक वायदे को बोर्ड की बैठक में पारित कराकर धरातल पर उतारने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही हूं। सभी वार्डो में छोटा बड़ा पीसीसी पथ,नाली,श्मशान सेड, वार्ड विकास केंद्र व पार्क का निर्माण कराया जायेगा। मौके पर वार्ड पार्षद रंजन कुमार छोटू,कनीय अभियंता उदय शंकर, राजकुमार, नौशाद अली सहित अन्य वार्डवासी उपस्थित थे।

दर्दनाक बाइक की टक्कर से सड़क पर गिरा जवान

बस से कुचलकर एक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा । गढ़वा जिला अंतर्गत गढ़वा-मझिआंव पथ पर खजुरी गांव के समीप बाजुडीह मोड़ पर शनिवार को दो मोटरसाइकिल की टक्कर के बाद एक वाहन से कूचलकर एक पुलिस के जवान की मौत हो गयी, जबकि दो अन्य युवक घायल हो गये। मृतक जवान का नाम अशोक राम (35 वर्ष) बताया गया। वह पलामू जिला के उंटारी थाना के चेचरिया गांव निवासी स्वर्गीय सरयू राम का पुत्र था। इस समय वह नगरउंटारी अनुमंडलीय न्यायालय में ड्यूटी में था, जबकि घायलों में पलामू जिला के पांडू थाना के मुसीखाप गांव निवासी

कमलेश शर्मा और रंजीत शर्मा के नाम शामिल है। घटना के संबंध में बताया गया कि अशोक राम अपने घर से सुबह में ड्यूटी के लिये अपनी बाइक (JH03अ-ए2732) से निकला था. जबकि घायल कमलेश शर्मा और रंजीत शर्मा गढ़वा से अपने घर जा रहे थे। बाजुडीह मोड़ पर पहुंचने पर दोनों की बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गयी। इस दुर्घटना में दोनों बाइक सवार दो तरफ जमीन पर गिर गये। इसी दौरान हरिहरगंज की ओर से महाराणा बस (जेएच03द-8720) आ रही थी। बस भी काफी तेज गति में थी। घटनास्थल पर अचानक बस नियंत्रित नहीं हो सकी और बस के नीचले पहिये के नीचे पुलिस का जवान अशोक राम आ गया और उसी पर पहिया चढ़ गया। इससे घटनास्थल पर ही उसकी हृदयविदारक तरीके से मौत हो गयी। एक्सीडेंट होते ही घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने 108 पर फोन पर एम्बुलेंस को तत्काल बुलाया और दोनों घायलों को गढ़वा सदर अस्पताल भेजा। खबर मिलते ही मझिआंव थाना प्रभारी कमलेश कुमार महतो भी घटनास्थल पर पहुंचे और मृतक के शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया।

फसल में लगी आग, हजारों का नुकसान, मुआवजे की मांग

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। मुख्यालय क्षेत्र के तिगावल गांव में किसान के धान की 9 गांज में आग लग जाने से अनुमानित राशि लगभग 25000 का भारी नुकसान हुआ। मामले की सूचना मिलते ही दिन शनिवार की सुबह ही मौके पर पहुंचकर जिला परिषद सदस्य मेरी लाकड़ा ने पीड़ित किसान से मुलाकात कर हुई नुकसान की जानकारी ली।

क्या कहते है पीड़ित किसान विक्रम भगत

वहीं किसान विक्रम भगत ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि वह अपनी फसल को काट कर उसकी मिसाई के लिये अपने खलीहान में रखा था मिसाई शुरू ही की थी कि दिन शुक्रवार को वह घर खाना खाने के लिये घर गया हुआ था। तभी अचानक ग्रामीणों ने उसके द्वारा रखे गए धान की गांज में अचानक से आग लग जाने की जानकारी दी, वहीं सूचना पाकर वह अपने खलिहान की ओर भागते गया। तब तक उसके गांज में आग पूरी तरह लग चुकी थी। आनन-फानन में तुरंत ग्रामीणों की मदद से से वह आग बुझाने का प्रयास किया, पर देखते हीं देखते उसके सभी गांज में आग पूरी तरह फैल चुकी थी। वही किसान ने कहा कि धान की गांज में आग लगने से मुझे काफी नुकसान हुआ है। उसने जीप सदस्य मेरी लकड़ा एवं प्रशासन से हुए भारी नुकसान की मुआवजे की मांग की है।

कैलकुलेशन करके दुनिया नहीं चलती। कोई सही कैलकुलेशन बता भी नहीं सकता। तुम अपने हिस्से का काम लगातार करते चलो। सब बढ़िया होते जाएगा। पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं।

एक नजर इधर भी

गलती से गलती करने तक

इससे पहले कि निर्माता की बात पूरी होती भजनखबरी खाँस उठा। उसने तुरंत सॉरी बोलकर पल्ला झाड़ना चाहा। लेकिन अब उसका बच पाना मुश्किल था। निर्माता ने डाँटते हुए कहा - तुम्हें शर्म नहीं आती, कि इतना बोलने के बाद फिर से सॉरी बोलने की हिमाकत करते हो। तुम्हारी मैं ऐसी खबर लूंगा कि अगली बार सॉरी कहने के लायक भी नहीं बचोगे। एक बात बताओ तुम पेट के लिए खाना खाते हो कि.... निर्माता की बाढ़ग्रस्त गाली-गलौच से बचने के लिए उसने कहा - साहब! अब आपको क्या बतायें। माता-पिता के गुण आए कि नहीं यह तो मुझे ठीक से पता नहीं। लेकिन इतना जरूर कह सकता हूँ कि मेरे शरीर में एक गुणसूत्र सॉरी का है। इसीलिए मैं हर छोटी सी गलती के लिए सॉरी का जपमाला लिये जपना आरंभ कर देता हूँ। इसलिए मुझे माफ कर दीजिये। सॉरी। अब तक सेक्रेटरी से परेशान निर्माता भजनखबरी की बातों पर बाल नोचने लगा। उसे लगा आजकल की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति जल्दी में रहता है और दूसरों से आगे निकलने का प्रयास करता है। इस दौरान न जाने उसने कितनों को कई बार धक्का दिया होगा, नुकसान पहुंचाया होगा, मगर हर बार वह उसे सॉरी बोलकर और अपनी गल्तियों को नजरअंदाज कर आगे निकलने का जो प्रयास करता है, वह कभी देश की तरक्की में हाथ बंठाने वाला नहीं है। ये माफी..माफी नहीं गल्तियों का लीडर है। यह शब्द जात-पात, ऊँच-नीच, भाषा-संप्रदाय से कहीं आगे है। जिसके आगे दुनिया हाथ जोड़े खड़ी है। ठीक से देखा जाए तो सॉरी रावण है। एक सॉरी वाला सिर काटने पर एक और सिर आ जाता है। सिर के बार-बार कटने के बीच मॉफी सामने वाले पर ऐसा हँसता है कि मानो कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यदि राम के हाथों मरने वाला रावण एक बार के लिए सॉरी का सेफ्टी कवच पहन लिया होता तो वह मरने के बजाए सॉरी का प्रोफेसर बन बैठा होता।

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

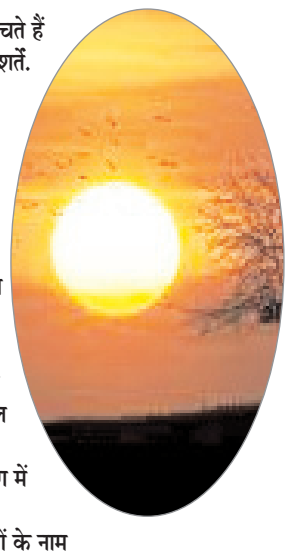

**जो रचते हैं जीवन, रचते हैं जीवन की बुनियादी शर्तें.
नया साल
उन सर्जक हाथों के नाम
उन शिल्पियों के नाम
जिनकी सपनों कल्पनाओं को मिला है दण्ड और निर्वासन
छीन ली गई है जिनकी भाषा
और जिनकी स्मृतियाँ
उनकी मेहनत के फल के साथ
प्रभा की पहली किरण में
नया वर्ष.....
उनकी मुक्ति के सपनों के नाम
संघर्ष के संकल्पो के नाम
सृजन की योजनाओं के नाम!
आपका सपना साकार हो**

पलामू ने तय कर लिया 131 वर्षों का सफर

132वां स्थापना दिवस आज मना रहा है

अमरनाथ सोनी

मेदिनीनगर। पलामू जिला एक जनवरी को अपनी 132वीं स्थापना दिवस समारोह मनायेगा। इस मौके पर कोरोना के प्रभाव को देखते हुए दीन दयाल स्मृति नगर भवन में जिला प्रशासन के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। बताते चलें कि 19वीं सदी के अंतिम दशक के शुरूआती साल में तत्कालीन सरकार द्वारा 30 अक्टूबर 1891 को पलामू जिला के गठन की अधिसूचना जारी की गई और 31 दिसम्बर 1891 से पलामू एक स्वतंत्र जिला के रूप में अस्तित्व में आया। तब डालटनगंज जिला मुख्यालय बना। 31 दिसम्बर 2022 को पलामू जिला का 131 सालों का सफर पूरा हुआ। वर्ष 1892 में पलामू जिला की स्थापना हुई थी। लेकिन 131 वर्ष बाद भी पलामू का अपेक्षित विकास नहीं हो सका है जितना जिस गति से पलामू का विकास होना चाहिए था वह नहीं हो सका है। पलामू अकाल एवं सुखाड़ के नाम से आज भी जाना जाता है। मजदूरों का पलायन अभी जारी है। गरीबी, भुखमरी, कुपोषण इस जिले के पहचान बन चुकी है। इस जिले में अनेको वृहत सिंचाई योजना के अलावे 50 हजार सिंचाई कुप, 10 हजार नदी नाले से सिंचाई की व्यवस्था, 300 से अधिक लिफ्ट एरिगेशन, दो हजार से अधिक तालाब से सिंचाई की व्यवस्था है, लेकिन एक भी कारगर नहीं है।

सुखाड़ और उग्रवाद प्रभावित होने का दंश झेल रहा पलामू : पलामू जिला 31 दिसंबर को अपनी स्थापना के 131 वर्ष का सफर पूरा कर 132 वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है लेकिन देश के चिन्हित 115 जिले जिसमें अति उग्रवाद प्रभावित है। उसमें 35 जिले शामिल है इस जिले में एक पलामू जिला भी है। 131 वर्षों के बाद भी पलामू अभी तक उग्रवाद प्रभावित होने का दंश झेल रहा है । नीति आयोग ने 2022 तक पलामू सहित सभी 115 जिलों में स्वास्थ्य एवं पोषण ,शिक्षा ,बुनियादी संरचना ,वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और कृषि पर फोकस करते हुए बड़ा परिवर्तन लाने का लक्ष्य रखा गया था । जहां पहले के तुलना में पलामू में कम उग्रवाद का असर दिखा है। कई हार्डकोर नक्सली को गिरफ्तार किया गया तो कई नक्सलियों को सफाया भी किया गया। प्रशासन के बेहतर रणनीति के कारण पलामू में उग्रवाद का असर पहले से कुछ कम हो हुआ है लेकिन पूर्ण रूप से समाप्त होने पर ही पलामू में खुसी के दीप जलेंगे।

कई योजनाओं का किया गया शुरूआत : पलामू के विकास के लिए राज्य और केंद्र सरकार के द्वारा कई योजनाओं का शिलान्यास इस वर्ष किया गया। जिसमें हर घर को नल से जोड़ने की योजनाओं पर भी काम किया गया । कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सभी व्यक्तियो का वैक्सीनेशन का कार्य भी, पोषाहार वितरण कार्यक्रम और स्वास्थ्य सुविधाएं को बेहतर बनाने के लिए केंद्र और राज्य की योजनाओं का भी किर्यान्वयन इस वर्ष किया गया। राज्य सरकार के द्वारा आपके अधिकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से कई योजनाएं धरातल पर उतारी गई। पलामू में भी कई योजनाओं का शिलान्यास किया गया।

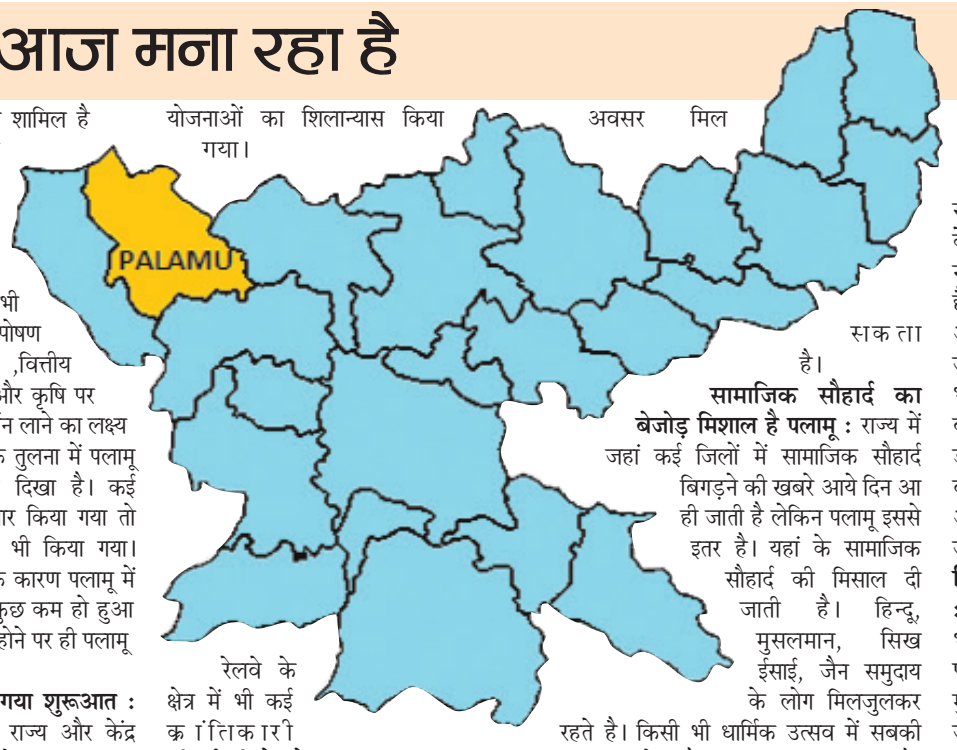

रेलवे के क्षेत्र में भी कई क्रांतिकारी परिवर्तन किये गये।

पलामू को पर्यटन स्थल में विकसित करने का अवसर : पालमू वासियो के लिए नया साल कुछ बेहतर सौगात लेकर आ सकता है जिसमे पलामू प्रमंडल में पर्यटन का अवसर विकसित हो सकता है। वैसे अभी भी साल में हजारों पर्यटक यहां के प्राकृतिक वादियों में छुट्टी मनाने आते है। स्थानीय शहर में शाहपुर किला, बंदुआ मंदिर, सेमरताड़ ,चियांकी पहाड़, चैनपुर किला,अमानत नदी तट,को यदि बेहतर ढंग से विकसित किया जाए तो यहां भी पर्यटन का अवसर मिल सकता है।

सामाजिक सौहार्द का बेजोड़ मिशाल है पलामू : राज्य में जहां कई जिलों में सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की खबरे आये दिन आ ही जाती है लेकिन पलामू इससे इतर है। यहां के सामाजिक सौहार्द की मिसाल दी जाती है। हिन्दू, मुसलमान, सिख ईसाई, जैन समुदाय के लोग मिलजुलकर रहते है। किसी भी धार्मिक उत्सव में सबकी भागीदारी होती है। पलामू का रामनवमी और मुहर्रम इसके बेहतरीन उदाहरण है। जहां दोनों समुदाय के मिले बैगर संभव ही नही है। वही ,सिख और जैन समुदाय के सभी उत्सवों पर भी सबकी भागीदारी रहती ही है। आजादी के बाद आज तक पलामू में सामाजिक सौहार्द को लेकर कोई भी अप्रिय घटना नही हुई है जो आज के समय मे बहुत बड़ी बात है।

निगम चुनाव में दिखेगा लोकतंत्र की शक्ति : इस बार पलामू में दूसरी बार नगर निकाय की चुनाव होने जा रही है। जिसमे पलामू के लगभग 2 लाख लोग मतदान करेंगे। लोकतंत्र की शक्ति का शानदार रूप देखने को मिलेगा। शहर के विकास को लेकर अलग अलग रणनीति और योजना को लेकर प्रत्याशी लोगो के बीच जा रहे है। फरवरी या मार्च महीने में नगर निकाय चुनाव होने की संभावना भी बनी है। पिछले बार निकाय के चुनाव में मेयर अरुणा शंकर और डिप्टी मेयर मंगल सिंह की जीत हुई। निगम के द्वारा कई महत्वपूर्ण कार्य भी किये गये। शहर को सजाया गया,पार्क बनाया गया। कोयल नदी के तट पर मरीन ड्राइव का निर्माण किया गया, सड़के बनाई गई, वही कई योजनाओं पर कार्य चल रहा है। अब आने वाले समय मे जनता का मत किसके साथ जाता है ये देखना दिलचस्प होगा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ रहा पलामू : जहां पहले पलामू को शिक्षा के क्षेत्र में भी पिछड़ा माना जाता था। लेकिन अब पलामू भी शिक्षा के क्षेत्र में अपना अलग मुकाम बना रहा है। पालमु आयुक्त जटाशंकर चौधरी के नेतृत्व में पलामू में शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ा है। स्थानीय पुस्तकालय को नये रूप में बदला गया है। जिला स्कूल के हॉल में प्रतियोगिता परीक्षा के लिए तैयारी कराई जा रही है। कई शिक्षण संस्थान खुल गये, प्रतियोगिता परीक्षा के लिए पुस्तके उपलब्ध हो गई है। अब पलामू से भी उच्च स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता यहां के विद्यार्थियों को मिल रहा है। रेलवे ,शिक्षक, पुलिस ,सेना, बैंक, जैसे क्षेत्रों में यहां के विद्यार्थियों के द्वारा परचम लहराया जा रहा है।

चलें- नया झारखंड बनाने की ओर : 2023 संकल्प का वर्ष हो

मेदिनीनगर। जो हुआ जो नहीं हो सका 2022 में , उसे पूरा करना है 2023 में। झारखंड को विकास के पथ पर ले जाने के लिए हम सब को इन बातों पर ध्यान देना आवश्यक है।

- **टूरिज्म में फोकस**
- **टूरिज्म व प्रोड्क्टस**
- **लॉ एण्ड ऑडर**
- **सुविधा बहाल हो**
- **बेहतर शिक्षण संस्थान**
- **स्किल डेवलपमेंट**
- **एनजीओ की भूमिका तय हो**
- **सियासी भाई भतीजा वाद बंद हो**
- **निवेश लाने की तैयारी**
- **आदिवासियों का ध्यान**
- **युवाओं को सरकार के साथ आना होगा:** नये साल में राज्य के युवाओं को सरकार के साथ आना होगा।

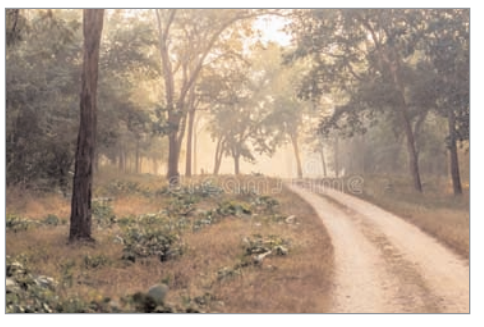

सरकार के बीते तीन सालों में युवाओं के साथ बहुत नाइंसाफी हुई है। राज्य में दो आयोग रोजगार देने के लिए सैदव तैयार बैठा रहता है लेकिन सरकार के नीतिओ के कारण आयोग बस मूकदर्शक बनकर बैठा हुआ है। सत्ता में आने से पहले सरकार ने युवाओ के सामने कई धोषणा किये। युवाओं ने साथ भी दिया लेकिन युवाओ को अभी तक कुछ नही मिला। बेरोजगारी भत्ता तो दूर की कौड़ी बन गई ,नियोजन के तो राज्य में लाले पड़ गए। लेकिन खेल के क्षेत्र में युवाओ को मौका मिला हैं। राज्य गठन के बाद खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति हुई।वही,आदिवासियों के हित के लिए भी सरकार आगे आई और विदेश में पढ़ाई करने के लिए जयपाल सिंह स्कोलरशिप के तहत विदेश भी भेजा गया। तमाम चीजों को देखते हुए सरकार के बचे 2 सालो में युवाओ को सरकार का साथ देना होगा वही सरकार को भी चाहिए कि युवाओ के साथ खड़े रहे।

जंगल व जल-विहार से होगा नवस्फूर्ति का संचार

कतर्नियाघाट वन भारत में दुधवा और किशनपुर के बाघ के निवास और नेपाल में बर्दिया राष्ट्रीय उद्यान के बीच सामरिक संपर्क प्रदान करता है। इसकी नाजुक तेराई पारिस्थितिकी तंत्र में सैल और सागौन के जंगलों, प्रचुर घास के मैदानों, कई दलदलों और नलिकाओं का मोजेक शामिल है। नववर्ष में नवचेतना के विस्तार के लिए कतर्नियाघाट वन्य प्राणी संरक्षित क्षेत्र और यहां के आसपास की रमणीक व नयनाभिराम छंटाओं का अवलोकन अवश्य कीजिए। यहां के जंगल और जल विहार से, बेजोड़ अनुपम, अप्रतिम प्राकृतिक सौंदर्य से आप में नवउमंग, नवउल्लास और नवस्फूर्ति का संचार होगा। जब आप प्रकृति से सहचर्य और सामंजस्य स्थापित कर लेंगे तो तन-मन को असीम शांति और ऊर्जा मिलेगी।

गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अवस्थित बहराइच जनपद, उत्तरप्रदेश के सबसे पुराने जनपदों में से एक है। जहां पड़ोसी और मित्र देश नेपाल से सटे भारतीय भू-भाग में अवस्थित बड़े और घने जंगल, जिनके एक बड़े हिस्से पर कतर्नियाघाट अभ्यारण्य क्षेत्र अवस्थित है, में वन आखेट यानी जंगल सफारी और समीप में ही बहने वाली घाघरा (गेरूआ और कणार्ली नामक नेपाल से आने वाली नदियों के सम्मिलन से बनी) और सरयू नदियों एवं इन पर बने आधुनिक बैराज में जल आखेट यानी जल विहार या जल सफारी के उपलब्ध संसाधन आपको जैव विविधताओं का दीदार करवाते हुए आनंदित कर देंगे। मेरी राय है कि इनके बारे में जानना, समझना और लोगों को समझाने का प्रयत्न करके इन्हें प्राकृतिक रूप से संरक्षित रखने का प्रयास करना हरेक प्रबुद्ध व्यक्ति का मानव धर्म है। प्राणिमात्र के प्रति अद्भुत संकल्प है। क्योंकि यह विकसित प्रवृति ही दुनियामात्र की सतत जारी सेवा में किसी अंशमात्र योगदान जैसा ही सही, पर निश्चय ही होगा। इससे आपके चिंतन, मनन और दर्शन की अवधारणा का भी समग्र विकास होगा। इससे देर सबेर पूरी मानवता अनुप्राणित होगी। बताते चलें कि कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य उत्तर प्रदेश, भारत में ऊपरी गंगा के मैदान में एक संरक्षित क्षेत्र है और बहराइच जिले के तेराई में 400.62 किमी (154.7 वर्ग मील) के एक क्षेत्र शामिल हैं। वर्ष 1987 में, इसे ह्यप्रोजेक्ट टाइगरह्ल के दायरे के तहत लाया गया था, और किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य और दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के साथ यह दुधवा टाइगर रिजर्व का निर्माण करता है। यह 1975 में स्थापित किया गया था।

कतर्नियाघाट वन भारत में दुधवा और किशनपुर के बाघ के निवास और नेपाल में बर्दिया राष्ट्रीय उद्यान के बीच सामरिक संपर्क प्रदान करता है। इसकी नाजुक तेराई पारिस्थितिकी तंत्र में सैल और सागौन के जंगलों, प्रचुर घास के मैदानों, कई दलदलों और नलिकाओं का मोजेक शामिल है। यह कई लुप्तप्राय प्रजातियों का घर है, जिनमें घिरील, शेर, गेंदे, गंगा के डॉल्फिन, दलदल हिरण, हेपीड खरगोश, बंगाल फ्लोरिकन, सफेद बैकड और लंबे समय से बिल गिल्ट आदि शामिल हैं। गहरील को अपनी प्राकृतिक निवास स्थान में देखने के लिए दुनिया में सबसे अच्छे स्थानों में से एक गेरुआ नदी है, जहां यह मगरमच्छ के साथ सहानुभूति पूर्वक पाया जाता है। इस खंड में घनेलीस की आबादी उन तीन में से एक थी जो अब भी प्रजनन करते थे, जब इस सरीसृप को विलुप्त होने के कगार से बचाने के लिए प्रोजेक्ट को 1975 में शुरू किया गया था। हालांकि, 2001 और 2005 के वर्षों के बीच, लगभग सभी घरेलू घोंसले आदिवासियों द्वारा छापा मारा गया, जो उन्हें एक विनम्रता मानते हैं। वहीं, गेरुआ नदी में छोटी संख्या में मगर मगरमच्छ भी देखे जाते हैं, क्योंकि उनके पसंदीदा हंट स्थिर जंगलों हैं, जैसे कई तालों और बागारों, जो अभयारण्य को डॉट करता है। गहरे रंग की तरफ से तैरती तलहों की तरफ से गंगा डोलफि न को फुलते हुए देखा जा सकता है। वहीं, कतर्नियाघाट (अपभ्रंश नाम कटेरीयाघाट भी) के हेपेर्टाफाउना में हाल की खोज बहुत ही आकर्षक हैं और कई प्रजातियों जैसे कि बांड़े क्रेट, बर्मा रॉक अजगर, पीले धब्बेदार भेड़िया-सांप और स्वर्ग उड़ान सांप जैसे कई प्रजातियों के द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाता है। 2012 में, एक बहाल किया। वहीं, घाघरा नदी (तिब्बत/नेपाल की कणार्ली नदी) तिब्बत, नेपाल होते हुए भारत में बहने वाली एक नदी है। घाघरा के किनारे उत्तरप्रदेश के बहराइच और बाराबंकी जनपद के बसे हुए क्षेत्र को गांजर क्षेत्र भी कहा जाता है ऐसा माना जाता है कि यह क्षेत्र एक सांस्कृतिक रूप से और आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। यहां विभिन्न भाषाई और सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र है। यह बहराइच, सीतापुर, गोंडा, बाराबंकी, अयोध्या, टान्डा, राजे सुल्तानपुर, दोहरी घाट, बलिया आदि शहरों के क्षेत्रों से होकर गुजरती है। जहां जल विहार, चौर क्षेत्र व दियारा विहार की असीम संभावनाएं मौजूद हैं, जिन्हें पर्यटकीय दृष्टि से और अधिक समृद्ध किये जाने की जरूरत है। वहीं, सरयू नदी पर मोतीपुर तहसील (बहराइच जनपद) में बने गोपिया बैराज और उससे निकलने वाली नहरें भी आपको सम्मोहित कर लेंगी। इसलिए यदि आप इन चीजों में अभिरुचि रखते हैं। इन्हें बड़े ही करीब से देखना और समझना चाहते हैं तो 15 जून से 14 नवम्बर की वार्षिक बन्दी अवधि (जंगल सफारी/जल सफारी) को छोड़कर अवश्य आइये। शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन, दोनों मौसम आपको कुछ अलग अलग रमणीक अनुभव देंगे, ऐसा मैं अनुभव कर चुका हूं।

यहां पर कैसे पहुंचेंगे आप : हवाई मार्ग से यहां पहुंचने के लिए निकटतम हवाई अड्डा अमौसी, लखनऊ, (राजधानी, उत्तरप्रदेश) है, जहां से 215 किमी आगे जाने हेतु आपके पास रेल मार्ग या सड़क मार्ग का प्रयोग करना होगा। यदि आप ट्रेन द्वारा यहां जाना चाहेंगे तो कतर्नियाघाट अभयारण्य में रेलवे स्टेशन- ककरहा, मूर्तिहा, निशंगाराह और बिछिया में अवस्थित हैं, जो कि एनईआर के गोंडा-बहराइच शाखा रेलवे लाइन (मीटर गेज) पर स्थित हैं। कतार्नियाघाट गोंडा से भी हो कर जाया जा सकता है, जो कि लखनऊ से गोरखपुर तक की मुख्य रेलवे लाइन पर स्थित है। वहीं, यदि आप सड़क के द्वारा यहां जाना चाहेंगे तो कतर्नियाघाट अभयारण्य लखनऊ से 205 किमी की दूरी पर स्थित है, बहराइच से 60 किमी दूर नानपारा मार्ग पर और नेपाल बोर्डर से लगभग 7 किमी दूर है। कतर्नियाघाट जाने का सबसे अच्छा तरीका लखनऊ से सड़क होकर है। कतर्नियाघाट डब्लूएलएस की पहली श्रृंखला- मोतीपुर सीतापुर और लखनऊ के शहरों के माध्यम से लखनऊ से लगभग 205 किमी दूर है। लखीमपुर से आने पर मिहींपुरवा तक बहराइच की ओर ₹असम रोड₹ लेना पड़ता है, जहां एक वन विभाग का बैरियर कतर्नियाघाट में आने के लिए पड़ता है। इनसे यहां पहुंचना सुगम्य और सुदर्शनीय है।

- डॉ दिनेश चंद्र सिंह,

प्रकृति की गोद में गुजरेगा नया साल खूब होगी मस्ती

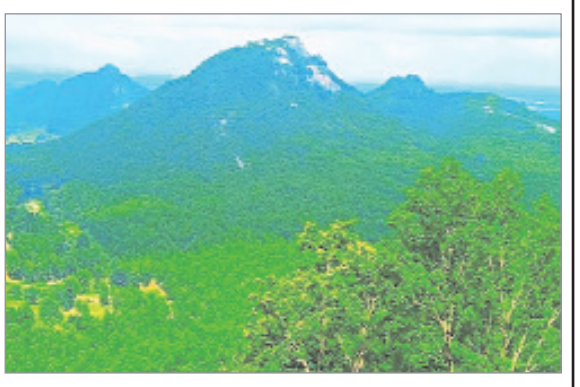

नये साल 2023 का पहला दिन। यह दिन खुशी का पल है। उत्साह और उमंग है। परिवार में खुशी। दोस्तों में उत्साह। बच्चों में हंसी ठिठौली। आज गुमला जिले के लोग प्रकृति की गोद में खाने, पीने और घूमने का पूरा मजा लेंगे। यूं कहा जाये, तो प्रकृति की गोद में साल का पहला दिन गुजरेगा। कोई परिवार के साथ, तो कोई अपने दोस्तों के साथ समय गुजारेंगे। गुमला जिले के सभी पिकनिक स्पॉट लोगों से गुलजार रहेगा। नये साल को देखते हुए जिले के पिकनिक स्पॉट भी सज-धजकर तैयार है।

गुमला जिले की सवा 10 लाख आबादी नववर्ष को लेकर उत्साहित है। कहीं नये पकवान बनेंगे, तो कोई रुखा-सूखा खाकर नये साल का स्वागत करेगा। गुमला में 50 से अधिक पिकनिक स्पॉट है। जहां लोग नववर्ष की खुशियां सपरिवार मनायेंगे। पग-पग पर हसीन वादियां। दक्षिणी कोयल और शंख नदी की इठला कर बहती जलधारा। ऊंचे पहाड़। घुमावदार रोड। घने जंगलों के बीच बसे गांव।

पहाड़ की चोटी पर सुंदर तालाब और हरे-भरे पेड़। कोयल की कुंहू। चिड़ियों की चहचहाहट। गुमला जिले को प्रकृति ने खुद संवारा है। यहां की नैसर्गिक वातावरण बरबस ही सैलानियों को खींच लाता है। नववर्ष में पूरा गुमला पर्यटक स्थलों पर नजर आता है। कहीं नागपुरी, तो कहीं फिल्मी, तो कहीं भोजपुरी फिल्मों की गीत पर युवक पहाड़ की कंदराओं, घने जंगल और नदियों के किनारे थिरकते नजर आयेंगे। गुमला में कई ऐसे पर्यटक स्थल है। जहां आसानी से घूमा जा सकता है। इसके लिए समय का ख्याल रखना जरूरी है। गुमला शहर से नजदीक के पर्यटक स्थल जैसे नागफेनी, पालकोट, बरिसा टोंगरी, आंजनधाम, सारू पहाड़, मरदा नदी में अपनी सुविधा के अनुसार पहुंचा जा सकता है।

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सौल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.) प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : **सुरेश बजाज,** संपादक : **हर्षवर्द्धन बजाज,** स्थानीय संपादक : **आनंद सिंह*, प्रेस कार्यालय** : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, **फोन नंबर :** 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, **रांची कार्यालय :** 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, **दिल्ली कार्यालय :** 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नयी दिल्ली-1, **ई-मेल :** rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

आज जो है, कल नहीं रहेगा क्योंकि जो कल था, वो आज नहीं है। कोई तुम्हारे बारे में क्या बोलता है, ये महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण ये है कि तुम दुनिया के बारे में क्या सोचते हो।

नववर्ष के स्वागत के लिए तैयार, बिहार का इकलौता रामसर साइट 'काबर पक्षी विहार'

एजेंसी। बेगूसराय

अंग्रेजी कैलेंडर के नये साल के स्वागत को लेकर पिकनिक स्पॉट एवं होटलों में विशेष तैयारी कर ली गई है। अंग्रेजी नववर्ष के स्वागत को लेकर यूं तो हर कोई उत्साहित है, लेकिन युवाओं में कुछ अधिक ही उत्साह तथा उन लोगों ने इसके लिए तैयारी कर ली है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा घोषित बिहार के एकलौते रामसर साइट, प्राकृतिक छटा से ओत-प्रोत एशिया में मीठे पानी के सबसे बड़े झील बेगूसराय में स्थित काबर झील पक्षी विहार एवं उसके मध्य स्थित शक्तिपीठ जयमंगलागढ़ नववर्ष में पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार हो चुका है। जयमंगलागढ़ में मंदिर के आसपास बाजार सज गए हैं।

काबर के मछुआरों ने अपने नाव को दर्शकों का काबर झील का सैर कराने के लिए तैयार कर लिया है। सरकारी उपेक्षा के बाद भी कांटों के बीच अतीत की यादें परोसती काबर झील प्रत्येक वर्ष एक जनवरी को पर्यटकों को लुभाती आ रही है। इस बार भी करीब दो लाख लोगों के आने का अनुमान है तथा प्रशासन तैयारी पूरी कर चुका है। रमणीक याद समेटे काबर झील पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों बरबस ही खींच लाती है।

झील में सूर्योदय के साथ कमल खिलना, मछलियों का तैरना, पेड़-पौधों और कलरव करते पक्षियों का झुंड, बंदरों के साथ हुड़दंग का मजा सब उठाना चाहते हैं। प्रकृति की अनुपम भेंट में संभावनाओं की प्रमाणिकता नववर्ष के अवसर पर पहुंचने वाली लाखों लोगों की भीड़ बयां करती आती है। प्रकृति की मनोरम छटा के बीच काबर की गोद में स्थित माता जयमंगला का मंदिर भी नए साल पर लोगों को बरबस खींच लाता है।

इसके संबंध में अनेकों किंवदंतियां है, सनातन धर्मावलंबी इसे सिद्धपीठ मानते हैं, तंत्रविद्या सिद्धि का भी यह उपयुक्त स्थली है। बौद्ध धर्मावलंबी इसे बौद्ध स्थल मानते हैं तथा बौद्ध साहित्य के अनुसार भगवान बुद्ध परिभ्रमण क्रम में यहां 22 घंटा विश्राम किया था। बगल में स्थित हरसाईं स्तूप भी इस प्रमाण को बल देता है। इतिहासवेत्ता इसे पालवंशियों का किला बताते हैं तथा इससे जुड़े नौलागढ़ में राजमहल, वीरपुर-बरैपुरा में शासन केन्द्र तथा जयमंगलागढ़ में धार्मिक केन्द्र कहते हैं। इन किवदंतियों की जिज्ञासा भी यहां पर्यटकों को लुभाती है।

काबर वन क्षेत्र में वनभोज का लुत्फ उठाने के लिए वर्ष के पहले दिन बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने का कारण है। काबर से जुड़ी संस्था काबर नेचर क्लब के संयोजक महेश भारती कहते हैं कि आज भी पर्यटक, झील में नौका विहार का आनंद उठाते के लिए बड़ी संख्या में आते हैं। बिहार का काबर पक्षी विहार अपनी जैव विविधताओं के लिए भी प्रसिद्ध रहा है। बिहार के बेगूसराय जिले में स्थित काबर झील का महत्व उसकी जैव विविधता को लेकर है। सरकार की उपेक्षा के कारण प्रकृति की सुंदर परिकल्पना पर ग्रहण लगा हुआ था।

इसी महत्व को लेकर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा काबर को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का प्रयास शुरू कर अंतरराष्ट्रीय संस्था रामसर साइट में शामिल किया गया है। काबर को बिहार का पहला और देश का 39 वां रामसर साइट घोषित करने के बाद अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल गया तथा यह चर्चा में आ गया। काबर में 165 से अधिक प्रकार के वनस्पतियों की प्रजातियां पाई जाती है, इसके अलावे 394 से भी अधिक प्रकार के जीवों का भी वासस्थल है। इनमें देसी और विदेशी 221 प्रजातियों की पक्षियां शामिल है।

पक्षियों का यही कलरव लोगों को आकर्षित करता रहा है तथा बड़ी संख्या में लोग नववर्ष का जश्न मनाने काबर आते रहे हैं। लेकिन रामसर साइट घोषित होने के बाद इसके प्रति लोगों का आकर्षण और बढ़ गया है। झील में जंगल-झाड़ अधिक हो जाने से लोग पूरे झील क्षेत्र में नौका-विहार का मजा नहीं ले पाते है। उपेक्षा के कारण प्रकृति की सुंदर परिकल्पना पर ग्रहण लगा हुआ है। फिलहाल प्रशासन ने नववर्ष के अवसर पर पहुंचने वाले पर्यटकों की भीड़ नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी की है।

NEWS इन ब्रीफ

देवरिया में सड़क हादसे में 8 घायल, एक की मौत, दो रेफर

देवरिया। सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र में अनियंत्रित बोलेरो पलटने से आठ घायल हो गए। घायलों के इलाज के लिए सलेमपुर में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने दो की हालत नाजुक देख गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया। एक को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जहां चिकित्सक ने चालक अज्ञात और राशिद की हालत नाजुक देख गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने इनशाद शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सोनभद्रः चाकू से गोद कर युवक की हत्या

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र के राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को एक युवक का रक्तरंजित शव मिलने से सनसनी फैल गयी। अपर पुलिस अधिक्षक विजय शंकर मिश्र ने बताया कि उत्तर मोहाल निवासी ब्रजेश देव पांडेय (35) रात में अपने घर में सोया था और आज सुबह उनका शव मिला। शव को देखने से लग रहा है कि युवक की हत्या गला रेत कर की गई हैं। आज सुबह परिजन सो कर उठे तो शव देख कर शोर मचाने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनो से घटना की जानकारी ली।

बलरामपुर में रिश्वत लेता लेखपाल गिरफ्तार

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश में बलरामपुर जिले के उतरौला तहसील इलाके में जमीन की पैमाइश के बदले पीड़ित से दस हजार रुपये की रिश्वत लेते लेखपाल को शनिवार को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक राजेश सक्सेना ने यूनीवार्ता को बताया कि भ्रष्टाचार निवारण संगठन की अयोध्या इकाई की टीम ने शिकायत मिलने पर उतरौला तहसील में तैनात राजस्व लेखपाल दिलीप कुमार यादव को फक्कड़ दास मंदिर के पास स्थित उसके मकान से रिश्वत लेते धर दबोचा।

सपा नेता रामशंकर यादव का निधन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष रामशंकर यादव का शनिवार सुबह निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। लखनऊ के कैंट स्थित आवास पर आज भोर उन्होने अंतिम सांस ली। उनका अन्तिम संस्कार दोपहर पिपरा घाट श्मशान घाट पर कर दिया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं नेता मौजूद रहे। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने श्री यादव के निधन पर गहरा शोक जताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

हरदोई में मिला युवती का शव

हरदोई। उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के टड़ियावां क्षेत्र में शनिवार को गन्ने के खेत में एक युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि टड़ियावां थाने के मुरादपुर गांव में राशिद के गन्ने के खेत में आज सुबह एक युवती का क्षत-विक्षत अवस्था में शव पड़ा मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। जंगली जानवरों ने शव को क्षत-विक्षत कर दिया था। पुलिस के मुताबिक शव पांच छह दिन पुराना प्रतीत रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि युवती के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसके शव को गन्ने के खेत में फेंका गया है। शव को पंचायत नामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस घटना को लेकर इलाके में जबर्दस्त गुस्सा है।

मुख्यमंत्री ने साल के आखिरी दिन 530 लोगों को दिया नियुक्ति पत्र

प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने की मेरी इच्छा नहीं : नीतीश कुमार

नवीन मेल नेटवर्क। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साल के आखिरी दिन 31 दिसम्बर को 530 लोगों को एक बार फिर से नियुक्ति पत्र दिया है। इसमें प्लस-टू स्कूलों के 350 प्रधानाध्यापकों के अलावा 35 सहायक प्रोफेसर और विज्ञान और प्रावैधिकी विभाग के विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए चयनित 145 सहायक प्रोफेसर शामिल हैं।

इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुझे पीएम पद का उम्मीदवार बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। पत्रकारों ने सीएम से पूछा कि कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा है कि विपक्ष के पीएम पद के उम्मीदवार 2024 में राहुल गांधी होंगे इसके जवाब में सीएम नीतीश कुमार ने कहा यह सब आपस में विपक्षी पार्टी मिलकर तय करेगी वह ठीक ही कह रहे हैं। मैंने कभी भी पीएम पद की रेस में अपने को नहीं पाया है। उन्होंने कहा कि और ना ही मेरी पीएम बनने की कोई इच्छा है। मैं बिहार की ही सेवा करना चाहता हूं।

जेपी नड्डा के तीन तारीख को बिहार आगमन को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में सीएम नीतीश ने कहा कि भाजपा के लोगों को पता चल गया है कि पांच जनवरी से मैं बिहार की यात्रा पर निकल रहा हूं। इसीलिए वह लोग भी यहां आ रहे हैं। सीएम ने कहा कि मैं जेपी नड्डा पर कोई कमेंट नहीं करूंगा। इससे पहले हम लोग तो साथ में ही थे और जेपी नड्डा का पटना से पुराना संबंध है। सुशील मोदी के बयान पर नीतीश ने कहा कि सुशील को भाजपा ने किनारे लगा दिया है। वे मेरे खिलाफ बोलेंगे तभी तो कुछ उनको पद मिलेगा। मैं उनका भला ही चाहता हूं। वे खूब मेरे खिलाफ बोलें, जिससे उन्हें कोई पद मिल जाए।

इससे पहले राजधानी पटना के ज्ञान भवन में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री के अलावा उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी, सुमित कुमार सिंह मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर सहित विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि साल के अंतिम दिन भी 530 उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के व्याख्याता और विश्वविद्यालयों एवं राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापक को नियुक्ति पत्र दिया गया। इससे पहले सीएम ने गांधी मैदान में 10459 पुलिसकर्मियों को नियुक्ति पत्र दिया था। इनमें 8246 सिपाही और 2213 अवर निरीक्षक शामिल थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में 20 दिसम्बर को कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में 13 एजेंडों पर मुहर लगी थी। नीतीश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए 75,544 पुलिसकर्मियों को बहाल करने का निर्णय लिया था।

जहरीली शराब मामले में सरकार गंभीर : सीएम

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कृष्ण बल्लभ सहाय की जयंती आज पूरे राज्य में मनाई गई। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों से बातचीत की। जहरीली शराब कांड के अभियुक्त की हुई गिरफ्तारी को लेकर पत्रकारों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जो कुछ भी हुआ उसके लेकर सरकार गंभीर है। दोनों विभाग के अधिकारी इसको देख रहे हैं। एक-एक चीज की जांच हो रही है कि यह कैसे हुआ? सीएम ने कहा कि यह बात जैसे ही हमारे सामने आयी हमने अधिकारियों से कहा कि यह क्या हुआ है, कैसे हुआ है इसकी जांच करें। हमने अधिकारियों से इसे तत्काल देखने का निर्देश दिया। हमने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि एक-एक चीज पर नजर रखिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्यादातर लोग शराबबंदी के पक्ष में है। कुछ लोग गड़बड़ करने वाले होते हैं। उन पर कार्रवाई की जाती है। कई बार जिनको इसको रोकने की जिम्मेवारी होती है वो भी ठीक ढंग से काम नहीं करते तो उन पर भी कार्रवाई होती है। आजकल शराब की सप्लाई करने वाले बाहरी एवं यहां के लोग रोज पकड़ा रहे हैं। हमने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि शराब के असली धंधेबाजों को खोजकर पकड़िये। जिलों की यात्रा पर जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हमेशा यात्रा पर जाते रहे हैं। पहले से चल रहे कार्यों को देखेंगे और कहां क्या कमी है, उसे जानेंगे। हम एक-एक चीज को देखने और समझने के लिए यात्रा पर जाते हैं। इलाके में विकास का काम कितना हुआ और कहां पर क्या कमी है, उसे हम स्पॉट पर जाकर देखने जाते हैं।

बिहार: जहरीली शराब कांड का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हाल ही में बिहार में जहरीली शराब कांड में कथित रूप से शामिल मास्टरमाइंड व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि जहरीली शराब से लोगों की जान लेने वाले मास्टमाइंड की पहचान रामबाबू महतो के रूप में हुई है। बिहार में जहरीली शराब कांड के मास्टरमाइंड को दिल्ली के द्वारका इलाके से गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस ने बयान में कहा कि महतो सारण जिले के मशरक पुलिस थाना और इसुआपुर थाने में दर्ज दो मामलों में आरोपी है। जहरीली हादसे के बाद महतो बिहार से फरार होकर दिल्ली आ गया था। दिल्ली पुलिस को सूचना मिली कि महतो यहां कहीं छिपा हुआ है। इसमें कहा गया है कि निगरानी और विशिष्ट जानकारी के आधार पर आरोपी को पुलिस टीम ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ सात से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कहा कि उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है और आगे की कार्रवाई के लिए महतो की गिरफ्तारी की जानकारी बिहार पुलिस के साथ साझा की गई है। मास्टमाइंड महतो किसान परिवार से है और परिवार में चार भाई और दो बहनें हैं। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। बिहार में हालांकि शराबबंदी के कारण उसे जल्दी और आसानी से पैसा कमाने की सूझी। वह कथित तौर पर नकली शराब बनाने और उसकी बिक्री करने में लग गया।

बौद्ध धर्म को नुकसान पहुंचाने का षड्यंत्र करती रही है चीनी सरकार : दलाई लामा

एजेंसी। गया

बिहार के बोधगया स्थित कालचक्र मैदान में संचालित उपदेश कार्यक्रम में बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने शनिवार को कहा कि चीन की सरकार की ओर से बौद्ध धर्म को नुकसान पहुंचाने का षड्यंत्र किया जाता रहा है लेकिन बौद्ध धर्म खत्म नहीं हो सका। आज भी वहां बौद्ध धर्म के प्रति लोगों की आस्था है। वहां बहुत सारे बुद्ध विहार हैं। उन्होंने कहा कि मैं चीन कई बार गया हूं। वहां के लोगों के मन में बौद्ध धर्म के प्रति आज भी बहुत लगाव है। उन्होंने उपदेश कार्यक्रम में उपस्थित बौद्ध धर्मावलम्बियों से कहा कि इस पवित्र भूमि से यह संकल्प लेकर जाएं कि सभी जीवों के हित के लिए मैं भगवान बुद्ध, धम्म और संघ की शरण में जाता हूं। उपदेश कार्यक्रम के अंतिम दिन दलाईलामा ने महायान पंथ के तंत्र की देवी 21 ताराओं के स्वरूप और उनके गुणों से श्रद्धालुओं को अवगत कराया, जिसे कालचक्र मैदान पर लगाए गए स्क्रीन पर दिखाया भी गया। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रतिदिन तारा के मंत्रों का जाप करने की सलाह दी। इसके बाद वह अपने आसन पर साधना में लीन हो गए और उनके लामाओं ने तारा के मंत्र का जाप किया।

बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा कि जब मैं साधनों में लीन था तो ऐसा लगा कि अवलोकितेश्वर हमारे सिर पर विराजमान हैं। आप भी ऐसा माने की आपके इर्द-गिर्द में भगवान बुद्ध आठ अर्हत और नालंदा के विद्वान आपके सामने हैं। इन्हीं के बदौलत आज भी बौद्ध धर्म जीवित है।

महंगाई, जैसे मुद्दे पर भाजपा को हराया जा सकता है : भूपेश

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राष्ट्रीय स्तर पर महज एक पट्टी में सिमट चुकी भाजपा को आगामी चुनावों में आम जनता के जीवन से जुड़े महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर फोकस कर शिकस्त दी जा सकती है। समाचार एजेंसी यूनीवार्ता से विशेष बातचीत में उन्होंने कहा कि नियोजित ढंग से इस तरह के माहौल को गढ़ने की कोशिश होती है कि भाजपा अपराजेय है जबकि सच यह है कि वह एक पट्टी में सिमट चुकी है। महज उत्तरप्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड एवं उत्तर पूर्व में उसकी उपस्थिति है। कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा में भाजपा ने जनमत को खरीद कर सरकार बनाई है। महंगाई-बेरोजगारी जैसे मुद्दों से ध्यान बंटाने के लिए भाजपा साम्प्रदायिक और धुव्रीकरण की राजनीति करती है। जहां भी उसे इसमें कामयाबी नही मिलती उसे शिकस्त का सामना करना पड़ता है। हाल में हुए हिमाचल प्रदेश के चुनावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी कोशिश करने के बावजूद इस राज्य में उसकी साम्प्रदायिक राजनीति और धुव्रीकरण की राजनीति पर लोगों ने ध्यान नही दिया और उसे सत्ता से बाहर कर दिया। बघेल ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने नफरत और धुव्रीकरण की राजनीति के खिलाफ और महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है और एक माहौल निर्मित हो रहा है। भाजपा और मोदी सरकार तमाम कोशिशों के बावजूद इस यात्रा में सभी वर्गों की भागीदारी को रोक नही पाई है। आम लोगों का इन मुद्दों के लेकर जुड़ना आने वाले दिनों की राजनीति के लिए शुभ संकेत है।

भूपेश ने पीएम मोदी से की मुलाकात

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बघेल शनिवार को सुबह प्रधानमंत्री आवास पहुंचे और उनसे सौजन्य भेंट की। इस मौके पर उन्होंने मोदी की माताजी हीरा बा के निधन पर गहन संवेदना व्यक्त की। इस दौरान बघेल ने प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ के विकास कार्यों से अवगत कराया और विभिन्न लंबित मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने मोदी को छत्तीसगढ़ का विशिष्ट ढोकरा शिल्प की कलाकृति भी भेंट की।

बघेल ने छत्तीसगढ़ में साफ्ट हिन्दुत्व की राजनीति करने तथा भाजपा के मुद्दों को छीनने के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि कांगेस सर्वधर्म समभाव की राजनीति करती है जिसकी प्रेरणा उसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से मिली है।

यूपी जीआईएस 23 — निवेशकों को भा रहा हेल्प डेस्क सिस्टम आयोजन

हर संभव मदद भी मुहैया कराई जा रही है

नवीन मेल नेटवर्क। बाराबंकी

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले जनपद स्तर पर निवेशकों को प्रोत्साहित करने की पहल करते हुए बाराबंकी ने 867.2 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त करके एक मिसाल कायम की थी। अब इस निवेश को धरातल पर लाने के लिए भी युद्धस्तर पर प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। अधिकारियों द्वारा उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र में हेल्प डेस्क की स्थापना की गयी है। इसके माध्यम से निवेशकों से संपर्क कर उनकी समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही उन्हें हर संभव मदद भी मुहैया कराई जा रही है। यह हेल्प डेस्क फैसिलिटेशन सेल के रूप में कार्य कर रही है और इसके माध्यम से निवेशकों की समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है। वहीं बाराबंकी डीएम की ओर से शुरू की गई इस पहल की उद्यमी भी काफी सराहना कर रहे हैं।

867.2 करोड़ के एमओयू : उल्लेखनीय है कि बाराबंकी ने 19 दिसंबर को इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से करीब 867.2 करोड़ के एमओयू साइन किए थे जो लक्ष्य से भी अधिक थे। बाराबंकी की इस पहल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी काफी प्रभावित हुए हैं और इसी के फलस्वरूप उन्होंने अब सभी जनपदों और विभागों में भी स्थानीय स्तर पर निवेश बैठकें आयोजित करने का आदेश दिया है।

निवेशकों की समस्याओं का कर रहे समाधान : जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि अब तक उद्योग विभाग को जिले में निवेश के लिए 53 यूनिट के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके है, जिसमें 50 यूनिट ने शिखर सम्मेलन में एमओयू साइन किया था। उन्होंने बताया कि विभाग की डिप्टी कमिश्नर शिवानी सिंह की अगुवाई में हेल्प डेस्क की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके माध्यम से भी उन्हें कई निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। हेल्प डेस्क के सुचारू रूप से संचालन के लिए सहायक आयुक्त उद्योग को नोडल एवं सहायक प्रबंधक उद्योग आलोक सिंह को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनकी ओर से निवेशकों को फोन करके निवेश से संबंधी जानकारी के साथ निवेशकों की समस्याओं को नोट किया जा रहा है। इसके बाद उच्च अधिकारी के साथ संबंधी समस्या पर चर्चा करके निवेशकों को उसके समाधान से अवगत करा रहे हैं। इसके साथ ही हेल्प डेस्क के माध्यम से विभाग निवेशकों की जरूरतों को फिलहाल समझ रहा है। हेल्प डेस्क के लिए तीन नंबर 05248297051, 9452063464 और 9936246007 जारी किए गये हैं। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि निवेशकों से लगातार संपर्क बना रहे हैं, इसके लिए पहली बार व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसमें विभाग के साथ अन्य विभाग के अधिकारियों और निवेशकों को जोड़ा गया है ताकि निवेशक व्हाट्सएप ग्रुप पर भी अपनी बात रख सकें। इसका मुख्य उद्देश्य निवेशकों को किसी भी विभाग से कोई जानकारी या समस्या होने पर उसे विभाग के अधिकारी द्वारा तत्काल दूर किया जा सके, जिसमें काफी हद तक सफलता भी मिली है। उन्होंने बताया कि शुरूआती चरण में ज्यादात्तर उद्यमी लैंड को लेकर जानकारी हासिल कर रहे हैं।

नीतीश को महाठग करार दिया विजय सिन्हा ने

नवीन मेल नेटवर्क। पटना

बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू हुये छह साल से भी अधिक समय बीत चुके हैं। लेकिन शराबबंदी कानून अभी तक सफल नही हो पाया है। राज्य में हर जगह चोरी-छिपे शराब मिल रही है। इसके साथ ही जहरीली शराब से लोगों की मौत भी हो रही है। यही वजह है कि शराबबंदी कानून को लेकर विपक्ष लगातार नीतीश सरकार पर हमलावर है। अब तो कसत्ता पक्ष की तरफ से ही इसको लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सवाल खड़े किये जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी की ओर से राज्य मे शराबबंदी का गुजरात मॉडल लागू करने की मांग के बाद इस पर सियासत और तेज हो गई है। भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महाठग करार दिया है।

नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार कौ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इतने वर्षों से मांझी जी को समझाते-समझाते मुख्यमंत्री बनाये, फिर गर्दन पर हाथ रखकर बाहर कर दिए। वह समझाते नहीं हैं, वे बड़े ठग हैं। लोगों को ठगते हैं। वे समस्या का समाधान नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अपने अहंकार को छोड़ दें,तो सारे समस्या का समाधान हो जाएगा।

बड़े होकर भी कोई आपसे गलत कहे तो भी उसे माफ कर देना जरूरी है। इसका मतलब यह हुआ कि उन्होंने अपने अब तक की उम्र में कुछ भी नहीं सीखा। माफ करके आप बहुत कुछ सीख जाते हैं।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

NEWS इन ब्रीफ

मौत की सजा उम्रकैद में तब्दील

शिमला। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने सजा में बदलाव की अपील को स्वीकार करते हुए पॉक्सो अधिनियम के तहत मृत्युदंड की सजा पाए आरोपी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया है। न्यायमूर्ति सबीना और सुशील कुकरेजा की खंडपीठ के सामने 31 दिसम्बर को दोषी आकाश कुमार की ओर से पेश की गयी मौत की सजा में छूट का मामला सूचीबद्ध किया गया था। आरोपी को फास्ट ट्रैक ट्रायल और पुलिस जांच में दोषी पाया गया। आरोपी ने 2017 में सात साल की मासूम बालिका के साथ पहले दुष्कर्म किया और बाद में राज्य के औद्योगिक क्षेत्र बद्दी में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी।

मोदी सरकार वादे निभाने में रही विफल : राकांपा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता महेश तापसे ने शनिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केन्द्र सरकार 2022 में अपने वादों को निभाने में पूरी तरह से विफल रही है। तापसे ने अपने बयान में कहा : अब हमारे पास 2022 में कुछ ही घंटों का समय बचा है। समय आ गया है कि देश भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा किए गए वादों पर फिर से विचार करे।

चीन अपनाये अधिक पारदर्शिता

जेनेवा। चीन में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीनी प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की जिसमें बीजिंग से कोरोना वायरस विरोधी और अधिक उपाय व पारदर्शिता अपनाने की अपील की। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, बैठक में चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम प्रशासन के अधिकारियों ने भाग लिया। चीनी वैज्ञानिकों को कोविड-19 नैदानिक प्रबंधन नेटवर्क सहित डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व वाले कोरोना विशेषज्ञ नेटवर्क में अधिक निकटता से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया गया है।

महिला खुद को जुए में हार गई

नयी दिल्ली। महाभारत काल में पांडवों का द्रौपदी को दांव पर लगाकर उसे हारने की कहानी नई तो नहीं है, मगर आज के दौर में एक महिला को जुए की ऐसी लत लगी कि वह दांव में खुद को ही हार बैठी। मामला हाल ही में उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ का है, जिसे जानकर सब हैरान रह गए। महिला अपने मकान मालिक से जुए में हार गई। जयपुर में काम कर रहे पति ने इस बारे में पुलिस को शिकायत दी तो गैंबलिंग की यह कहानी दुनिया के सामने आई।

महिला ने तीन साल की बच्ची को रेलवे ट्रैक पर धकेला

वॉशिंगटन। अमेरिका के पोर्टलैंड शहर से हैरान करनेवाला वीडियो सामने आया है। यहां एक महिला ने तीन साल की बच्ची को रेलवे ट्रैक पर धकेल दिया। घटना 28 दिसम्बर की बताई जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 29 दिसम्बर को महिला को गिरफ्तार कर लिया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। तीन साल की बच्ची अपनी मां के साथ ट्रांजिट सेंटर प्लेटफॉर्म पर खड़ी थी।

कोई हमारी एक इंच भी जमीन नहीं ले सकता : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने चीन पर राहुल को दिया जवाब

तवांग में झड़प के 20 दिन बाद आया शाह का बयान

एजेंसी। बेंगलुरु

भारत-चीन सीमा विवाद के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारत की एक इंच जमीन पर कोई भी कब्जा नहीं कर सकता है। मुझे भारत-चीन सीमा की बिल्कुल भी चिंता नहीं है। हमारे आईटीबीपी के जवान सीमा पर गश्त लगा रहे हैं और हमें उन पर पूरा भरोसा है। उनके रहते किसी की मजाल नहीं है कि हमारी इंच जमीन का भी कोई अतिक्रमण कर पाए।

शाह का यह बयान तवांग में झड़प के 20 दिन बाद आया है। शाह के इस बयान को राहुल गांधी के उस बयान का जवाब भी माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन और पाकिस्तान डोकलाम और तवांग जैसे इलाकों में कुछ बड़ा प्लान कर रहा है। अमित शाह ने बेंगलुरु में आईटीबीपी के आवासीय और गैर-आवासीय परिसर के उद्घाटन समारोह में कहा कि आईटीबीपी देश के सबसे मुश्किल क्षेत्रों में काम करने वाला सुरक्षा बल है। हम कल्पना भी नहीं कर सकते हैं कि -42 डिग्री तापमान में सीमा की सुरक्षा करने के लिए कितना दृढ मनोबल लगता है।

आईटीबीपी के जवानों को कश्मीर-लद्दाख में लोग बुलाते हैं हिमवीर

आईटीबीपी ने अपने स्थापना काल में विषम भौगोलिक परिस्थितियों और मुश्किल क्षेत्रों में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। मैंने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का दौरा किया, वहां के लोग आईटीबीपी के जवानों को हिमवीर कहकर बुलाते हैं। यह उपलब्धि पद्मश्री और पद्मभूषण से भी बड़ी है, क्योंकि सैनिकों को यह उपनाम सरकार ने नहीं बल्कि देश की जनता को दिया है।

सही चल रही है भारत जोड़ो यात्रा : राहुल गांधी

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को उम्मीद से ज्यादा सफल बताते हुए शनिवार को कहा कि इस यात्रा के जरिए वह देश को जोड़ने और नफरत तथा हिंसा के माहौल को मिटाना चाहते हैं। इस लक्ष्य के हिसाब से यात्रा सही दिशा में बढ़ रही है। कांग्रेस मुख्यालय में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान आयोजित 9वें संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस यात्रा से उन्होंने बहुत कुछ नया सीखा है। यात्रा के दौरान भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उनकी जो आलोचना की है, उससे भी उन्हें सीख मिली है तथा उनकी बुनियादी सोच इससे और मजबूत हुई है। इस यात्रा के जरिए वह देशवासियों को जीने का नया तरीका देना चाहते हैं लेकिन यह तरीका लोगों तक नहीं पहुंचे, इसलिए भाजपा तथा आरएसएस उनको बदनाम करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। वह सच्चाई के मार्ग पर चल रहे हैं और जानते हैं कि सच्चाई को कोई भी दुष्प्रचार छिपा और मिटा नहीं सकता है। अब तक करीब 5000 करोड़ रुपये उनको बदनाम करने के प्रचार पर खर्च हो गए होंगे लेकिन इससे उन पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है।

विपक्षी नेताओं को लेकर राहुल ने कहा : पूरा विपक्ष एक साथ खड़ा है। भारत जोड़ो यात्रा में जो शामिल होना चाहते हैं, हम सभी का स्वागत करेंगे। भारत को जोड़ने की जो बात नहीं करता है, नफरत और हिंसा फैलाने में जो विश्वास करते हैं वे लोग यात्रा में उनके साथ नहीं चल सकते। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती के साथ उन्होंने वैचारिक रिश्ता बताते हुए कहा कि ये सब देश में हिंसा और नफरत के माहौल के विरुद्ध हैं लेकिन कहा कि सपा की सोच कांग्रेस की तरह राष्ट्रीय स्तर की नहीं है। उनका विचार केरल, तमिलनाडु, बिहार या अन्य राज्यों में नहीं चल पाएगा लेकिन उत्तर प्रदेश में उनका विचार चल रहा है। इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से लड़ने का एकमात्र विकल्प कांग्रेस और इसकी विचारधारा है। बेरोजगारी, नोटबंदी, जीएसटी, चीन नीति आदि केंद्र सरकार की गलत नीतियां हैं।

सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने संबंधी नोटिस को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा : मैं भारत जोड़ो यात्रा कर रहा हूं और वे चाहते हैं कि मैं बुलेटप्रूफ गाड़ी में बैठकर यात्रा करुं। यह संभव नहीं है।

प्रतिबंध के बावजूद बढ़ा गेहूं निर्यात

आम जन को खरीदना पड़ रहा खुला आटा 35 रुपये किलो

आर्गेनिक के नाम पर 100 रु. किलो तक मिल रहा

ब्यूरो। नयी दिल्ली

यूक्रेन युद्ध के कारण विश्व में 2022 में गेहूं का दाम बढ़ने के कारण देश में भी गेहूं के दाम में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। जिसके कारण फिलहाल आम जन जो खुला आटा खरीद रहा है, वह 35 रुपये किलो मिल रहा है। जबकि आर्गेनिक के नाम पर 100 रुपये किलो तक मिल रहा है। यूक्रेन युद्ध के बाद विश्व में गेहूं की बढ़ती मांग व बढ़ते दाम के लोभ के चलते बढ़ते भारत से गेहूं खूब एक्सपोर्ट होने लगा। लेकिन देश में खराब मौसम व गेहूं का उत्पादन कम होने तथा कोरोना के कारण देश की 81.35 करोड़ गरीब जनता को मुफ्त में हर माह पांच किलोग्राम अनाज देने की योजना के चलते जब देश में ही गेहूं की किल्लत होने लगी, तब केंद्र सरकार ने मई 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया।

लेकिन मई में निर्यात पर प्रतिबंध के बावजूद नवम्बर तक गेहूं के निर्यात में लगभग 30 प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई है। यह जानकारी केंद्र सरकार के आंकड़ों से मिली है।

केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार प्रतिबंध के बावजूद गेहूं का निर्यात बीते वर्ष से भी ज्यादा रहा है। कहा जाता है कि यह चहेते उद्योगपतियों के चलते हुआ है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवम्बर के दौरान यह 29.29 प्रतिशत बढ़ कर 1.50 अरब डॉलर पर पहुंच गया। उसके पहले 2021 में इसी अवधि में 1.17 अरब डॉलर के गेहूं का निर्यात हुआ था।

वैसे तो घरेलू बाजार में गेहूं की बढ़ती कीमतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने मई में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन इसमें लैकुना यह है कि अनुरोध करनेवाले देशों की खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए गेहूं के थोड़ा-बहुत निर्यात करने की अनुमति है। संभव है इसी थोड़ा-बहुत का फायदा उठाकर चहेते उद्योगपतियों ने गेहूं का निर्यात जारी रखा हो।

सबसे बड़े कैथलिक धर्मगुरु बेनेडिक्ट का निधन

वेटिकन। कैथलिक ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु रहे पूर्व पोप बेनेडिक्ट सोलहवें का शनिवार को 95 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी सेहत बेहद खराब थी। वेटिकन के स्पोक्सपर्सन माटेओ ब्रूनी ने बताया कि शनिवार सुबह 9 बजकर 34 मिनट पर पोप बेनेडिक्ट ने अंतिम सांस ली। 2 जनवरी 2023 को उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए सेंट पीटर बेसिलिका में रखा जाएगा। 5 जनवरी को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

गुजरात में बस और कार की भिड़ंत में नौ लोगों की मौत

एजेंसी। नवसारी (गुजरात)

गुजरात के नवसारी में शनिवार तड़के बस और कार की भिडंत में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस उपाधीक्षक वीएन पटेल ने बताया कि अहमदाबाद-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर तड़के बस और कार की आमने सामने की भीषण टक्कर में कार के परखचे उड़ गए। इस दुर्घटना में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। घायलों को आसपास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवसारी में भीषण सड़क हादसे पर दुख जताया है। मोदी ने ट्वीट किया : नवसारी में सड़क हादसे में लोगों की मौत से आहत हूं। मेरे संवेदना शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि घायल जल्द ही ठीक हो जाएंगे। मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा कोष से मृतकों के परिजनों को दो लाख रूपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया: मैं इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के प्रति शोक व्यक्त करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

रूसी सैनिकों को नहीं देना होगा इनकम टैक्स

एजेंसी। मॉस्को

यूक्रेन जंग में हिस्सा लेने के लिए रूस अपने सैनिकों को लुभाने के लिए हर कोशिश कर रहा है। रूस ने ऐलान किया है कि यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ रहे सैनिकों और दूसरे कर्मचारियों को अब से इनकम टैक्स नहीं देना होगा। साथ ही युद्ध में मानवीय व्यवहार रखने वाले सैनिकों को सरकार गिफ्ट्स भी देगी। रूसी सरकार के प्रवक्ता डिमिट्री पेस्कोव ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि यूक्रेन के चार इलाकों डोनटेस्क, लुहांस्क, खरसोन और जपोरिझिया में जंग लड़ रहे सैनिकों को एंटी करप्शन कानून के दायरे से बाहर कर दिया है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि उन्हें अब से अपनी इनकम, खर्चों और संपत्ति की जानकारी सरकार को नहीं देनी होगी।

उमा भारती के विवादास्पद बयान से एक बार फिर पार्टी उलझन में फंसी

राम, हनुमान पर भाजपा का पेटेंट नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की सीनियर नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भगवान राम को लेकर अपनी ही पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के पास भगवान राम, हनुमान या हिंदू धर्म पर पेटेंट नहीं है। कोई भी उन पर विश्वास कर सकता है। उमा भारती ने कहा कि राम, तिरंगा, गंगा और गाय में विश्वास बीजेपी ने तय नहीं किया है, बल्कि यह उनके अंदर पहले से ही था। अंतर इतना है कि हमारी आस्था राजनीतिक लाभ से परे है। उमा भारती ने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने के लिए धारा-370 को रद्द करने के बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार के फैसले को सही ठहराया। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि भारत कहां टूट रहा है? हमने धारा 370 को खत्म कर दिया है। जो देश को तोड़ रहा था वह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर था।

नमामि गंगे

गंगा व उसकी सहायक नदियों को साफ करने के लिए शुरू की गई थी योजना

8 वर्ष में 13 हजार करोड़ खर्च, फिर भी गंगा मैली

आरएनएम। नयी दिल्ली

देश के प्रसिद्ध अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस में गंगा की सफाई पर छपी खबर में है कि केंद्र सरकार ने 2014 से गंगा की सफाई पर 13 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर दिए, फिर भी गंगा मैली है। इस राशि में से उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक धनराशि आवंटित हुई है। स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन ने शुक्रवार को राष्ट्रीय गंगा परिषद को इसके संबंध में सूचना दी। तीन साल बाद हुई परिषद की बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए की। पीएम मोदी बैठक के लिए कोलकाता जानेवाले थे, लेकिन अपनी मां के निधन के कारण इसे वर्चुअली संबोधित किया। स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन जो सरकार के महत्वाकांक्षी नमामि गंगे कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है, उसने परिषद की बैठक के लिए तैयार किए गए एजेंडा नोट में एक विस्तृत वित्तीय प्रगति रिपोर्ट प्रदान की। उपलब्ध विवरण के अनुसार केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2014-15 से 31 अक्टूबर, 2022 तक स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन को कुल

13,709.72 करोड़ रुपये जारी किए हैं। उस राशि का अधिकांश 13,046.81 करोड़ रुपये स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन द्वारा खर्च किया गया। इसमें से 4,205.41 करोड़ रुपये उप्र को जारी किए गए, जो राज्यों में सबसे अधिक है। गंगा की 2,525 किलोमीटर लंबाई का लगभग 1,100 किलोमीटर उत्तर प्रदेश में पड़ता है। केंद्र सरकार ने जून 2014 में 20,000 करोड़ रुपये के कुल बजट परिव्यय के साथ नमामि गंगे कार्यक्रम शुरू किया था। नमाज दंगे परियोजना विश्व की दस प्रमुख पहल में शामिल है। उत्तर प्रदेश के बाद बिहार (3,516.63 करोड़ रुपये), पश्चिम बंगाल (1,320.39 करोड़ रुपये), दिल्ली (1,253.86 करोड़ रुपये) और उत्तराखंड (1,117.34 करोड़ रुपये) का नंबर आता है। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत धन प्राप्त करनेवाले अन्य राज्यों में झारखंड (250 करोड़ रुपये), हरियाणा (89.61 करोड़ रुपये), राजस्थान (71.25 करोड़ रुपये), हिमाचल प्रदेश (3.75 करोड़ रुपये) और मध्य प्रदेश (9.89 करोड़ रुपये) शामिल है। केन्द्र सरकार ने गंगा और उसकी सहायक नदियों का कायाकल्प करने के लिए 31 मार्च 2021 तक की अवधि के लिए 2014-15 में नमामि गंगे की शुरुआत की थी।

FILMY हलचल

टाइगर-3 आखिरी शेड्यूल की शूटिंग फरवरी में करेंगे सलमान

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान अपनी आने वाली फिल्म टाइगर 3 के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग फरवरी 2023 में करेंगे। यशराज बैनर तले बन रही फिल्म टाइगर 3 में सलमान खान और कैटरीना कैफ की अहम भूमिका है, जबकि इमरान हाशमी इस फिल्म में खलनायक किरदार में नजर आने वाले हैं। सलमान फिल्म टाइगर 3 की शूटिंग दुबारा शुरू करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म टाइगर 3 का आखिरी शेड्यूल दिल्ली में फरवरी 2023 में शुरू होने वाली है। कहा जा रहा कि आखिरी शेड्यूल में सलमान फिल्म के लिए एक्शन से भरपूर सीक्वेंस की शूटिंग करते नजर आएंगे। एक्शन और वीएफएक्स से भरपूर इन सीन्स को कोरियन स्टंट टीम कोरियोग्राफ करेगी। इस सीन में सलमान प्रोफेशनल बॉडी बिल्डर वरिंदर सिंह घुमन के साथ दो-दो हाथ करते नजर आएंगे। मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी टाइगर 3 नवंबर 2023 में रिलीज होगी।

कई बार गलती करना कोई गुनाह नहीं है। एक ही गलती को बार-बार करना बहुत बड़ा गुनाह है। तुम अगर सीख रहे हो तो एक ही गलती बार-बार नहीं करोगे।

NEWS इन ब्रीफ

वॉट फेस के दो आत्मघाती गोलों की बदौलत हारा लीसेस्टर सिटी

लिवरपूल। वॉट फेस के दो आत्मघाती गोलों की बदौलत लिवरपूल ने अपने प्रीमियर लीग मैच में लीसेस्टर सिटी के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में सिटी ने शानदार शुरूआत की और मैच के चौथे ही मिनट में किरनान ड्यूस्बरी-हॉल ने लिवरपूल के डिफेंस को धवस्त करते हुए शानदार गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि, मैच के 38वें और 45वें मिनट में वॉट फेस के दो आत्मघाती गोलों की बदौलत लीवरपूल को 2-1 की बढ़त मिल गई।

टिम साउदी ने की ईश सोढ़ी की तारीफ की

कराची। पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट मैच ड्रा होने के बाद, न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी ने स्पिनर ईश सोढ़ी की उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए जमकर तारीफ की। खराब रोशनी के कारण पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट शुक्रवार को कराची में ड्रॉ समाप्त हुआ। खराब रोशनी के कारण जब मैच रोका गया। न्यूजीलैंड की टीम 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 1 विकेट पर 61 रन बना चुकी थी। मैच के बाद साउदी ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि जीत हाथ से निकल गई।

अगर मैं निर्णय लेने वाला होता, तो हमेशा के लिए प्रतिबंध लगा देता

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा ने मैच फिक्सिंग पर जस्टिस कय्यूम की रिपोर्ट का हवाला देते हुए टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटरों वसीम अकरम और वकार यूनुस पर जमकर निशाना साधा है। जस्टिस कय्यूम की रिपोर्ट के बाद अकरम पर जुमार्ना लगाया गया और उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया। रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद वकार यूनुस पर भी जुमार्ना भी लगाया गया था। हालांकि दोनों ने कोचिंग की भूमिकाओं में पाकिस्तान क्रिकेट में वापसी की, वकार के मुख्य टीम के साथ कोच के रूप में दो अलग-अलग कार्यकाल हैं।

अफगानिस्तान टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान बने राशिद खान

काबुल। स्टार लेग स्पिनर राशिद खान को अफगानिस्तान टी-20 टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। राशिद मोहम्मद नबी की जगह लेंगे, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।
अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मीरवाइज अशरफ ने राशिद को यह पद संभालने का प्रस्ताव दिया। राशिद ने इससे पहले 2019 में सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में देश का नेतृत्व किया था। राशिद ने 2018-19 में सात एकदिवसीय मैचों में और दो टेस्ट मैचों में भी अफगानिस्तान का नेतृत्व किया था।

इंडिया वूमन अंडर-19 टीम का तीसरा मैच रद्द

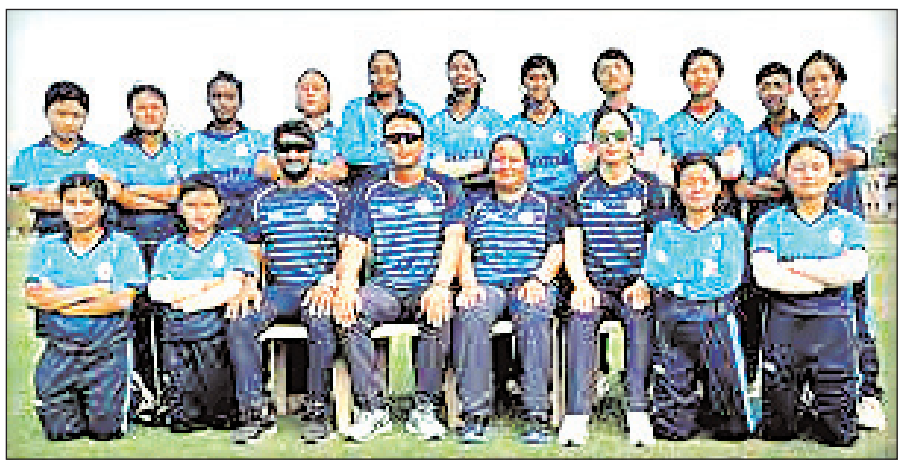

एजेंसी। नयी दिल्ली
इंडिया वूमन और साउथ अफ्रीका वूमन अंडर-19 टीम के बीच तीसरा टी-20 इंटरनेशनल मैच रद्द हो गया। प्रीटोरिया के स्टेन सिटी स्कूल में बारिश के बाद ग्राउंड गीला होने के कारण मैच में एक भी बॉल का खेल नहीं हो सका। 5 मैचों की सीरीज का दूसरा टी-20 भी इसी कारण रद्द करना पड़ा था। साउथ अफ्रीका में 14 जनवरी 2023 से अंडर-19 वूमन वर्ल्ड भी होना है। ऐसे में टीम इंडिया की तैयारियां अधूरी छूटते नजर आ रही हैं। इंडिया वूमन और साउथ अफ्रीका वूमन टीम के बीच चौथा टी-20 मैच 2 जनवरी और आखिरी मैच 4 जनवरी को प्रीटोरिया के इसी ग्राउंड पर खेला जाएगा। पहला मैच जीतकर टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे हैं। इस ग्राउंड पर वूमन अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप का एक भी मैच नहीं खेला जाएगा। ऐसे में टूनार्मेंट की तैयारियों को लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। साउथ अफ्रीका में बारिश में बाद ग्राउंड सूख नहीं सका। जिस कारण सीरीज के 2 मैच नहीं रद्द करने पड़े। साउथ अफ्रीका में बारिश में बाद ग्राउंड सूख नहीं सका। जिस कारण सीरीज के 2 मैच नहीं रद्द करने पड़े।टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ शेफाली वर्मा की कप्तानी में उतरी हैं। 18 साल की शेफाली सीनियर वूमन टीम का भी हिस्सा हैं। उनके अलावा सीनियर वूमन टीम में शामिल 19 साल की रिचा घोष भी अंडर-19 वर्ल्ड कप खेलेंगी। दिल्ली की श्वेता सेहरावत टीम की उप कप्तान हैं। साउथ अफ्रीका से पहले भारत ने मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी-20 की सीरीज खेली थी। सभी मैच भारत ने ही जीते थे। साउथ अफ्रीका अंडर-19 वूमन वर्ल्ड कप 14 जनवरी से शुरू हो कर 29 जनवरी तक चलेगा। 16 टीमों के टूनार्मेंट में 41 मैच खेले जाएंगे। सभी टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया है। टीम इंडिया मेजबान साउथ अफ्रीका, स्कॉटलैंड और वअए के साथ ग्रुप डी में है। भारत का पहला मैच मेजबान साउथ अफ्रीका से 14 जनवरी को खेला जाएगा। 16 जनवरी को वअए और 18 जनवरी को स्कॉटलैंड की अंडर-19 टीम से भारत के मैच होंगे।

भारतीय सेना ने दोस्ताना वॉलीबॉल मैच का किया आयोजन

जम्मू। भारतीय सेना और आवाम के बीच संबंधों को मजबूत करने के मिशन को जारी रखते हुए भारतीय सेना द्वारा बनिहाल के डोलीगाम में एक वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य स्थानीय क्षेत्र में खेल गतिविधियों के प्रति रुचि को बढ़ावा देना और विकसित करना है। इस कार्यक्रम में युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई जिन्होंने अपने उत्साह और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया जिसने इस कार्यक्रम के आकर्षण को और बढ़ा दिया। इस आयोजन ने युवाओं को आउटडोर खेलों में रुचि लेने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन में कुल 04 टीमों और 45 खिलाड़ियों ने भाग लिया। विजेता टीम को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। स्थानीय लोगों ने सेना के इस प्रयास की काफी हद तक सराहना की।

रबाडा ने इस साल चटकाए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट

एजेंसी। नयी दिल्ली
दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी यहां लियॉन की बराबरी पर रहे। उन्होंने 9 मैचों में 22।25 की गेंदबाजी औसत से 47 विकेट लिए। यहां तीसरे नंबर पर इंग्लिश स्पिनर जैक लीच रहे। लीच ने 14 टेस्ट मैचों में 38.28 की बॉलिंग औसत से 46 विकेट हासिल किए। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड इस साल चौथे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने महज 9 मैचों में 25।75 की गेंदबाजी औसत से 40 विकेट हासिल किए। वेटरन इंग्लिश फास्ट बॉलर एंडरसन इस लिस्ट के टॉप-5 में शामिल हैं। उन्होंने 9 टेस्ट मैचों में 19।80 की लाजवाब बॉलिंग औसत से 36 विकेट चटकाए। उनके साथ ही ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस और दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सिन ने भी 36-36 विकेट चटकाए हैं।

सऊदी अरब के क्लब से जुड़े रोनाल्डो कर सकते हैं 200 मिलियन डॉलर की कमाई

एजेंसी। लंदन
पुर्तगाल के सुपर स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो मोटी धनराशि पर सऊदी अरब के फुटबॉल क्लब अल नासर से जुड़ गए हैं, जिसे मध्य पूर्व के फुटबॉल के लिए बड़ी घटना माना जा रहा है, लेकिन इससे यूरोप का दिग्गज खिलाड़ी खेल के शीर्ष मंच से गायब हो जाएगा। अल नासर ने पांच बार के बैलन डिओर विजेता रोनाल्डो की तस्वीर सोशल मीडिया पर जारी की है, जिसमें वह टीम की जर्सी पकड़े हुए हैं। रोनाल्डो ने इससे पहले इस क्लब के साथ जून 2025 तक करार किया। क्लब ने कहा, इस करार से न सिर्फ क्लब को अच्छी सफलताएं हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी, बल्कि इससे हमारी लीग, हमारे देश और भविष्य की पीढ़ियों को भी सर्वश्रेष्ठ करने की प्रेरणा मिलेगी। इस 37 वर्षीय फुटबॉल स्टार का यह करियर का अंतिम करार हो सकता है, जिसके लिए उन्हें मोटी धनराशि मिलेगी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पुर्तगाल का यह स्टार इस करार से प्रतिवर्ष 200 मिलियन डॉलर की कमाई कर सकता है, जिससे वह फुटबॉल के इतिहास में सर्वाधिक भुगतान पाने वाला खिलाड़ी बन जाएगा। रोनाल्डो ने एक बयान में कहा कि वह एक अलग देश में नई फुटबॉल लीग का अनुभव हासिल करने के लिए उत्सुक हैं।

हम्पी ने फिर बढ़ाया भारत का सम्मान,जीता रजत पदक

अल्माटी, कजाकिस्तान। विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप में भारत के लिए एक बार फिर ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी नें गौरव का क्षण दिया और रजत पदक जीतकर देश को पुनः विश्व पटल पर गौरन्वित कर दिया ।ब्लिट्ज शतरंज के पहले दिन के बाद पदक की कोई आस नजर नहीं आ रही थी, खुद हम्पी के लिए पहला दिन खराब गया था और उनकी शुरूआत लगातार दो हार से हुई थी और 9 राउंड मे वह सिर्फ 5 अंक बना पायी थी। हम्पी नें दूसरे दिन सात जीत और एक ड्रॉ के साथ असाधारण 7.5 अंक बनाए और 12.5 अंक बनाकर रजत पदक अपने नाम कर लिया। इस दौरान उन्होने सबसे आगे चल रही रूस की गुनिना वालेंटीना , पोलिना शुवालोवा और चीन की विश्व रैपिड चैम्पियन तान ज्होंगाई को पराजित किया।

अफ्रीकी एडन मार्करम को नया कप्तान बना सकती है सनराइडर्ज हैदराबाद

एजेंसी। हैदराबाद
आईपीएल के 16वें सीजन के लिए ऑक्शन हो चुका है। इस नीलामी में सबसे बड़े पर्स के साथ उतरी सनराइजर्स हैदराबाद अपने टीम के लिए नया कप्तान तलाश कर रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक सनराइजर्स की यह तलाश पूरी हो चुकी है और इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में यह फ्रेंचाइजी टीम की कमान अनुभवी दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज बल्लेबाज एडन मार्करम को सौंप सकती है। इसके संकेत खुद सनराइजर्स हैदराबाद ने दिए हैं। दरअसल, साउथ अफ्रीका टी20 लीग में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने ट्विटर पर एक फोटो शेयर की जिसमें उन्होंने अनुभवी अफ्रीकी स्टार प्लेयर एडन मार्करम को अपना कप्तान बताया है और लिखा है कि जल्द आ रहा

है कैप्टन मार्करम शो। अब इस पोस्ट के बाद से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि मार्करम इंडियन प्रीमियर लीग में भी हैदराबाद टीम की कमान संभालते हुए नजर आ सकते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी की रेस में भारतीय टीम के स्विंग किंग भुवनेश्वर कुमार का नाम सबसे पहले आता है। जो कई मौके पर टीम की कमान संभाल चुके हैं। वहीं इस बार ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने मयंक अग्रवाल को खरीदा है वह भी टीम की कप्तानी करते हुए नजर आ सकते हैं। आपको बता दें कि इस साल ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद सबसे अधिक पर्स के साथ उतरी थी।

आईपीएल की सभी टीमें और उनके बनाये गये कप्तान

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- फाफ डु प्लेसिस, चेन्नई सुपर किंग्स- महेंद्र सिंह धोनी, कोलकाता नाइट राइडर्स- श्रेयस अय्यर, पंजाब किंग्स-शिखर धवन, दिल्ली कैपिटल्स- ऋषभ पंत, राजस्थान रॉयल्स- संजू सैमसन, मुंबई इंडियंस- रोहित शर्मा, लखनऊ सुपर जायंट्स- केएल राहुल, गुजरात टाइटन्स- हार्दिक पंड्या शामिल हैं।

कार्लसन ने जीता छठा विश्व ब्लिट्ज का खिताब

अल्माटी, कजाकिस्तान। नॉर्वे के ग्रांड मास्टर मेगनस कार्लसन एक बार फिर शतरंज के हर फॉर्मेट क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज के विश्व विजेता बन गए है । कार्लसन नें विश्व ब्लिट्ज शतरंज का ताज छठी बार जीतकर यह कारनामा 2014 के बाद दोबारा करके एक नया इतिहास बना दिया । शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट में कई युवा प्रतिभाओं से मिलती लगातार टक्कर के बाद भी कार्लसन 21 राउंड में 16 अंक बनाकर विश्व विजेता बनने में कामयाब रहे। कार्लसन नें इससे पहले मॉस्को 2009 ,दुबई 2014,रियाध 2017, सेंट्स पीट्स्बर्ग 2018, मॉस्को 2019 में विश्व ब्लिट्ज के खिताब अपने नाम किए थे ।15 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर यूएसए के हिकारु नाकामुरा ने रजत तो अर्मेनिया के मरतिरोसयान है।

भारत या श्रीलंका, कौन किस पर भारी ?

एजेंसी। नयी दिल्ली
नए साल के जश्न के बाद टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज से साल 2023 के अभियान की शुरूआत करेगी। दोनों टीमों के बीच 3 जनवरी से तीन मैचों की टी20 श्रंख्ला खेली जाएगी। इस सीरीज के लिए भारत और श्रीलंका दोनों टीमों ने तैयारियां शुरू कर दी है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि टी20 फॉर्मेट में भारत और श्रीलंका दोनों में से किसका पलड़ा किसपर भारी रहा है। भारत और श्रीलंका के बीच अब तक कुल 26 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें भारतीय टीम ने 17 मैचों में जीत दर्ज की है और 8 मैचों में श्रीलंका विजय रही है। दोनों के बीच एक मैच बेनतीजा रहा है। 2022 में खेले गए एशिया कप में श्रीलंका ने भारतीय टीम को सुपर-4 में हराकर टूर्नामेंट से बाहर किया था। आंकड़े के हिसाब से भारतीय टीम का पलड़ा श्रीलंका पर भारी नजर आ रहा है। श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया की कमान हार्दिक पांड्या संभालते हुए नजर आएंगे। वहीं टीम के उपकप्तानी का जिम्मा सूर्यकुमार यादव संभालेंगे। हार्दिक पांड्या टीम इंडिया ने 81 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 1160 रन बनाए और 62 विकेट भी झटके हैं। श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया- हार्दिक पांड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव (उपकप्तान), ईशान किशन, रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, संजू सैमसन, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल, उमरान मलिक, शिवम मावी और मुकेश कुमार।

भारत बनाम श्रीलंका टी20 सीरीज शेड्यूल

भारत बनाम श्रीलंका पहला टी20 इंटरनेशनलः 3 जनवरी- वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई। भारत बनाम श्रीलंका दूसरा टी20 इंटरनेशनलः 5 जनवरी- महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे।
भारत बनाम श्रीलंका तीसरा टी20 इंटरनेशनलः 7 जनवरी- सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, राजकोट।

फुटबॉल के जादूगर पेले को कोलकाता में दी गई श्रद्धांजलि

कोलकाता। वैसे तो फुटबॉल के खेल में भारत का प्रदर्शन बहुत खास नहीं रहा लेकिन पश्चिम बंगाल में फुटबॉल की खुमारी उन देशों से कम नहीं रहती, जहां विश्व स्तर का खेल खेला जाता है। ऐसे में विश्व फुटबाल की महान हस्ती पेले के निधन से महानगर के खेल प्रेमियों में शोक की लहर है। पेले की उपलब्धियों और यादों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कोलकाता के मशहूर फुटबॉल क्लब मोहन बागान ने क्लब टेंट में एक गेट का नाम पेले के नाम पर रखने की घोषणा की है। पेले को श्रद्धांजलि देने के लिए न केवल मोहन बागान, बल्कि प्रतिद्वंद्वी क्लब ईस्ट बंगाल और मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने अपना झंडा आधा झुका दिया है। मोहन बागान के सचिव देबाशीष दत्ता ने घोषणा की, हमने पहले ही पेले के नाम पर गेट बनाने की घोषणा कर दी है और काम जल्द ही शुरू हो जाएगा।

ऋषभ पंत से मिलने अस्पताल पहुंचे अभिनेता अनिल कपूर व अनुपम खेर

एजेंसी। नयी दिल्ली
विगत शुक्रवार तड़के सड़क हादसे का शिकार हुए क्रिकेटर ऋषभ पंत का इलाज देहरादून के मैक्स हॉस्पीटल में चल रहा है। इसी बीच अभिनेता अनिल कपूर व अनुपम खेर उनसे मिलने पहुंचे हैं। जिसकी तस्वीरें सामने आई है। एजेंसी के हवाले से जारी रिपोर्ट में ये जानकारी मिली है। ऋषभ पंत से मिलने के बाद अनिल कपूर और अनुपम खेर ने मीडिया को बताया कि हम ऋषभ पंत से मिले, उनकी माता जी से भी मिले और लोगों से ये अपील करते हैं कि उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ करे। हाल ही में

भारतीय टीम बांग्लादेश का दौरा खत्म करके लौटी थी। जहां पर ऋषभ पंत भी टीम का हिस्सा थे। और भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत दर्ज की। जिसके बाद श्रीलंका के खिलाफ खेली जाने वाली आगामी टी 20 और वनडे सीरीज का पंत हिस्सा नहीं थे। उन्हें घुटने की एक इंजरी के चलते एनसीए में रिहैब के लिए जाना था। इसी बीच उनके पास कुछ समय था तो वे दिल्ली से अपने घर अपनी मां को नए साल पर सरप्राइज देने के लिए खुद ही कार चला कर जा रहे थे। विगत शुक्रवार सुबह गाड़ी चलाते समय उनकी आंख लग गई और रुड़की के पास गाड़ी के डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में उन्हें माथे, पीठ, और पैर में चोटें आई हैं। बीसीसीआई ने उनके लिए ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर अपडेट दी है। वहीं उत्तराखंड के मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंत का अच्छे से अच्छा इलाज उत्तराखंड सरकार करवाएगी।

पेज एक के शेष

नक्सली की निशानदेही...

महानिरीक्षक, झारखंड के निर्देश पर राज्य में लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाये जा रहे हैं। सर्च अभियान में उग्रवादी गोविंद विरिजिया की निशानदेही पर छिपाकर रखे गये अत्याधुनिक हथियारों के साथ विस्फोटक सामग्री बरामद हुआ है। नक्सलियों के खिलाफ अभियान में एसपी आर रामकुमार के अलावे सीआरपीएफ कमांडेंट राहुल कुमार, एएसपी अभियान दीपक कुमार पांडेय, सीआरपीएफ टुआइसी ऑपरेशन एसके पॉल, टुआइसी डॉ. रणजीत कुमार, एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह, डीएसपी परमेश्वर प्रसाद, सीआरपीएफ सहायक समादेष्टा आशिक अली, लोहरदगा थानेदार अनिल उरांव, बगडू थानेदार विश्वजीत कुमार सिंह, भंडरा थानेदार गौतम कुमार, पेशरार थानेदार अख्तर अली, सुजीत कुमार सिंह, संजय कुमार, सीआरपीएफ 158 बटालियन एफ, कंपनी, सैट 3, सैट 191, लोहरदगा जिला बल के जवान समेत अन्य शामिल थे। इधर, एसपी कार्यालय में ऑपरेशन कोरगो में शामिल सभी पुलिस पदाधिकारियो और सीआरपीएफ अधिकारियों को एसपी और सीआरपीएफ कमांडेंट ने प्रशस्ति पत्र और इनाम देकर सम्मानित किया।

नववर्षोत्सव 2023 के...

इस साल भी नववर्ष के आगमन पर लोगों ने कुछ नये उत्साह तथा उल्लास के साथ नया साल मनाने की योजना बनायी है। पलामू के विभिन्न क्षेत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हर तपके के लोग अपने-अपने ढंग से नया साल मनाने की योजना हं। इसका आकर्षण युवा वर्ग के लड़कों और लड़कियों में इस बार ज्यादा देखा जा रहा है। वहीं, दूसरी ओर मौसम में बढ़ती कड़ाके की सर्दी, लोगों को उन आशाओं पर तुषारापात करती नजर आ रही है। वैसे लोगों की जुबानी- ए-दिसम्बर की शाम तुझे करते हैं, आखरी सलाम...। कहते सुनाई पड़ रही हैं।

जानकारी के अनुसार मेदिनीनगर के होटल क्राउन प्लाजा, ब्लू बर्ड, निर्वाणा, रमाडा, चन्द्रा रिसार्ट सभी हाउसफुल रहे। वहीं, दूसरी तरफ केचकी, बेतला, अमानत, भीम चूल्हा, मंडल डैम, मलय, कोयल नदी के किनारे पिकनिक स्थल गुलजार होने की संभावना है। शहर के प्रसिद्ध मंदिरों में भी नववर्ष को लेकर तैयारियां परवान पर हैं। छहमुहान स्थित काली मंदिर, महावीर मंदिर, काली मंदिर रेड़मा में चहल-पहल है। वर्ष की शुरुआत सनातन धर्म को माननेवाले लोग पूजा-पाठ कर करेंगे। नववर्ष के आगमन पर खुशियां मनाने में व्यस्त लोग देखे जा रहे हैं। लेकिन इस खुशी के मौके पर खुशी का परवान चढ़ते हैं तो मुर्गे या परिंदे, खस्सी जैसे जानवरों पर सामत आ गयी है। इन दुकानों पर सुबह से भीड़ देखी गयी। स्थानीय चैनपुर द शिवा बद्री स्मार्ट होटल में न्यू इयर सेलिब्रेशन का आयोजन रांची के बिग इवेंट कंपनी किंग एंड क्वीन द्वारा किया गया था। कोलकाता की मशहूर फीमेल डीजे डेजलिंग ने धूम मचाई। दूसरी तरफ रेड़मा भगवती हॉस्पिटल के सामने की झुग्गी बस्ती में कोई खुशी नहीं दिखाई दे रही। यहां रैन बसेरों में रहनेवाले लोगों को यह भी पता नहीं है कि आज अंगेजी का नया साल है। बहरहाल, नववर्ष 2023 आप सबके लिए खुशियों का वर्ष साबित हो, इस आकांक्षा के साथ हार्दिक शुभकामनाएं।

सफलता जीत का श्रेय कोच डेस बकिंघम को ही दिया जा सकता है

हम मजबूत आक्रामक इकाई बन गए हैं : ग्रेग स्टीवर्ट

एजेंसी। मुंबई
मुंबई सिटी एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2022-23 सीजन में ऊंची उड़ान भर रही है। आइलैंडर्स वर्तमान में लीग में अब तक 8 जीत, 3 ड्रॉ और 0 हार के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। उन्होंने इस सीजन में खेले गए 11 मैचों में रिकॉर्ड 32 गोल किये हैं। मुंबई सिटी एफसी के अभूतपूर्व आक्रामक दृष्टिकोण और कौशल का श्रेय जॉर्ज पेरेयरा डियाज, लल्लिंजुआला छांगटे, बिपिन सिंह और ग्रेग स्टीवर्ट के फॉरवर्ड लाइन को दिया जा सकता है। फॉरवर्डलाइन के विकास का श्रेय केवल कोच डेस बकिंघम को ही दिया जा सकता है। उन्होंने एक ऐसी प्रणाली की खोज की है जो फॉरवर्ड

खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ खेल को सामने लाती है। स्कॉटिश रणनीतिज्ञ ने एक ही समय में पिच पर अपनी सबसे प्रभावी आक्रमण लाइन को समायोजित करने का एक तरीका भी खोज लिया है, जिसके परिणामस्वरूप इस सीजन में मुंबई की फॉरवर्डलाइन सबसे बेहतरीन है। लल्लिंजुआला छांगटे ने कहा, हम चारों प्रशिक्षण के दौरान एक-दूसरे की चाल और प्राकृतिक खेल शैली को समझने के लिए लगातार कोच के साथ काम कर रहे हैं। हमने कठिन परिस्थितियों में, बेहतर निर्णय लेने के लिए कोच के मार्गदर्शन करने में बहुत मेहनत की है। छांगटे ने इंडियन ऑयल डूरंड कप 2022 में आइलैंडर्स के फाइनल में पहुंचने के दौरान अपने 7 गोलों के लिए गोल्डन बूट जीता। आईएसएल में 5 गोल और 1 असिस्ट करने वाले छांगटे ने कहा, हम हमेशा पिच पर एक दूसरे की मदद करने की कोशिश करते हैं। हमें सही निर्णय लेने के लिए एक दूसरे पर विश्वास है। 11 मैचों में 4 गोल और 2 असिस्ट करने वाले बिपिन सिंह ने कहा, हम पिच पर और मैच के दौरान या प्रशिक्षण के दौरान एक दूसरे के साथ अच्छी तरह से संवाद करते हैं। हम हमेशा एक-दूसरे से इस बारे में बात करते हैं कि हम कैसे आगे बढ़ें। हम अक्सर एक दूसरे से बात करने के बाद कोच के साथ कुछ अभ्यास भी करते हैं। अर्जेंटीना के जॉर्ज पेरेरा डियाज, जिन्हें मुंबई सिटी एफसी ने केरल ब्लास्टर्स से इस सीजन में साइन किया था, वर्तमान में आईएसएल के गोल स्कोरिंग चार्ट में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने लीग में अब तक 6 गोल किए हैं और 3 असिस्ट किए हैं। डियाज ने कहा, हम सभी में महान व्यक्तिगत गुणवत्ता है। हम में से चार के पास बहुआयामी कौशल हैं जो स्थिति की आवश्यकता होने पर एक-दूसरे की स्थिति में फिट होना आसान बनाता है। हम आसानी से पोजीशन बदल सकते हैं और इसकी वजह से पिच पर एक दूसरे के पूरक बन सकते हैं।

बड़े होकर भी कोई आपसे गलत कहे तो भी उसे माफ कर देना जरूरी है। इसका मतलब यह हुआ कि उन्होंने अपने अब तक के उम्र में कुछ नहीं सीखा। माफ करके आप बहुत कुछ सीख जाते हैं।

उपलब्धियों भरा रहा @ 2022

तेजी से बढ़ रही है भारतीय अर्थव्यवस्था

बड़ी आबादी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए और करनी होगी प्रगति

5जी की लांचिंग | डिजिटल इंडिया | तकनीकी विकास | डिजिटल भुगतान

आशुतोष मिश्रा

वर्ष 2022 में भारत के हिस्से में अनेक उपलब्धियां दर्ज हैं। इसके बावजूद, हमें कई आंतरिक और वाह्य संकटों का न केवल सामना करना है बल्कि उसका समाधान भी ढूंढना है। भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, मगर बड़ी आबादी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इसे और प्रगति करनी होगी। यह भारतवासियों की इच्छाशक्ति ही थी की वैश्विक महमारी कोविड के दौर में हमने खुद को मजबूत करने का पुरजोर प्रयास किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछला दशक भारत के लिए अनेक उपलब्धियों से भरपूर रहा है। फिर चाहे वह भारत के नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करने का विषय हो या स्वास्थ्य, आवास और वित्तीय समावेशन का विषय हो, यह सब यही परिलक्षित करता है कि भारत का समाज सशक्त हो रहा है।

पहली बार 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात

पहली बार भारत का व्यापारिक निर्यात एक वित्तीय वर्ष में 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत यात्रा में एक मील का पत्थर है। एक अरब डॉलर से ज्यादा मूल्यांकन वाले स्टार्टअप को स्टार्टअप यूनिकॉर्न कहा जाता है। मंदी की आशंका और तमाम चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए भारत ने जनवरी-जुलाई, 2022 के बीच स्टार्टअप यूनिकॉर्न के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। जनवरी से जुलाई के बीच भारत में 14 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बने, जबकि चीन में केवल 11 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बने। फिलहाल भारत में 108 यूनिकॉर्न हैं और इसमें भारत ने दुनियाभर में तीसरा स्थान हासिल किया है।

महंगाई से खुद को कैसे बचाएं

साल 2022 का सबसे पहला और बड़ा सबक है महंगाई की मार से खुद को कैसे बचाया जाए। भारत सहित दुनियाभर में महंगाई ने अपना विकराल रूप दिखाया। अमेरिका में तो यह महंगाई 40 साल के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई। महंगाई हमें बड़ा अवसर भी दे गई। इस दौरान कर्ज महंगा हुआ तो जमा राशि पर भी ब्याज बढ़ा। सीधा मतलब है कि जब हमारा सामना महंगाई से हो तो निवेश सबसे अच्छी रणनीति होती है।

क्रिप्टो करेंसी

साल 2022 में अगर किसी निवेश ने सबसे ज्यातदा परेशान किया तो वह है क्रिप्टोहकरेंसी। यह बुलबुला जितनी तेजी से फूला था, उतनी ही तेजी से फूट गया। हमें सबक लेना चाहिए कि ऐसे प्रोडक्टी में पैसे न लगाएं जिस पर कोई नियंत्रण न हो। क्रिप्टो अनरेगुलेटेड करेंसी है और इसका खामियाजा भी निवेशकों को उठाना पड़ा।

शेयर बाजार की कहानी

2022 में शेयर बाजार तो जैसे रोलर कोस्टर पर सवार होकर आया था। साल की पहली छमाही में रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से दुनियाभर के बाजार धराशाई हो गए। सेंसेक्सह तो 13 जून को गिरकर साल के निचले स्तुर 52,847 तक पहुंच गया था, लेकिन दूसरी छमाही में जबरदस्त कमबैक करने में सफल रहा और 10 हजार अंकों से ज्याकदा के उछाल के साथ 63 हजार के ऐतिहासिक आंकड़े को भी पार कर गया। इससे हमें बाजार में किसी भी परिस्थिति में धैर्य बनाए रखने का सबक मिलता है। गिरावट में जो निवेशक बने रहे, उन्हें बाद में तगड़ा रिटर्न मिला है।

आरबीआई

भारतीय रिजर्व बैंक के लिए यह साल मिला-जुला रहा। आरबीआई जहां एक तरफ पहली बार टारगेट के मुताबिक महंगाई को काबू में नहीं रख पाया, वहीं पायलट आधार पर डिजिटल रुपया जारी कर और अपनी कोशिशों से बैंकों के बही-खातों को मजबूत करने में सफल रहने से सुर्खियों में रहा। अब, जबकि मुद्रास्फीति तय लक्ष्य के दायरे में आ रही है, ऐसे में नए साल में अब जोर आर्थिक वृद्धि को गति देने पर हो सकता है। खासकर मई, 2022 के बाद से नीतिगत दर में 2.25 प्रतिशत की वृद्धि को देखते हुए जीडीपी वृद्धि पर विशेष ध्यान दिये जाने की उम्मीद है। नीतिगत दर में वृद्धि से आर्थिक वृद्धि पर विपरीत असर पड़ सकता है। 12 अक्टूबर को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, कुल मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से ऊपर रही। इसके साथ, यह पहली बार हुआ हुआ जब खुदरा मुद्रास्फीति लगातार नौवें महीने छह प्रतिशत की उच्चतम सीमा से ऊपर रही। इसकी वजह से तय व्यवस्था के मुताबिक आरबीआई द्वारा सरकार को यह बताना पड़ा कि आखिर वह महंगाई को लक्ष्य के मुताबिक काबू में क्यों रख सका। साथ यह भी बताना पड़ा कि आखिर मुद्रास्फीति कब चार प्रतिशत पर आ सकती है।

@ 2022

पांचवीं पीढ़ी की अल्ट्रा हाई स्पीड या 5जी दूरसंचार सेवाओं को भारत में अक्टूबर में लॉन्च किया गया था। सरकार ने संसद में बताया कि 26 नवम्बर तक, दूरसंचार कंपनियों ने 14 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 50 शहरों में 5जी सेवाएं शुरू कर दी हैं। उद्योग निकाय नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज और आर्थर डी लिटिल की एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2030 तक 5जी दूरसंचार नेटवर्क से देश में लगभग 180 अरब डॉलर का राजस्व जुटाने की उम्मीद है, जो भारत की जीडीपी का लगभग दो प्रतिशत है। ये नेक्स्ट जनरेशन नेटवर्क देश के और अधिक शहरों और कस्बों में उपलब्ध होगा और इसे मेनस्ट्रीम बनाने के बाजार में एंट्री-लेवल स्मार्टफोन सहित सभी प्राइस बैंड में डिवाइस उपलब्ध होंगे।

युद्ध का असर

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भी मांग में एक जैसा इजाफा नहीं हो पाया। पिछले कई महीनों से दोनों देशों के बीच चल रही लड़ाई की वजह से ही वित्त वर्ष 2023 की पहली छमाही में निवेश के शीर्ष 10 क्षेत्रों में से 6 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की रफ्तार सुस्त रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितम्बर के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी इक्विटी निवेश 14 प्रतिशत कम होकर 26.9 अरब डॉलर रह गया। शहरों में खास तौर पर अपनी धाक जमाने वाली कंपनी आने वर्षों में व्यापक स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार करने की योजना पर काम कर रही है।

एलआईसी का आईपीओ

भारतीय जीवन बीमा निगम इश्यू साइज के साथ देश में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ बन गया है। हालांकि, शेयर गिरावट के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुआ। शेयर में अभी भी गिरावट देखने को मिल रही है। ऐसा लग रहा है कि निजी क्षेत्र के निवेश के दम पर आनेवाले समय में नई परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी। भारतीय कारोबार जगत की वापसी में भले ही देरी हुई है, मगर 2023 में देश का उद्योग जगत सही मायनों में उत्साह से लबरेज रह सकता है।

उत्पादों एवं सेवाओं की मांग

देश में विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की मांग पूरी तरह पटरी पर नहीं आई है। यही वजह है कि मजबूत बहीखाते के बावजूद बड़े कारोबारी प्रतिष्ठान और कंपनियां अधिक पूंजीगत निवेश का वादा करने से हिचक रहे हैं। उदाहरण के लिए यात्री कार उद्योग ने मांग में कमी और चिप की आपूर्ति से जुड़ी परेशानियों के बावजूद उम्मीद से कहीं अधिक बिक्री कर डाली और त्योहारों के बाद भी बिक्री जारी रही।

2022 में भारत में डिजिटल इंडिया के लिए एक नया मोड़ साबित हुआ है। ओपन-सोर्स प्रोग्रामिंग पर तैयार सार्वजनिक डिजिटल सेवाओं का क्षेत्र वैश्विक स्तर के लिए तैयार हो रहा है। डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क और डिजिटल रुपये की शुरुआत के अलावा सरकार ने डिजिटल रेगुलेशन में स्थिरता लाने के लिए भी खाका तैयार किया है। इसका उद्देश्य डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना तथा विदेशों में रह रहे भारतीयों को बैंकों में जमा के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। केंद्रीय बैंक पायलट आधार पर डिजिटल रुपया जारी कर और अपने प्रयासों से बैंकों के बही-खाते को मजबूत करने में सफल रहने से चर्चा में रहा। आरबीआई ने पायलट आधार पर थोक और खुदरा दोनों उपयोग के लिए केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) जारी की। इसके साथ इस साल बैंकों की वित्तीय सेहत भी बेहतर हुई हैं।

कार की बिक्री में नया रिकार्ड

नवम्बर में 3.10 लाख से ज्यादा कार बिकीं। 3 लाख से ऊपर बिक्री का वह लगातार छठा महीना था। पिछले साल नवम्बर की तुलना में इस साल इसी महीने मारुति सुजूकी, टाटा मोटर्स, हुंडई और महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री में 21 से 55 प्रतिशत तक की तेजी दिखी। अहम यह कि छोटी एवं किफायती कारों के बजाय मंझोली एवं बड़ी कारों की बिक्री अधिक बढ़ी है। यह देश की अर्थव्यवस्था में तेज सुधार का भी संकेत देता है। छोटी कारों की मांग में नरमी दिखी है। इसकी वजह यह है कि इन कारों की मांग उन लोगों की बीच अधिक है, जो महामारी की मार से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं। दोपहिया वाहनों की मांग भी इसी कारण प्रभावित हुई है। रोजमर्रा के सामान बनाने वाली कंपनियों के साथ भी यही बात लागू होती है।

तकनीकी विकास की बात करें तो साल 2022 कई बड़े तकनीकी विकासों के लिए अहम रहा। इस साल कई बड़े तकनीकी अपडेट्स की नींव रखी गई जो कि साल 2023 और 2024 में समग्र रूप से हमारे सामने होंगी। यूरोपियन यूनियन के सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस के लिए यूएसबी टाइप-सी पोर्ट को कॉमन चार्जिंग पोर्ट बनाने के ऐतिहासिक फैसले से लेकर हार्डवेयर रे ट्रेसिंग सपोर्ट वाली मोबाइल चिप के लॉन्च तक, ये साल कंज्यूमर टेक के लिए अहम रहा। यूरोपियन यूनियन के फैसले के बाद, भारत भी कॉमन चार्जिंग पोर्ट को लेकर सजग है। सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए एक भी तरह के चार्जिंग पोर्ट बनाने के फैसले से कंज्यूमर के आसानी होगी साथ ही देश में जमा हो रहे भारी मात्रा में ई-वेस्ट से निपटने में भी सहायक होगा।

डिजिटल भुगतान बनाम कागज आधारित उपकरणों के जरिये होनेवाले रिटेल लेनदेन का प्रतिशत 2017 में 15 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 40-45 प्रतिशत हो गया है। यह डिजिटल सेवाओं को अपनाने में हमने जो प्रगति की है, उसे दिखाता है। जब से देश में यूपीआई सर्विसेज पेश की गयी है यह काफी तेजी से आगे बढ़ा है और समय के साथ उतना ही मजबूत भी होता गया है। डेटा रिकाड्र्स की अगर मानें तो अक्टूबर महीने में ही करीबन 7.3 बिलियन ट्रांजैक्सन दर्ज किया गया और इनकी कुल वैल्यू 12.11 ट्रिलियन की थी। इसी बात से अंदाजा लग सकता है कि 2023 में यूपीआई किस हद तक आगे बढ़ने वाला है।

राइट टू रिपेयर

एक और फ्रेमवर्क, जिसका पर्यावरण और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ेगा, वह है 'राइट टू रिपेयर'। कुछ मैन्यूफैक्टरर्स अपने प्रोडक्ट के रिपेयर के लिए कई प्रतिबंधात्मक नीतियां रखते हैं, जिसके चलते उपभोक्ता को अगर किसी प्रोडक्ट में रिपेयरिंग की जरूरत हो तो उन्हें मैन्युफैक्ररर या उनके सर्विस पार्टनर के पास ही जाना मजबूरी हो जाता है, खास तौर पर तब जब कंज्यूमर को वारंटी का लाभ उठाना हो, जिससे कि लोग अपने प्रोडक्ट्स- जैसे कि स्मार्टफोन, लैपटॉप, कार और रेफ्रिजरेटर को बिना वारंटी खोए अपनी सुविधा के अनुसार कहीं से भी ठीक करवा सकेंगे। इस अधिकार को अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ सहित कई देशों में मान्यता दी गई है, लेकिन भारत में इसे लेकर चर्चा इसी साल ही शुरू हुई है।

पांचवी अर्थव्यवस्था

वर्ष 2022 भारत के लिए इसलिए भी अहम है कि इस दौरान जब पूरी दुनिया मंदी की चपेट में आकर त्राहिमाम कर रही थी तो एक छोर पर भारत दुनिया की सबसे बड़ी पांचवीं अर्थव्यवस्था के रूप में खड़ा हो गया। भारत ने पूरे विश्व को अपनी ताकत का एहसास करा दिया। अब अगले कुछ ही वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर हो रही है। इससे विश्व पर दबाव बढ़ा है कि वह भारत को यूएनएससी का स्थायी सदस्य बनाए।

यूएनएससी की सदारत

यूएनएससी की अध्यक्षता मिलने से विश्व में भारत का कद काफी बढ़ गया है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने दो वर्ष के कार्यकाल में दिसएबर 2022 में दूसरी बार अध्यक्ष बना। यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसी दौरान भारत को यूएनएससी का स्थाई सदस्य बनाए जाने की मांगों ने भी जोर पकड़ा है। भारत को 16 सितम्बर 2022 को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता सौंपी गई थी। इस संगठन में 8 देश हैं जिनमें भारत, चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान शामिल हैं। ईरान, अफगानिस्तान, बेलारूस और मंगोलिया चार पर्यवेक्षक देश हैं। इस समय एससीओ को दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन माना जाता है। भारत 2023 तक इसका अध्यक्ष बना रहेगा।

उद्योग जगत

कोविड महामारी के कारण दो वर्षों की आर्थिक बदहाली के बाद उम्मीद की जा रही थी कि भारत का उद्योग जगत तेजी और पूरे उत्साह से साथ वापसी करेगा, मगर ऐसा अब तक मुमकिन नहीं हो पाया है। अलबत्ता अदाणी, अंबानी और वेदांत जैसी कंपनियां नए निवेश प्रस्तावों के साथ वित्त वर्ष 2023 की पहली दो तिमाहियों में उत्साह जगाने में जरूर सफल रहीं। ज्यादातर भारतीय कंपनियां मंदी की प्रबल आशंका, आपूर्ति में रुकावट, ब्याज दरों में इजाफे और कमजोर मांग के कारण आर्थिक बदहाली की चोट से पूरी तरह नहीं उबर सकीं।

(लेखक गंगोत्री देवी महाविद्यालय, गोरखपुर के व्यवस्थापक व वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

राजनीतिक सत्ता-समीकरण

साल 2022 भारतीय राजनीति में चुनाव से लेकर सियासी यात्राओं और राज्यों में सत्ता बदलाव वाला साल रहा। गुजरात में भाजपा ने रिकॉर्ड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर अपनी सियासी तौर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई तो कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के जरिए अपनी जमीनी ताकत दिखाने की कोशिश की। देश की सियासत में साल 2022 में सबसे अधिक सुर्खियों में रहनेवाली पार्टी आम आदमी पार्टी रही। 10 साल पहले दिल्ली में क्षेत्रीय पार्टी के रूप में दस्तक देनेवाली आम आदमी पार्टी ने साल 2022 में सियासी बुलंदियों को छूआ। साल के शुरू में जहां आम आदमी पार्टी ने पंजाब में प्रचंड बहुमत से सरकार बनाई तो साल के आखिरी में गुजरात विधानसभा चुनाव में 13 फीसदी वोट के साथ पांच सीटों पर जीत हासिल कर अनौपचारिक रूप से राष्ट्रीय राजनीतिक दल का दर्जा प्राप्त कर लिया। 2022 में महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन देश की सियासी इतिहास की एक दिलचस्प घटना के तौर पर याद किया जाएगा। शिवसेना में एकनाथ शिंदे गुट की बगावत के चलते उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा। उद्धव ठाकरे के साथ से मुख्यमंत्री की कुर्सी जाने के साथ शिवसेना के सिंबल और पार्टी से उद्धव को हाथ धोना पड़ा। एकनाथ शिंदे ने शिवेसना से निकलकर नए गुट का गठन कर भाजपा के साथ सरकार बना ली। साल 2022 में बिहार की राजनीति में भी बदलाव वाला साल बनकर आया। नीतीश कुमार ने भाजपा का साथ छोड़कर एक बार भी अपने पुराने दोस्त लालू प्रसाद यादव के साथ दोस्ती गांठ कर 2024 में मोदी के चेहरे को चुनौती देने की तैयारी करते हुए दिखाई दिए। नीतीश से सियासी तलाक होते हुए भाजपा पूरे दमखम के साथ नीतीश को घेरने में जुट गई। 2022 में कई सियासी विवाद भी खूब सुर्खियों में रहे। साल के शुरूआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के दौरान फिरोजपुर में उनके काफिले के सामने किसानों एक गुट के आने पर खूब सियासत हुई। किसानों ने पीएम मोदी के काफिले को एक पुल पर रोक लिया था। मामले की जांच के लिए कमेटी ने इसके लिए फिरोजपुर एसएसपी को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं, तमिलनाडु में भी पीएम की सुरक्षा में चूक होने की बात सामने आई है लेकिन तमिलनाडु पुलिस ने किसी भी प्रकार की चूक की घटना से इंकार कर दिया। 2022 में हुए उपचुनाव में भाजपा और कांग्रेस के साथ छोटी पार्टियों ने भी कुछ पाया तो कुछ खोया। साल के आखिर में हुए मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव मे डिंपल यादव ने जीत हासिल की तो आजम खान के गढ़ रामपुर में पहली बार कमल खिला। वहीं, आजमगढ़ लोकसभा में हुए उपचुनाव में भाजपा के भोजपुरी सितारे दिनेश लाल यादव निरहुआ ने जीत हासिल की। सियासी जगत में दिग्गज समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव के निधन से एक युग का अंत हो गया। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद आखिरकार अखिलेश यादव और चाचा शिवपाल यादव में सियासी तल्खी खत्म हुई और दोनों फिर एक साथ आकर मुलायम सिंह यादव का पूरा कुनबा एक मंच पर नजर आया। साल 2022 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में देश को पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति मिली। आदिवासी चेहरे के रूप में दौपद्री मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर देश के एक बड़े आदिवासी वोट बैंक को साधने का काम किया। गुजरात विधानसभा चुनाव में आदिवासी सीटों पर भाजपा की जीत को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। महिला आदिवासी चेहरे को राष्ट्रपति बनाने के एक नहीं कई सियासी मायने है। इस वर्ष सरयू नदी के तट पर 15 लाख 76 हजार दीये जलाकर पहले का रिकार्ड तोड़ा गया और साथ ही बननेवाला भव्य राम मंदिर की नींव बनकर तैयार हो गई है। यहां विश्व प्रसिद्ध रामलीला का भी आयोजन हुआ जिसमें यूक्रेन, रसिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया और मलेशिया के कलाकारों ने भाग लिया। काशी विश्वजनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन तो पिछले साल ही हो गया था, लेकिन इस साल इसी क्षेत्र में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर बहुत बवाल हुआ था। हिन्दू दावे के अनुसार यहां पर शिवलिंग पाया गया। कुछ महिलाओं ने यहां पर श्रृंगार गौरी की पूजा करने की कोर्ट से अनुमति भी मांगी थी। कोर्ट ने इस केस को सुनवाई योग्य माना। ज्ञानवापी पर विवाद अभी जारी है।

परिवहन की योजनाएं

बुनियादी ढांचा क्षेत्र में देरी से चल रही परियोजनाओं में सबसे अधिक 358 परियोजनाएं सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र की हैं। एक सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद रेलवे की 111 और पेट्रोलियम क्षेत्र की 87 परियोजनाएं हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र में 769 में 358 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रेलवे में 173 परियोजनाओं में 111 देरी से चल रही हैं, जबकि पेट्रोलियम क्षेत्र की 154 में 87 परियोजनाएं समय से पीछे चल रही हैं। हालांकि, सड़क निर्माण कार्य में भारत विश्व रिकॉर्ड तक कायम कर चुका है। भारत ने कम से कम समय में 75 किलोमीटर की लंबी सड़क बनाकर यह रिकॉर्ड कायम किया था। कुल 105 घंटे और 33 मिनट में एनएच 53 पर एक ही लेन में 75 किलोमीटर बिटुमिनस कंक्रीट बिछाने में एनएचआई ने नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। यह काम 3 जून 2022 को सुबह 7:27 बजे शुरू हुआ था और 7 जून 2022 को शाम 5 बजे पूरा हुआ। एनएचएआई देश में भारतमाला परियोजना को भी लागू किया है, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा राजमार्ग बुनियादी ढांचा कार्यक्रम है, जिसमें 34,800 किलोमीटर के राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारों का विकास किया गया है। वहीं, 22 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे और प्रवेश-नियंत्रित कॉरिडोर को भारतमाला परियोजना के हिस्से के रूप में विकसित किया जा रहे हैं, जिनकी लंबाई 8,400 किलोमीटर तय है। इसका उद्देश्य सिर्फ विकासशील राजमार्गों से अलग हटकर देखना है और इसमें बुनियादी ढांचे की रूपरेखा का समग्र और एकीकृत विकास शामिल है।

टैक्स कलेक्शन में उछाल

महामारी के बाद अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के स्पष्ट संकेत और कर रिसाव को रोकने के सरकारी प्रयासों के चलते 2022 में प्रत्यक्ष कर और अप्रत्यक्ष कर संग्रह में उछाल आया है। आनेवाले दिनों में सरकार कर चोरी करनेवालों पर अधिक सख्ती कर सकती है। इसके साथ ही ऑनलाइन गेमिंग के अलावा ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवा प्रदाताओं के लिए सख्त कर मानदंडों पर भी विचार किया जा सकता है। भारत अगले साल जी-20 देशों के नेताओं की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही डिजिटल अर्थव्यवस्था में कराधान, विकासशील देशों को करों का उचित हिस्सा सुनिश्चित करना एजेंडे में होगा। लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ कर संरचना के युक्तिकरण से भी समान परिसंपत्ति वर्गों के बीच होल्डिंग अवधि में समानता आने की उम्मीद है। नई कर व्यवस्था में कुछ बदलाव अगले साल भी होने की उम्मीद है, क्योंकि सरकार व्यक्तिगत आयकरदाताओं के लिए छूट मुक्त कर व्यवस्था को और अधिक आकर्षक बनाना चाहती है।

महंगाई ने किया परेशान, केंद्रीय बैंकों ने बढ़ाई ब्याज दरें

महंगाई ने परेशान किया तो आरबीआई सहित दुनियाभर के केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ाने लगे। रेपो रेट तो मई से अब तक 2.25 फीसदी बढ़ गया। जाहिर है, लोन की ईएमआई भी लगभग इतनी ही बढ़ गई। रेपो रेट की वजह से इस साल बैंकों ने लोन की ब्याज दर बढ़ाई तो उन्हें एफडी जैसी जमाओं पर भी ब्याज बढ़ाना पड़ा। दिसम्बर में 38 से ज्यादा बैंकों की एफडी की ब्याज दर बढ़कर 7 फीसदी से ऊपर हो गई है। इससे पता चलता है कि अगर हम भरोसेमंद एसेट में पैसे लगाएंगे तो देर-सबेर उसका मुनाफा हमें होगा ही। इसके साथ ही अपने पैसों को लेकर भी सुरक्षा का भरोसा रहेगा। ग्लोसबल इकोनॉमी के लिए तमाम चुनौतियों के साथ शुरू हुए 2022 के खत्म होते-होते ये चुनौतियां मुसीबत में बदल गईं। महंगाई से खपत घटी जिससे उत्पादन गिरते ही जॉब मार्केट धड़ाम हो गया।

छंटनी की तलवार चली जम कर

गूगल, फेसबुक, ट्विटर जैसी दिग्गज कंपनियों ने छंटनी की बात शुरू कर दी। हजारों की नौकरियां चली गईं। यह बताता है कि हम किसी आपात स्थिति के लिए कितना तैयार हैं।

भारत जोड़ो यात्रा : राहुल क्या मोदी के समक्ष खड़े हो पाएंगे?

इसमें कोई दो मत नहीं कि वर्ष 2022 में सितंबर माह से लेकर इन पंक्तियों के लिखे जाने तक राहुल गांधी की छवि काफी हद तक सुधरी है और उसमें पैसा भी काफी खर्च किया गया है। लेकिन, बड़ा सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बरअक्स खड़े हो पाएंगे? मोदी की पॉलिटिकल इमेज लार्जर देन लाइफ की हो चली है। खास कर 30 दिसम्बर को उनकी माता जी के निधन के ठीक बाद जिस तरीके से उन्होंने अपने राजधर्म को निभाया, जिस तरीके से वह तमाम संवेदनाओं को निजी बताकर अपने काम-धाम में लग गए, उससे उनकी छवि अनंत ऊंचाईयों को छूती हुआ बहुत-बहुत आगे निकल गई है। आइंदा भी राहुल गांधी को अभी बहुत मेहनत करने की जरूरत है। कैसे, बता रहे हैं वरिष्ठ पत्रकार ***विजय शंकर पांडेय...***

पंजाब चुनाव से ठीक पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाना हो या राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट का टकराव पर चुप्पी। उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर और गोवा के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार हो या गुलाम नबी आजाद, कैप्टन अमरिंदर सिंह, कपिल सिब्बल, सुनील जाखड़ जैसे नेताओं का साथ छोड़ना... राहुल गांधी के लिए 2022 की शुरुआत भी 2014 से चली आ रही शिकस्त के समान ही रही। इसी बीच भारत जोड़ो यात्रा की घोषणा हुई। आम जनमानस को लगा कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक राहुल गांधी की पदयात्रा की बात सिर्फ हवा-हवाई होगी। किसी को यकीन नहीं था कि राहुल गांधी पूरी यात्रा में मौजूद रहेंगे। खुद राहुल गांधी ने भी एक प्रेस वार्ता में यह स्वीकार किया कि यह असंभव लग रहा था, लेकिन राहुल चले। चले ही नहीं, दौड़े भी।

तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में घूम चुकी भारत जोड़ो यात्रा को हर राज्य में जनता का समर्थन मिला। हर राज्य में लोगों का भरपूर प्यार राहुल गांधी को मिला। यही कारण है कि भारत जोड़ो यात्रा में अब तक देश की नामचीन हस्तियां शामिल हुईं हैं। हालांकि, उत्तर प्रदेश में विपक्षी पार्टियां राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से दूर रहेंगी, लेकिन जम्मू-कश्मीर में इस यात्रा में जमकर विपक्षी भागीदारी होगी। जाहिर है कि इस यात्रा ने राहुल गांधी को कांग्रेस में सबसे बड़ा नेता बना दिया है। इस यात्रा से उनके नेतृत्व को कांग्रेस के सभी नेताओं ने स्वीकार कर लिया है। जहां तक विपक्ष की बात है तो अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी, केसीआर, अखिलेश यादव, मायावती के जल्द राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार करने से रहे। मगर, लालू यादव, उद्धव ठाकरे, स्टालिन, वामपंथी दलों ने राहुल गांधी के नेतृत्व को अब स्वीकार कर लिया है। हां, नीतीश अभी भी उनकी राह में बड़ा रोड़ा हैं। वह इस तथ्य से अनजान होने का स्वांग रचते हैं कि कोई भारत जोड़ो यात्रा भी निकल रही है। वह कहते हैं : हमको नहीं पता। कोई निकाल रहा है तो निकाले। हमको उसमें कोई रुचि नहीं है। कांग्रेस को पता है कि अगर वह दक्षिणी राज्यों से 50-60 सीटें निकाल लेती है और उत्तर और पूर्वी राज्यों में कुछ सीटें भी निकाल लेती है तो अब तक एक अलग राह चल रहे विपक्ष के तमाम नेता उसके पाले में आने में एक सेकेंड की देर नहीं लगाएंगे। कुल मिलाकर कहें तो 2022 ने जाते-जाते राहुल गांधी को देश का सबसे मजबूत विपक्षी नेता बना दिया है। हां, यह भी सत्य है कि उनका पाला नरेंद्र मोदी से पड़ेगा तो मामला 20 अनुपात 80 का ही होगा। जहां तक बात छवि निर्माण की है तो इसमें कोई दो मत नहीं कि वर्ष 2022 में सितम्बर माह से लेकर इन पंक्तियों के लिखे जाने तक राहुल गांधी की छवि काफी हद तक सुधरी है और उसमें पैसा भी काफी खर्च किया गया है। लेकिन, बड़ा सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बरअक्स खड़े हो पाएंगे? मोदी की पॉलिटिकल इमेज लार्जर देन लाइफ की हो चली है। खास कर 30 दिसम्बर को उनकी माता जी के निधन के ठीक बाद जिस तरीके से उन्होंने अपने राजधर्म को निभाया, जिस तरीके से वह तमाम संवेदनाओं को निजी बताकर अपने काम-धाम में लग गए, उससे उनकी छवि अनंत ऊंचाईयों को छूती हुआ बहुत-बहुत आगे निकल गई है।